

भारतीय रिज़र्व बैंक
बुलेटिन



अगस्त 2018

खंड 72 अंक 8

संपादन समिति
जनक राज
गौतम चैटर्जी
राजीव रंजन

संपादक
शशीधर एम. लोकरे

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादकीय समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है। इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है। हस्ताक्षरित लेखों में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी हैं।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2018

सर्वाधिकार सुरक्षित।
सामग्री के पुनः प्रयोग की अनुमति है,
बशर्ते कि स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन के सदस्यता शुल्क के लिए कृपया “भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के महत्वपूर्ण प्रकाशन” खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को इंटरनेट के माध्यम से
<http://www.bulletin.rbi.org.in> पर भी देखा जा सकता है।

विषय-वस्तु

मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19

तीसरा द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19 1

भाषण

मेघनाद देसाई एकेडमी ऑफ इकॉनोमिक्स में दीक्षांत
समारोह के अवसर पर उद्घाटन भाषण
उर्जित आर. पटेल 9

लेख

विदेशी मुद्रा बाजार के परिचालन और चलनिधि प्रबंधन 13

वर्तमान सांख्यिकी 23

हाल के प्रकाशन 67

मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19

तीसरा द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19

तीसरा द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2018-19

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी), भारतीय रिज़र्व बैंक का संकल्प*

मौद्रिक नीति समिति ने आज की अपनी बैठक में वर्तमान और उभरती समष्टिगत आर्थिक परिस्थिति के आकलन के आधार पर यह निर्णय लिया है कि -

- चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत नीतिगत रिपो दर को 25 आधार अंक बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया जाए।

परिणामस्वरूप, एलएएफ के तहत प्रतिवर्ती रेपो दर 6.25 प्रतिशत पर और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर तथा बैंक दर 6.75 प्रतिशत पर समायोजित हो जाएगी।

एमपीसी का निर्णय मौद्रिक नीति के तटस्थ रुझान के अनुरूप है। इसका तारतम्य, वृद्धि को सहारा प्रदान करते हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के 4 प्रतिशत के मध्यावधिक लक्ष्य को +2/-2 प्रतिशत के दायरे में रखने के उद्देश्य से भी है। इस निर्णय के समर्थन में प्रमुख विवेचनों का वर्णन नीचे दिए गए विवरण में किया गया है।

आकलन

2. जून 2018 में हुई एमपीसी की अंतिम बैठक से वैश्विक आर्थिक गतिविधि सक्रिय बनी हुई है, तथापि वैश्विक वृद्धि असमान हुई है तथा बढ़ते व्यापार तनावों के साथ संभावना के लिए जोखिम बढ़ गए हैं। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (ईई) के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था ने पहली तिमाही की नरम वृद्धि के बाद दूसरी तिमाही में मजबूती हासिल की है जिसका कारण बढ़ता व्यक्तिगत उपभोग व्यय तथा निर्यात है। यूरो क्षेत्र में राजनीतिक अनिश्चितता और मजबूत मुद्रा के कारण मंद उपभोक्ता मांग के कारण पहली तिमाही की कमजोरी वृद्धि दूसरी तिमाही में भी जारी रही। जापान में खुदरा बिक्री,

उपभोक्ता विश्वास पर हाल के आंकड़े और कारोबारी भावना वृद्धि में नरमी की ओर संकेत करते हैं।

3. प्रमुख उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) में आर्थिक गतिविधि अस्थिर और बढ़े हुए तेल मूल्यों, बढ़ते व्यापार तनावों और वित्तीय स्थिति के कठोर होने के कारण कुछ धीमी हो गई हैं। चीनी अर्थव्यवस्था ने ऋण को नियंत्रित रखने के लिए किए गए प्रयासों के कारण दूसरी तिमाही में कुछ गति खो दी। रूसी अर्थव्यवस्था ने पहली तिमाही में गति प्राप्त की, रोजगार, औद्योगिक उत्पादन और निर्यात पर हाल के आंकड़े संकेत करते हैं कि अर्थव्यवस्था ने और गति हासिल की है। दक्षिण अफ्रीका की अर्थव्यवस्था पहली तिमाही में संकुचित हुई, हालांकि उपभोक्ता भावना में सुधार हुआ, उच्च बेरोजगारी तथा कमजोर निर्यात की चुनौती है। ब्राजील में आर्थिक गतिविधि को राष्ट्रव्यापी हड़ताल के कारण पहली तिमाही में धक्का लगा, हाल ही के आंकड़े दर्शाते हैं कि वृद्धि मंदी रही क्योंकि औद्योगिक उत्पादन मई में कम हो गया और विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) घट गया।

4. व्यापार जंग के बढ़ने और ब्रेजिट समझौता वार्ता से उत्पन्न हुई अनिश्चितता के कारण वैश्विक व्यापार में कुछ पकड़ कम हो गई। कच्चे तेल की कीमतें, जो नाजुक मांग-आपूर्ति संतुलन के कारण मई-जून में अस्थिर और बढ़ी हुई थी, पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) तथा गैर-ओपेक उत्पादकों से उच्चतर आपूर्ति पर जुलाई के दूसरे पखवाड़े में थोड़ी सहज हुई। मूल धातुओं की कीमतें व्यापार जंग के बढ़ने के डर से बढ़ी हुई सामान्य रिस्क-ऑफ भावना के कारण घट गई। स्वर्ण की कीमतें मजबूत डॉलर के कारण नरम हो गई हैं। अमेरिका में मुद्रास्फीति मजबूत रही, जो तेल की उच्चतर कीमतों और मजबूत समग्र मांग को प्रतिबिंबित कर रही है। मुद्रास्फीति कुछ अन्य प्रमुख उन्नत और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में थोड़ी बढ़ गई है, ऐसा आंशिक रूप से ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और मुद्रा के मूल्यहास के पास-थू प्रभावों के कारण हुआ।

5. वित्तीय बाजार मुख्य रूप से उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीति रुख और भौगोलिक-राजनीतिक तनावों द्वारा प्रभावित हैं। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में इक्विटी बाजारों में व्यापार तनाव और ब्रेजिट समझौता वार्ता से संबंधित अनिश्चितता के कारण गिरावट आ गई। यूएस फेडरल

* 01 अगस्त, 2018 को जारी किया गया।

द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि करने पर ईएमई आस्तियों के लिए निवेशकों की भूख घट गई। अमेरिका में 10 वर्षीय सॉवरेन प्रतिफल सुरक्षित आश्रय स्थल मांग के चलते 17 मई को इसके शीर्ष से कुछ नीचे आ गया, ऐसा बढ़ते व्यापार द्वन्द्वों के कारण हुआ। अन्य महत्वपूर्ण उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में भी प्रतिफल नरम हो गए। तथापि, अधिकांश उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में प्रतिफलों में गतिविधियां अलग-अलग रही, जो घरेलू समष्टि-आर्थिक मूल तत्वों और कठोर वैश्विक चलनिधि को प्रतिलक्षित करते हैं। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीति के कड़े होने की प्रत्याशा में उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में पूंजी प्रवाहों में गिरावट आई। मुद्रा बाजारों में, अमेरिकी डॉलर बढ़ गया, जिसे मजबूत आर्थिक आंकड़ों से मदद मिली। कम होती राजनीतिक अनिश्चितता तथा केंद्रीय बैंक द्वारा टेपर बातचीत के कारण यूरो में जून में मजबूती आई। तथापि, मिश्रित आर्थिक आंकड़ों और बढ़ते अमेरिकी डॉलर के कारण बाद में मुद्रा ने नरमी पर कारोबार किया। सामान्य तौर पर, उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं की मुद्रा में पिछले महीने में अमेरिकी डॉलर की तुलना में मूल्यहास हुआ।

6. घरेलू मोर्चे पर, दक्षिण-पश्चिम मानसून में जून के दूसरे पखवाड़े में कमी के लघु समय के बाद सुधार हो रहा है। 31 जुलाई 2018 तक संचित वर्षा दीर्घावधि औसत से 6 प्रतिशत कम रहा। स्थानीय वितरण के मामले में, 36 उप-मंडलों में से 28 में सामान्य या अधिक वर्षा हुई जबकि पिछले वर्ष के तीन उप-मंडलों की तुलना में 8 उप-मंडलों में कम वर्षा हुई। 27 जुलाई को खरीफ फसल का कुल बुआई क्षेत्र एक वर्ष पहले के क्षेत्र से 7.5 प्रतिशत कम रहा। 26 जुलाई को प्रमुख जलाशयों में मौजूदा संग्रहण पूर्ण जलाशय स्तर का 41 प्रतिशत रहा दो एक वर्ष पूर्व 36 प्रतिशत था जो रबी के बुआई मौसम के लिए अच्छा संकेत है।

7. औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक (आईआईपी) द्वारा मापित औद्योगिक वृद्धि वर्ष-दर-वर्ष आधार पर अप्रैल-मई 2018 में मजबूत हो गया। ऐसा मुख्य रूप से पूंजीगत वस्तुओं और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन में उल्लेखनीय सुधार के कारण हुआ। इंफ्रास्ट्रक्चर/निर्माण क्षेत्र में वृद्धि में तेजी से बढ़ोतरी हुई, जो राष्ट्रीय राजमार्गों और ग्रामीण आवास पर सरकार के जोर को दर्शाती है, जबकि उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं की वृद्धि में काफी गिरावट आई। आठ मुख्य उद्योगों का आउटपुट पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों, इस्पात, कोयला और सीमेंट में उच्चतर उत्पादन के कारण जून में बढ़ गया। विनिर्माण क्षेत्र में क्षमता उपयोग मजबूत रहा। उत्पादन, आदेश बहियों और

निर्यात में कुछ नरमी के बावजूद वर्ष 2018-19 की पहली तिमाही के लिए रिज़र्व बैंक के कारोबार प्रत्याशा सूचकांक (बीईआई) पर आधारित आकलन आशावादी रहा। जुलाई विनिर्माण पीएमआई विस्तारकारी जोन में रहा, हालांकि आउटपुट, नए आदेशों और रोजगार में धीमी वृद्धि के साथ एक महीने पहले के अपने स्तर से सहज हो गया।

8. सेवा गतिविधि के अनेक उच्च बारंबारता सूचक मई-जून में तेज गति से बढ़े। ट्रैक्टर और दुपहिया वाहनों की बिक्री वृद्धि में काफी तेजी आई, जो मजबूत ग्रामीण मांग को दर्शाती है। यात्री वाहन बिक्री वृद्धि जो शहरी मांग का सूचक है, भी सुदृढ़ रही। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री वृद्धि भी कुछ मंदी के बावजूद मजबूत बनी रही। घरेलू हवाई ट्रैफिक-शहरी मांग का दूसरा सूचक दुहरी संख्या वृद्धि में बना रहा। जून में लगातार आठवें माह के लिए दुहरी संख्या में वृद्धि के बनाए रखते हुए सीमेंट उत्पादन के साथ निर्माण गतिविधि सूचकों में भी सुधार हुआ। मई में इस्पात उत्पादन में भी तेजी आई। सेवा पीएमआई मई में थोड़ी कमी के बाद जून में 12 माह के उच्च स्तर पर पहुंच गया, जिसमें नए कारोबार और रोजगार में विस्तार से सहायता मिली।

9. वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सीपीआई में बदलाव द्वारा मापित खुदरा मुद्रास्फीति मई के 4.9 प्रतिशत से बढ़कर जून में 5 प्रतिशत हो गई, ऐसा ईंधन और खाद्य तथा ईंधन के अतिरिक्त अन्य मर्दों में बढ़ोतरी द्वारा हुआ, हालांकि ग्रीष्मकालीन महीनों में फलों और सब्जियों की कीमतों में साधारण वृद्धि की तुलना में कम वृद्धि के कारण खाद्य मुद्रास्फीति मंदी रही। सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के आवास किराया भत्तों (एचआरए) के अनुमानित प्रभाव को समायोजित करते हुए, हेडलाइन मुद्रास्फीति मई के 4.5 प्रतिशत से बढ़कर जून में 4.6 प्रतिशत हो गई। अनाज, मांस, दूध, तेल, मसालों और गैर-अल्कोहोलिक पेय पदार्थों में कम मुद्रास्फीति जारी रही तथा दलहन और चीनी के कीमतें अवस्फीति में रही।

10. ईंधन और रोशनी समूह की मुद्रास्फीति में तेजी से वृद्धि हुई, जिसे तरल पेट्रोलियम गैस और केरोसिन द्वारा बढ़ाया गया। जलाने वाली लकड़ी तथा चिप्स में मुद्रास्फीति बढ़ गई, जबकि विद्युत मुद्रास्फीति कम रही। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों के पास-थू ने घरेलू पेट्रोलियम उत्पादों तथा परिवहन सेवाओं में मुद्रास्फीति पर प्रभाव डाला। शिक्षा और स्वास्थ्य के मामले में भी मुद्रास्फीति में थोड़ी बढ़ोतरी हुई।

11. रिज़र्व बैंक द्वारा किए गए परिवारों के सर्वेक्षण के जून दौर में पिछले दौर की तुलना में तीन महीने आगे की और

एक वर्ष आगे की मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं में 20 आधार अंकों की रिपोर्ट की गई है। रिज़र्व बैंक के औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण (आईओएस) में मत देने वाली विनिर्माण फर्मों ने वर्ष 2018-19 की पहली तिमाही में उच्चतर इनपुट लागत और बिक्री मूल्यों की रिपोर्ट की है। विनिर्माण पीएमआई ने दर्शाया है कि जुलाई में इनपुट कीमतें थोड़ी कम हुईं, हालांकि फिर भी ये उच्च बनी हुई हैं। जून में सेवा पीएमआई के लिए मत देने वाली कंपनियों के लिए इनपुट लागतें भी उच्च रही। कृषि और गैर-कृषि इनपुट लागतें काफी बढ़ीं। फरवरी और मार्च 2018 में कुछ बढ़ोतरी के बावजूद, ग्रामीण मजदूरी वृद्धि सामान्य रही जबकि संगठित क्षेत्र में मजदूरी वृद्धि मजबूत रही।

12. जून-जुलाई 2018 के दौरान प्रणालीगत चलनिधि सामान्य रूप से अधिशेष में रही। जून में, रिज़र्व बैंक ने एलएएफ के अंतर्गत दैनिक निवल औसत आधार पर लगभग ₹ 140 बिलियन की अधिशेष चलनिधि अवशोषित की, हालांकि प्रणाली अग्रिम कर बहिर्वाह के कारण माह के दूसरे पखवाड़े में निवल अधिशेष से निवल घाटे के मोड में बदल गई। जून में ओवरनाइट कॉल मुद्रा बाजार में ब्याज दरें बढ़ गईं जो 6 जून 2018 को रेपो दर में हुई बढ़ोतरी को प्रतिबिंबित करती हैं। भारत औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) का औसतन आधार पर रेपो दर से 12 आधार अंक कम पर कारोबार किया गया जैसाकि मई में हुआ था। सरकार के बढ़े हुए खर्च के साथ जुलाई की शुरुआत में प्रणालीगत चलनिधि अधिशेष मोड में चली गई किंतु 10 जुलाई के बाद घाटे में बदल गई, दैनिक निवल औसत आधार पर रिज़र्व बैंक ने जुलाई में एलएएफ के अंतर्गत ₹ 107 बिलियन की चलनिधि उपलब्ध कराई। जुलाई में औसतन आधार पर डब्ल्यूएसीआर का कारोबार नीति दर से 9 आधार अंक कम पर हुआ। व्याप्त चलनिधि स्थिति और इसके आगे टिकाऊ चलनिधि आवश्यकताओं के आकलन के आधार पर, रिज़र्व बैंक ने 21 जून और 19 जुलाई 2018 को प्रत्येक बार ₹ 100 बिलियन की दो खुला बाजार परिचालन (ओएमओ) खरीद नीलामी आयोजित की।

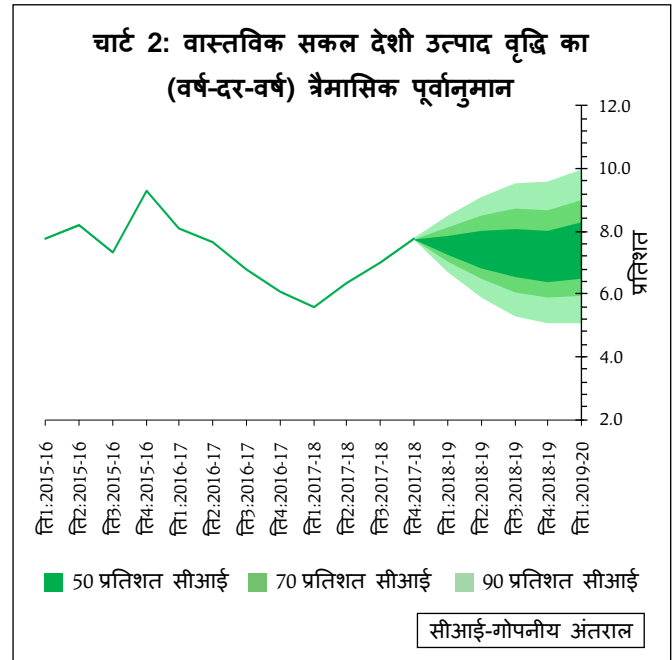
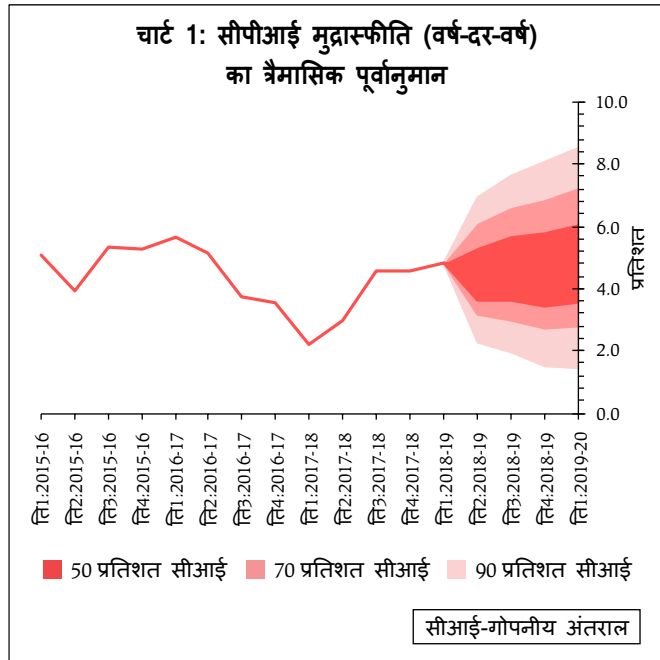
13. वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मई और जून 2018 में निर्यात वृद्धि में तेजी आई, जिसमें इंजीनियरिंग वस्तुओं, पेट्रोलियम उत्पादों, औषधी और फार्मास्यूटिकल्स तथा रसायनों द्वारा सहायता मिली। मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के चलते आयात वृद्धि में भी तेजी आई। गैर-तेल आयात में, कम मात्रा के कारण स्वर्ण आयात में गिरावट आई, जबकि मशीनरी, कोयला, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं, रसायनों और लोहा तथा इस्पात का आयात तेजी से बढ़ गया। मई और जून में दुहरी संख्या में आयात वृद्धि ने व्यापार घाटे को बढ़ा

दिया। वित्तीय पक्ष पर, वर्ष 2018-19 के पहले दो महीनों में निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह में काफी सुधार हुआ। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में चलनिधि स्थिति के कड़े होने के साथ बढ़ती भौगोलिक-राजनीतिक चिंताएं और संरक्षणवादी भावना के बढ़ने के साथ, घरेलू पूंजी बाजार से निवल विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) बहिर्वाह जारी रहा, हालांकि यह काफी धीमी दर पर रहा। 27 जुलाई 2018 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 404.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

संभावना

14. 2018-19 के दूसरे द्वि-मासिक संकल्प में, 2018-19 हेतु केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एचआरए प्रभाव सहित, जिससे जोखिम ऊपर की ओर झुक गया, एच1 में 4.8-4.9 प्रतिशत और एच2 में 4.7 प्रतिशत सीपीआई मुद्रास्फीति की परिकल्पना की गई थी। एचआरए संशोधन के प्रभाव को छोड़कर, एच1 में 4.6 प्रतिशत और एच2 में 4.7 प्रतिशत सीपीआई मुद्रास्फीति की परिकल्पना की गई थी। वास्तविक मुद्रास्फीति के परिणाम अनुमानित प्रक्षेपवक्र से थोड़ा नीचे हैं क्योंकि पिछली बार की तुलना में इस बार मौसमी गर्मी के समय भी सब्जी की कीमतें कुछ हद तक पहले की तरह ही रही हैं तथा फलों की कीमतें घट गई हैं।

15. मुद्रास्फीति आउटलुक को कई कारकों से सही आकार देने की संभावना है। सबसे पहले, केंद्र सरकार ने 2018-19 के बुवाई के मौसम के लिए खरीफ फसलों के उत्पादन की लागत के कम से कम 150 प्रतिशत की न्यूनतम समर्थन कीमतों (एमएसपी) को तय करने का निर्णय लिया है। इससे खरीफ की फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि होगी, जो पिछले कुछ वर्षों में देखी गई औसत वृद्धि से काफी अधिक है तथा इससे खाद्य मुद्रास्फीति पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा एवं दूसरे चरण में हेडलाइन मुद्रास्फीति पर प्रभाव पड़ेगा। ऐतिहासिक रुझानों के आधार पर एमएसपी में वृद्धि का एक हिस्सा जून बेसलाइन अनुमानों में पहले से ही शामिल किया गया था। इस प्रकार, अतीत में औसत वृद्धि के ऊपर एमएसपी में वृद्धिशील वृद्धि ही केवल मुद्रास्फीति अनुमानों को प्रभावित करेगी। हालांकि, एक बड़ी अनिश्चितता है और सटीक प्रभाव सरकार के खरीद संचालन की प्रकृति और पैमाने पर निर्भर करेगा। दूसरी ओर, मानसून का समग्र प्रदर्शन अब तक मध्यम अवधि में खाद्य मुद्रास्फीति के लिए अच्छा रहा है। तीसरा, कच्चे तेल की कीमतें थोड़ी कम हो गई हैं, लेकिन ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। चौथा, केंद्र सरकार ने कई वस्तुओं और सेवाओं पर वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) दरों को कम कर दिया है। इसका प्रभाव मुद्रास्फीति पर घटते



क्रम में होगा, बशर्ते खुदरा उपभोक्ताओं को कम जीएसटी दरों का पास-थू दिया जाए। पांचवां, खाद्य और ईंधन को छोड़कर वस्तुओं में मुद्रास्फीति व्यापक रूप से आधारित है और हाल के महीनों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है, जो बढ़ती इनपुट लागतों और मांग की स्थिति में सुधार के माध्यम से अधिक पास-थू को दर्शाती है। अंत में, वित्तीय बाजार अभी भी अस्थिर बना हुआ है। उपर्युक्त कारकों के मूल्यांकन के आधार पर, मुद्रास्फीति, क्यू2 में 4.6 प्रतिशत, 2018-19 के एच2 में 4.8 प्रतिशत और क्यू1:2019-20 में 5.0 प्रतिशत, जोखिमों को समान रूप से संतुलित (चार्ट 1) के साथ, का अनुमान लगाया गया है। एचआरए प्रभाव को छोड़कर, सीपीआई मुद्रास्फीति, क्यू2 में 4.4 प्रतिशत, एच2 में 4.7-4.8 प्रतिशत और क्यू1:2019-20 में 5.0 प्रतिशत, का अनुमान लगाया गया है।

16. विकास दृष्टिकोण की ओर मुड़ते हुए, विभिन्न संकेतक बताते हैं कि आर्थिक गतिविधि मजबूत हो रही है। खरीफ फसलों के एमएसपी में सामान्य वृद्धि की तुलना में अधिक वृद्धि एवं अब तक मानसून की प्रगति से किसानों की आय में बढ़ोतरी एवं ग्रामीण मांग को बढ़ावा देने की उम्मीद है। दुरुस्त कॉर्पोरेट आय, विशेष रूप से तेजी से बिकने वाली उपभोक्ता वस्तुओं (एफएमसीजी) कंपनियों के, भी सकारात्मक ग्रामीण मांग को दर्शाती है। वर्तमान अवधि में वित्त पोषण की स्थिति कुछ कठिन होने के बावजूद, निवेश गतिविधि दृढ़ बनी हुई है। हाल के महीनों में बढ़ी हुई एफडीआई प्रवाह और लगातार उत्साही घरेलू पूंजी बाजार

की स्थिति से निवेश गतिविधि के लिए अच्छे संकेत हैं। रिजर्व बैंक का आईओएस इंगित करता है कि क्यू2 में विनिर्माण क्षेत्र में गतिविधि मजबूत रहने की उम्मीद है, हालांकि गति में कुछ कमी आ सकती है। हालांकि, बढ़ते व्यापार तनाव भारत के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। कुल मूल्यांकन के आधार पर, 2018-19 के लिए सकल घरेलू उत्पाद का वृद्धि अनुमान, जून के वक्तव्य के अनुसार 7.4 प्रतिशत पर, एच1 में 7.5-7.6 प्रतिशत और एच2 में 7.3-7.4 प्रतिशत के साथ, जोखिम समान रूप से संतुलित; क्यू1:2019-20 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि: अनुमानित 7.5 प्रतिशत (चार्ट 2) पर अनुमानित है, को बनाए रखा गया है।

17. यद्यपि तिमाही 2 के लिए मुद्रास्फीति अनुमानों में जून वक्तव्य के मुकाबले में मामूली रूप से कम सुधार हुआ है, आगे तिमाही 3 के लिए अनुमान व्यापक रूप से अपरिवर्तित रहे हैं। कई जोखिम बने हुए हैं, पहला, कच्चे तेल की कीमतों में उतारचढ़ाव जारी है और यह ऊपरी और नीचे दोनों जोखिमों के लिए संवेदनशील है। विशेष रूप से, जबकि भूराजनीतिक तनाव और आपूर्ति व्यवधान तेल की कीमतों के लिए एक बड़ा जोखिम बना हुआ है, संरक्षणवादी व्यापार नीतियों की अधिक तीव्रता के कारण वैश्विक मांग में गिरावट से तेल की कीमतें कम हो सकती हैं। दूसरा, वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता मुद्रास्फीति दृष्टिकोण को अनिश्चितता प्रदान करती रही है। तीसरा, रिजर्व बैंक के सर्वेक्षण में मापी गयी, परिवार मुद्रास्फीति प्रत्याशाएं,

पिछले दो दौरों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है, जो आने वाले महीनों में वास्तविक मुद्रास्फीति के परिणामों को प्रभावित कर सकती है। चौथा, रिज़र्व बैंक के औद्योगिक आउटलुक सर्वेक्षण में शामिल विनिर्माण फर्मों ने 2018-19 की दूसरी तिमाही में इनपुट मूल्य दबावों के सख्त होने की सूचना दी है। तथापि, यदि वैश्विक वस्तुओं की कीमतों में हालिया नरमी बनी रहती है, तो यह इनपुट लागतों के ऊपर के कुछ दबाव को कम कर सकती है। पांचवा, हालांकि मानसून अस्थायी रूप से अब तक सामान्य रहा है, लेकिन महत्वपूर्ण सीपीआई घटकों जैसे धान के संदर्भ में इसके क्षेत्रीय वितरण की सावधानीपूर्वक निगरानी की जानी चाहिए। छठा, यदि केंद्र और / या राज्य स्तर पर राजकोषीय गिरावट है, तो वह बाजार में अस्थिरता, निजी निवेश में कमी और मुद्रास्फीति दृष्टिकोण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। सातवां, मुद्रास्फीति पर एमएसपी के पूर्ण प्रभाव के आसपास अनिश्चितता केवल मूल्य समर्थन योजना लागू होने के बाद अगले कई महीनों में ही हल हो जाएगी। अंत में, राज्य सरकारों द्वारा एचआरए संशोधन के लड़खड़ाने वाले प्रभाव से हेडलाइन मुद्रास्फीति बढ़ सकती है। जब एचआरए संशोधन के सांख्यिकीय प्रभाव को देखा जाएगा, मुद्रास्फीति पर किसी दूसरे दौर के प्रभाव देखे जाने की आवश्यकता है।

18. उपर्युक्त पृष्ठभूमि के देखते हुए, एमपीसी ने पॉलिसी रेपो दर को 25 आधार अंकों तक बढ़ाने निर्णय किया।

एमपीसी एक टिकाऊ आधार पर 4 प्रतिशत की मुद्रास्फीति के लिए मध्यम अवधि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

19. एमपीसी ने नोट किया कि घरेलू आर्थिक गतिविधि ने गति को बनाए रखा है और उत्पादन अंतराल लगभग बंद हो गया है। तथापि, आगामी महीनों में घरेलू मुद्रास्फीति के आसपास अनिश्चितता की सावधानी से निगरानी की जानी चाहिए। इसके अलावा, हाल की वैश्विक गतिविधियां कुछ चिंताएं उत्पन्न करती हैं। बढ़ते व्यापार संरक्षणवाद ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा डालने और उत्पादकता को रोकने और निवेश पर प्रतिकूल प्रभाव डालकर निकट अवधि और दीर्घकालिक वैश्विक विकास संभावनाओं के लिए गंभीर खतरा पैदा किया है। भूराजनीतिक तनाव और बढ़ी हुई तेल की कीमतें वैश्विक विकास के जोखिम के अन्य स्रोत हैं।

20. डॉ. चेतन घाटे, डॉ. पामी दुआ, डॉ. माइकल देबब्रत पात्रा, डॉ. विरल वी. आचार्य और डॉ. उर्जित आर. पटेल ने निर्णय के पक्ष में मतदान किया; डॉ. रविंद्र एच. ढोलकिया ने निर्णय के खिलाफ मतदान किया। एमपीसी की बैठक के कार्यवृत्त 16 अगस्त 2018 तक प्रकाशित किए जाएंगे।

21. एमपीसी की अगली बैठक 3 से 5 अक्टूबर 2018 तक आयोजित की जाएगी।

विकासात्मक एवं विनियामकीय नीतियों पर वक्तव्य

यह वक्तव्य विनियमन और वित्तीय समावेशन पहलों को मजबूत करने के लिए; वित्तीय बाजारों का विस्तार और उनको सघन बनाने के लिए और ग्राहक शिक्षण और संरक्षण में वृद्धि करने के लिए विभिन्न विकासात्मक और विनियामकीय नीति उपायों का निर्धारण करता है।

I. विनियमन एवं वित्तीय समावेशन

1. अनुसूचित प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों को एमएसएफ का विस्तार, और अनुसूचित राज्य सहकारी बैंकों को एलएएफ और एमएसएफ का विस्तार

मुद्रा बाजार दरों पर मौद्रिक नीति के संचरण में सुधार के लिए रिजर्व बैंक के सतत प्रयासों के हिस्से के रूप में, यह निर्णय लिया गया है कि :

- एमएसएफ के लिए निर्धारित योग्यता मानदंडों का अनुपालन करनेवाले अनुसूचित प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों को सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) तक पहुंच के लिए और
- एलएएफ / एमएसएफ के लिए निर्धारित योग्यता मानदंडों का अनुपालन करने वाले, अनुसूचित राज्य सहकारी बैंकों को चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) तक पहुंच के लिए स्वीकृति दी जाएं।

सितंबर 2018 के अंत तक विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे।

2. प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों द्वारा गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में निवेश

मूल्य खोज व्यवस्था में और अधिक दक्षता लाने के लिए और शहरी और ग्रामीण सहकारी बैंकों के लिए नियमों के अनुकूलिकरण की दिशा में एक कदम के रूप में, यह निर्णय लिया गया है कि प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों को म्यूचुअल फंड, पेंशन / भविष्य निधि, और बीमा कंपनियों के साथ सेकेंडरी बाजार में गैर-एसएलआर निवेश के अधिग्रहण / बिक्री के लिए पात्र लेनदेन करने की अनुमति दी जाए। यह लेनदेन अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों और प्राथमिक डीलरों के साथ उपयुक्त लेनदेन करने के अतिरिक्त होंगे। सितंबर 2018 के अंत तक विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे।

3. प्राथमिकता क्षेत्र को उधार देने के लिए बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा ऋण की सह-उत्पत्ति

प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण के लिए अत्यधिक आवश्यक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करने के लिए, यह निर्णय लिया गया कि, पात्र प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र की आस्तियों के सृजन के लिए, सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और छोटे वित्त बैंकों को छोड़कर), गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां - जमाराशि स्वीकार न करने वाली-सिस्टमिक रूप से महत्वपूर्ण-(एनबीएफसी-एनडी-एसआई) के साथ ऋण की उत्पत्ति कर सकते हैं। सह-उत्पत्ति व्यवस्था सुविधा स्तर पर दोनों उधारदाताओं द्वारा ऋण के संयुक्त योगदान तक सीमित होनी चाहिए। इसमें अपने संबंधित व्यावसायिक उद्देश्यों के उचित संरेखण को सुनिश्चित करने के लिए पारस्परिक समझौते के अनुसार, बैंकों और एनबीएफसी के बीच जोखिम और पुरस्कार को साझा करना भी शामिल होना चाहिए। इस संबंध में दिशानिर्देश सितंबर 2018 के अंत तक जारी किए जाएंगे।

II. वित्तीय बाजार

4. निवासियों के लिए विदेशी मुद्रा व्युत्पन्न सुविधाओं की समीक्षा (विनियमन फेमा -25)

विदेशी मुद्रा प्रबंधन (विदेशी मुद्रा व्युत्पन्न अनुबंध) विनियमावली 2000, जिसे आमतौर पर फेमा 25 के नाम से जाना जाता है, ऐसे विदेशी मुद्रा व्युत्पन्न अनुबंधों के संबंध में व्यापक नियम बताता है जिनका भारत में कारोबार किया जा सकता है और निवासियों को जिन उत्पादों तक पहुंच प्रदान की जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में, फेमा 25 में कई संशोधन किए गए हैं ताकि निवासियों को अपने मुद्रा जोखिम के लिए हेजिंग करना आसान हो और हेजिंग के लिए उपलब्ध उपकरणों की सीमा को भी व्यापक बनाया जा सके। अब प्रस्ताव किया गया है कि अन्य बातों के साथ, व्युत्पन्न लेनदेन करने के लिए प्रशासनिक अपेक्षाओं को कम करने, गतिशील हेजिंग की अनुमति देने और भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों को उनकी वैश्विक अनुष्ंगियों के मुद्रा जोखिमों की हेजिंग भारत से करने की अनुमति देने के लिए भारत सरकार के परामर्श से फेमा 25 की व्यापक समीक्षा की जाए। संशोधित दिशानिर्देशों पर ड्राफ्ट परिपत्र सितंबर 2018 के अंत तक सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए जारी किया जाएगा।

5. बाजार के समय की व्यापक समीक्षा

भारतीय रिजर्व बैंक को समय-समय पर करेंसी फ्यूचर्स, ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) विदेशी मुद्रा बाजार इत्यादि जैसे

कुछ बाजार खंडों के समय में विस्तार के लिए अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। सबसे अच्छा होता है कि बाजार के समय का निर्णय बाजार प्रतिभागियों और एक्सचेंजों / व्यापार प्लेटफार्मों पर छोड़ दिया जाए, यद्यपि यह भी आवश्यक है कि उत्पादों और वित्त पोषण बाजारों का समय एक-दूसरे के लिए पूरक रहे और अप्रत्याशित टकराव से बचा जाए। इसलिए, यह प्रस्ताव किया गया है कि विभिन्न बाजारों के समय की समीक्षा और बाजार समय के लिए अनुशंसित संशोधन का समर्थन करने के लिए आवश्यक भुगतान आधारभूत संरचना की व्यापक समीक्षा करने के लिए एक आंतरिक समूह स्थापित किया जाए। प्रस्तावित समूह अक्टूबर 2018 के अंत तक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

6. एसजीएल / सीएसजीएल दिशानिर्देशों की समीक्षा

सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) बाजारों में अधिक सहभागिता की सुविधा के लिए और सहायक सामान्य खाता-बही (एसजीएल) और ग्राहकों की सहायक सामान्य खाताबही (सीएसजीएल) खातों के उद्घाटन और संचालन में बाजार

प्रतिभागियों को और अधिक सुविधापूर्ण परिचालन प्रदान करने के लिए, यह निर्णय लिया गया है कि व्यापक रूप से एसजीएल / सीएसजीएल दिशानिर्देशों की समीक्षा की जाए। इस संबंध में अधिसूचनाएं और निर्देश अक्टूबर 2018 के अंत तक जारी किए जाएंगे।

III. ग्राहक शिक्षा और संरक्षण

7. बैंकों में आंतरिक लोकपाल तंत्र की समीक्षा

बैंकों में आंतरिक शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से, चुनिंदा बैंकों को मई 2015 में आंतरिक लोकपाल (आईओ) को ग्राहक शिकायतों के निवारण के लिए शीर्ष प्राधिकरण के रूप में नियुक्त करने की सलाह दी गई थी। समीक्षा के आधार पर, आंतरिक लोकपाल तंत्र की स्वतंत्रता को बढ़ाने के साथ ही आंतरिक लोकपाल तंत्र के कामकाज पर निगरानी प्रणाली को भी मजबूत करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में संशोधित निर्देश सितंबर 2018 के अंत तक जारी किए जाएंगे।

भाषण

मेघनाद देसाई एकेडमी ऑफ इकॉनॉमिक्स में दीक्षांत
समारोह के अवसर पर उद्घाटन भाषण

उर्जित आर. पटेल

मेघनाद देसाई एकेडमी ऑफ इकॉनोमिक्स में दीक्षांत समारोह के अवसर पर उद्घाटन भाषण*

डॉ. उर्जित आर. पटेल

1. वर्ष 2018 की क्लास, उनके माता-पिता, मेहमान और विद्यार्थी, लॉर्ड मेघनाद देसाई, मेघनाद देसाई एकेडमी ऑफ इकॉनोमिक्स के चेयरमैन और एकेडमी के सभी अकादमिक बंधुओं, मुझे इस दीक्षांत समारोह में आमंत्रित करके आपने मुझे अत्यंत सम्मानित किया है। इसने मुझे तीन दशक पहले के अपने स्नातक समारोह की याद दिला दी।

2. हालांकि लॉर्ड मेघनाद देसाई का विशाल और महान कार्य सर्वज्ञात है, किंतु फिर भी मैं मेघनाद देसाई, जो इस अकादमी के चेयरमैन, लंदन स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स के अवकाशप्राप्त प्रोफेसर, और एक प्रख्यात वैश्विक हस्ती हैं, के बारे में चंद शब्द कहना चाहता हूं। अर्थशास्त्र और शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान, और विशेषतः लंदन स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स में अध्यापन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आख्यान का विषय है। वे एक प्रबुद्ध संस्था-निर्माता हैं, जिसका एक शानदार उदाहरण है सेंटर फॉर दि स्टडी ऑफ ग्लोबल गवर्नेंस, जिसकी स्थापना उन्होंने 1992 में की थी। लॉर्ड देसाई ने वृहत् साहित्य रचा है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय राजनैतिक अर्थव्यवस्था, मार्क्सवादी अर्थशास्त्र, मौद्रिक अर्थशास्त्र और वैश्वीकरण पर लेखन शामिल है (एक परोक्ष टिप्पणी यह है कि अस्सी के दशक में यूनाइटेड किंगडम में मैक्रो कोर्स के लिए लॉर्ड देसाई की किताब 'टेस्टिंग मॉनेटरीज़्म' पढ़ना आवश्यक था)। उन्होंने भारतीय राजतंत्र से संबंधित मुद्दों पर भी काफी काम किया है, तथा यूके के राजनैतिक जीवन में उनका विचक्षण प्रभाव रहा है। वृहत् समाज के प्रति उनके इस योगदान का सम्मान करते हुए उन्हें युनाइटेड किंगडम द्वारा 1991 में सेंट क्लेमेंट डेन्स के लॉर्डशिप की उपाधि दी गई, तथा भारत सरकार द्वारा उन्हें 2008

में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया। मैं जहां से आता हूं, वहां लॉर्ड देसाई ने 2004 में पहला ब्रह्मानंद मेमोरियल लेक्चर दिया। भारतीय रिज़र्व बैंक ने मूर्धन्य शिक्षक और विद्वान प्रो. पी.आर.ब्रह्मानंद की स्मृति में यह व्याख्यान शृंखला प्रारंभ की। इस शृंखला का प्रथम व्याख्यान उनके सर्वाधिक प्रसिद्ध विद्यार्थी द्वारा दिया जाना सर्वथा उपयुक्त था।

3. मैं समझता हूं कि मेघनाद देसाई एकेडमी की स्थापना एक उत्कृष्टता की संस्था के रूप में हुई है। यह स्नातक विद्यार्थियों को अकादमिक दृढ़ता और तकनीकी कुशलता उपलब्ध कराती है, ताकि वे एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें, जो हर गुजरते हुए दिन के साथ अकादमिक लोगों, नीति निर्माताओं और बाजार के पेशेवरों, उद्योग, नीति और सरकार के लिए अधिक दक्षतापूर्ण होता जा रहा है। यह यथोचित है कि इस अकादमी की शुरुआत भारत के कुछ श्रेष्ठ अर्थशास्त्रियों द्वारा की गई है, जिसने छात्रों के लिए संपन्न और वैविध्यपूर्ण परिदृश्य का निर्माण किया है।

नीति निर्माण में अर्थशास्त्रियों/ अनुसंधानकर्ताओं की भूमिका

4. इस अवसर पर मैं अर्थशास्त्रियों के बारे में भी कुछ शब्द कहना चाहता हूं। कॉर्पोरेट क्षेत्र, केंद्रीय बैंकों, सरकारों और बहुपक्षीय संस्थाओं में रणनीतिक नीतियों का स्वरूप निर्धारित करते समय जनता के दृष्टिकोणों और प्रकटीकरणों को आकार देने में उनकी भूमिका अक्सर उपेक्षित रह जाती है। सुविज्ञ नीतिगत विकल्पों और परिणामी निर्णयों को बनाने में गहन अनुसंधान और प्रशिक्षण सहायक होते हैं। सरकारी नीति के क्षेत्र में अर्थशास्त्री जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव डाल सकते हैं, उसमें हमें विभेद करना होगा। जब हम इस पर विचार करते हैं कि किसी नीति के निर्माण, उदा. खजाने पर से आर्थिक सहायता (सब्सिडी) के बोझ को कम करने में, विशेषज्ञ किस प्रकार प्रभाव डाल सकते हैं, तब हम उनके बारे में सोचते हैं। तथापि, नीति निर्माण में उनका सर्वोत्तम योगदान कम प्रत्यक्ष मार्गों से हो सकता है, जैसे उनके अनुसंधान द्वारा, जो नीति निर्माताओं को आर्थिक समस्याओं/ चुनौतियों के बारे में अलग तरीकों से सोचने पर विवश करते हैं।

* श्री उर्जित आर. पटेल, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 3 अगस्त 2018 को मुंबई में मेघनाद देसाई एकेडमी ऑफ इकॉनोमिक्स में दीक्षांत समारोह के अवसर पर व्याख्यान।

5. अर्थशास्त्रियों द्वारा समाज के लिए योगदान देने हेतु उपयुक्त माहौल बनाने में नीति निर्माता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस संदर्भ में, हाल के वर्षों में तीन दूरगामी महत्व के सुधार लागू करने के लिए भारत सरकार की प्रशंसा की जानी चाहिए। भारत सरकार ने ऐसे सुधार, जिनका वर्णन केवल कायाकल्प करने वाले सुधारों के रूप में किया जा सकता है, को लागू करने के लिए जिस असामान्य साहस से काम लिया है, उसे किसी भी तरह कम करके नहीं आंका जा सकता है। इससे आने वाले वर्षों और दशकों में हमारे आर्थिक विकास की बेहतरी को आकार दिया जा सकेगा।

6. वर्ष 2016 में सरकार ने आरबीआई अधिनियम में संशोधन का विधान किया ताकि भारतीय रिज़र्व बैंक को देश की मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क का परिचालन करने का विनिर्दिष्ट अधिदेश दिया जा सके, जिसका प्रमुख उद्देश्य "संवृद्धि का उद्देश्य ध्यान में रखते हुए कीमत स्थिरता बनाए रखना है।" मुद्रास्फीति को लक्ष्य करने वाली लचीली संरचना में औपचारिक रूप से परिवर्तन करने तथा गवर्नर के द्वारा मौद्रिक नीतिगत निर्णय का त्याग करके छः सदस्यों वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) को सौंपने के साथ ही यह मौद्रिक नीति के संचालन की संस्थागत संरचना में मूलभूत परिवर्तन था। अन्य महत्वपूर्ण सुधार वस्तु एवं सेवा कर परिषद की स्थापना था, जिसके द्वारा भारत सरकार ने सहकारी संघवाद के लिए अत्यंत प्रभावी संस्थागत प्रणाली का निर्माण किया है। राज्य सरकारों के साथ मिल कर सरकार ने अंतरराष्ट्रीय फेडरल संवाद के विभाजक कार्य के लिए एक नए प्रति-विवरणात्मक का प्रस्ताव किया है, जिसमें एक बड़े सामूहिक कार्य के लिए स्वेच्छा से त्याग और राजकीय प्रभुत्व का समुच्चय किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, दिवाला और शोधन- अक्षमता संहिता, 2016 (आईबीसी) को लागू करना देश की ऋण संस्कृति सुधारने की ओर महत्वपूर्ण कदम है। आईबीसी में आस्तियों के समाधान के लिए एक ही स्थान पर समयबद्ध प्रक्रिया उपलब्ध कराई गई है, जिसमें स्पष्ट रूप से उद्यमिता को बढ़ावा देने, आस्तियों के मूल्य को अधिकतम करने तथा सभी हितधारकों के हितों का संतुलन बनाने पर बल दिया गया है। हमारे देश के इतिहास में ये कदम अपूर्व हैं, और यह सुदृढ़ लोक नीतियां बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाती हैं, जिसमें संस्थाओं की स्थापना करके उन्हें ऐसे कार्य निष्पादित करने के लिए

शक्तियां प्रदान की जा रही हैं, जो समष्टि आर्थिक और वित्तीय स्थिरता की सुरक्षा करने और उसे अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

7. अर्थशास्त्रियों को अक्सर गलत समझा जाता है, और कभी कभी तो उनकी निंदा भी की जाती है। उदाहरण के तौर पर अर्थशास्त्रियों की ढेरों आलोचना की गई कि वे 2007-08 के वैश्विक संकट को देखने और उसका पूर्वानुमान लगाने में असफल रहे, और इससे उनके व्यवसाय की साख पर भी आंच आई। मेरी दृष्टि से यह बहुत ही अनुचित है। डॉक्टर बीमारी को समझता है, लेकिन कौन कब बीमार पड़ेगा, इसका पूर्वानुमान नहीं लगा सकता। अर्थशास्त्रियों का मौलिक उद्देश्य संकटों का पूर्वानुमान लगाना नहीं है, बल्कि यह समझाना है कि सामान्य कारोबारी जीवन में इंसान कैसे व्यवहार करता है, और ऐसा करते समय वे संकट निर्माण होने की चेतावनी देते हैं, उससे पहले की रणनीति सुझाते हैं और ऐसे संकट, जो समष्टि आर्थिक निगरानी में से छूट जाते हैं, से निपटने के लिए उनका असर कम करने वाली नीतियां बनाते हैं। ज्यादातर, उन्हें प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है। हायमैन मिन्स्की 1950 के दशक में अपने अकादमिक कैरियर की शुरुआत से 1996 में अपनी मृत्यु के समय तक अपेक्षाकृत अचर्चित रहे।¹ वित्तीय संकट और उसके कारणों पर उनके अनुसंधान ने उस समय मुख्य प्रवाह के लोगों का अधिक ध्यान आकर्षित नहीं किया था। केवल वर्ष 2007 में जब सब-प्राइम मॉर्टगेज क्राइसिस उभर कर सामने आया, तब जाकर हर व्यक्ति उनके लिखे की बात करने लगा, जब वैश्विक वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल मचने पर उसका मतलब समझने की कोशिश की गई। किसी लोकतंत्र या शांति की स्थिति में अचानक वित्तीय संकट के उभरने को अब अक्सर 'मिन्स्की' मोमेंट कहा जाता है। एक अन्य चौंका देने वाले उदाहरण में जॉर्ज अकेरलोफ का महत्वपूर्ण पर्चा 'द मार्केट फॉर लेमन्स'² का प्रकाशन होने से पहले अनेक जर्नल उसे अस्वीकार कर चुके थे। जैसे जैसे समय बीतता गया, उनके पर्चे ने यह सुबुद्धि दी कि बाजार के असफल होने का मूल कारण गलत चुनाव है, और इस विचार ने सूचना अर्थशास्त्र की नींव रखी।

¹ Hyman Minsky [1986], "Stabilising an Unstable Economy", McGraw-Hill Professional, New York.

² George Akerlof [1970], "The Market for Lemons: Quality Uncertainty and the Market Mechanism", Quarterly Journal of Economics, Vol. 84, pp. 488-500.

8. नए और ताजगी भरे विचारों को अकसर प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वे चिंतन की वर्तमान सीमाओं को चुनौती देते हैं। इसलिए, जब आप अपनी अंतरात्मा की आवाज पर इस दुनिया में कदम रखते हैं, तो अपने दिमाग को खुला रखें, लीक से हट कर सोचें, निर्भय और प्रयोगशील बनें। मुझे पूरा विश्वास है कि आप जैसे युवा अलग तरह से सोच सकते हैं, नए चिंतन रच सकते हैं और आप सैद्धान्तिक रूप से जो सोचते हैं, उनकी अनुभवजन्य छानबीन आप और अधिक रचनात्मकता से कर सकते हैं। आपकी इस 'सहस्राब्दी वाली' पीढ़ी को स्वीकृत मेधा को चुनौती देने का प्रयास करना चाहिए ताकि हम समाज में अधिक 'रचनात्मक विनाश' ला सकें और एक नया तेजस्वी विश्व निर्माण करें।

9. केंद्रीय बैंकर के रूप में जहां हम परिचालन करते हैं, मेरे व्यवसाय के उस सदा-परिवर्तनीय विश्व में नयी और ताजा सोच की मांग रहती है। एक उदाहरण देना चाहूंगा। हम अपने सर्वेक्षणों और विश्लेषणों के द्वारा हाउसहोल्ड तथा फर्मों के व्यवहार को समझने का प्रयास कर रहे हैं। तथापि, अब हमारे लिए ई-कॉमर्स, डिजिटल लेनदेन तथा बिग क्रॉस सेक्शनल डेटा जैसे नए आयामों में मैक्रो-स्तर के कीमत निर्धारण गतिकी को समझना जरूरी हो गया है। यह बैंकिंग, गैर-बैंकिंग वित्तीय मध्यस्थता, भुगतान, मुद्रा प्रबंध और वित्तीय समावेशन जैसे डोमेनों पर भी लागू होता है। इस प्रकार के अनुसंधान के अभाव में कभी कभी नीतिगत विकल्प इष्टतम से कमतर परिणाम दे सकते हैं। भारत में आय और रोजगार निर्माण में असंगठित क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होने के बावजूद इसके संबंध में सूचना

की बेहद कमी है। फिर भी, सरकारी या गैर-सरकारी आंकड़ों का यह अभाव अर्थशास्त्रियों को इसकी गतिकी को समझने के लिए सर्वेक्षण-आधारित अध्ययन करने से नहीं रोक पाया है।

10. अंत में, मैं पॉल रोमर, जो अंतर्जात संवृद्धि सिद्धान्त के एक प्रवर्तक हैं, के प्रसिद्ध पर्चे 'दि ट्रबल विथ मैक्रोइकॉनॉमिक्स से उद्धृत करना चाहता हूँ', विज्ञान जब ठीक से काम करता है, तब भी वह परिपूर्ण नहीं है..... विज्ञानी सत्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं, बावजूद इसके कि वे जानते हैं कि पूर्ण सत्य कभी भी प्रकट नहीं किया जा सकता है। वे केवल एक मतैक्य की आशा कर सकते हैं, जो उसी स्थूल अर्थ में सत्य की स्थापना करता है, जैसे स्टॉक बाजार किसी फर्म का मूल्य स्थापित करता है। यह गलत हो सकता है, शायद काफी लंबे समय तक। किंतु अंत में **विद्रोहियों** (मैं इस पर बल देता हूँ), जो सर्वसम्मति और सर्वसम्मति के समर्थकों को चुनौती देने के लिए स्वतंत्र हैं, के द्वारा इसे सही ठहराया जाएगा। क्योंकि वे अब भी सोचते हैं कि सही तथ्य सामने लाना महत्वपूर्ण है।

11. युवा अर्थशास्त्रियों के रूप में उत्तीर्ण होकर बाहर निकलते समय आप याद रखें कि आपके पास इस देश के भविष्य को आकार देने की और लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करने की ताकत है। आप हमारे कल के प्रकाशमान समाज के प्रवेश द्वार पर खड़े हैं; कल्पनाएं करने और उन कल्पनाओं को सबके लिए बेहतर वास्तविकता में बदलने की काबिलियत से लैस होकर। मैं इस अकादमी के सभी नये स्नातकों को बधाई देता हूँ और आप सभी को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

³ Paul Romer [2016], "The Trouble with Macroeconomics", The Commons Memorial Lecture of the Omicron Delta Epsilon Society, January 5, 2016.

लेख

विदेशी मुद्रा बाजार के परिचालन और चलनिधि प्रबंधन

विदेशी मुद्रा बाजार के परिचालन और चलनिधि प्रबंधन*

इस लेख में यह स्पष्ट किया गया है कि किस प्रकार भारतीय रिज़र्व बैंक के विदेशी मुद्रा बाजार परिचालन घरेलू चलनिधि स्थितियों को बदलते हैं और फिर उन्हें मौद्रिक नीति के अंतर्गत अपनाए गए रुख के अनुरूप कैसे समायोजित किया जाता है। रिज़र्व बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप बाजार के उतार-चढ़ावों को नियंत्रित रखने के उद्देश्य से करता है। चलनिधि स्थितियों पर पड़ने वाले इसके अनुवर्ती प्रभाव के कारण रिज़र्व बैंक को चलनिधि के अवशोषण/अंतर्वेशन संबंधी परिचालन करने पड़ सकते हैं। ये परिचालन इस बात पर निर्भर होते हैं कि किसी निश्चित समय पर विकासशील अर्थव्यवस्था में टिकाऊ चलनिधि आवश्यकताओं की स्थिति क्या है। हालांकि, विदेशी मुद्रा की खरीद-बिक्री के माध्यम से किए जाने वाले हस्तक्षेपों (स्टर्लाइज्ड इंटरवेंशन) की प्रभावोत्पादकता कभी कभी मौद्रिक नीति के स्वतंत्र संचालन की राह में रोड़ा बन सकती है।

I. प्रस्तावना

रुपये की विनिमय दर के संबंध में रिज़र्व बैंक की नीति यह रही है कि इसका निर्धारण बाजार की शक्तियों के माध्यम से होने दिया जाए। रिज़र्व बैंक सिर्फ बाजार की स्थितियों को व्यवस्थित रखने के उद्देश्य से हस्तक्षेप करता है और यह बिना किसी पूर्वनिर्धारित स्तर या बैंड को ध्यान में रखे विनिमय दर में हो रहे अत्यधिक घट-बढ़ को नियंत्रित रखते हुए किया जाता है। विदेशी मुद्रा बाजार में रिज़र्व बैंक द्वारा कोई हस्तक्षेप न किए जाने की स्थिति में पूंजी प्रवाह एवं विनिमय दर में इससे जुड़ी बेतरतीब घट-बढ़ का व्यापार और निवेश पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है और इसके साथ ही, समग्र रूप से समष्टिगत आर्थिक और वित्तीय स्थिरता भी खतरे में पड़ सकती है। अमेरिकी डॉलर की खरीद या बिक्री के माध्यम से विदेशी मुद्रा बाजार में किए जाने वाले हस्तक्षेप से घरेलू चलनिधि परिस्थिति में बदलाव होने के कारण अन्य प्रकार की चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं- जहाँ खरीद अंतर्वेशन में परिणत होता है, वहीं बिक्री करने से प्रणाली¹ की रुपये में उपलब्ध चलनिधि की निकासी होती है। इसके लिए मौद्रिक नीतिगत रूझान के अनुरूप चलनिधि के अग्रसक्रिय प्रबंधन की अपेक्षा होती है।

* इस लेख को जनक राज, सितिकांत पट्टनायक, इंद्रनील भट्टाचार्य और अभिलाषा ने तैयार किया है। इस लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के निजी विचार हैं, भारतीय रिज़र्व बैंक के नहीं। डॉ. अमर्त्य लाहिड़ी की उपयोगी टिप्पणियों से इस लेख को बेहतर बनाने में सहायता मिली है, इसके लिए लेखक-गण उनके प्रति आभारी हैं।

विदेशी मुद्रा परिचालनों के माध्यम से अंतर्वेशित चलनिधि यदि विकासशील अर्थव्यवस्था की आवश्यकता से अधिक होती है तो अधिशेष चलनिधि को निष्प्रभावी बनाया जाना होगा, अर्थात् प्रणाली से अतिरिक्त अधिशेष चलनिधि को निकाले जाने के लिए चलनिधि प्रबंधन के अंतर्गत विशिष्ट उपाय किए जाने की आवश्यकता होगी, और ऐसे उपाय मौद्रिक नीति के लक्ष्यों के अनुरूप होने चाहिए। चलनिधि पर पड़ने वाले बाजार हस्तक्षेपों के प्रभाव के मद्द्देनजर अग्रसक्रिय चलनिधि प्रबंधन की जरूरत की पुष्टि सुपरिचित 'असाध्य त्रयी' (इम्पॉसिबल ट्रिनिटी) सबसे बढ़िया ढंग से करती है, जिसके अनुसार मौद्रिक नीति का स्वतंत्र संचालन, विनिमय दर (या हस्तक्षेपों के माध्यम से प्रबंधित विनिमय दर) सुस्थिर रहना और स्वतंत्र सीमापार पूंजी प्रवाह - तीनों का एक साथ संभव होना परस्पर-विरोधी बातें हैं। मौद्रिक नीति के लिए यह चुनौती अपरिहार्य हो जाती है, चाहे केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा हस्तक्षेपों से चलनिधि के प्रभाव को निष्फल बनाए या नहीं बनाए। उदाहरण के लिए, यदि विदेशी मुद्रा खरीद के माध्यम से अधिशेष चलनिधि को निष्फल नहीं बनाया जाता (अर्थात्, विदेशी मुद्रा की खरीद-बिक्री के बिना हस्तक्षेप किए जाते हैं), तो अधिशेष चलनिधि के कारण मौद्रिक नीति के परिचालनगत लक्ष्य में कमी हो सकती है और मुद्रा बाजार की अन्य ब्याज दरें नीतिगत दर से भी कम हो सकती हैं। इस प्रकार से, विदेशी मुद्रा की खरीद-बिक्री के बिना हस्तक्षेप ब्याज दरों पर नियंत्रण खोने के रूप में परिणत हो सकते हैं और उसके द्वारा मौद्रिक नीति की प्रभावोत्पादकता में कमी आएगी। इसके विपरीत, यदि चलनिधि अवशोषित करने के उपाय के चयन के आधार पर अधिशेष चलनिधि को निष्फल कर दिया जाता है, तो बाजार की ब्याज दरों में अपेक्षित स्तर से काफी अधिक परिवर्तन हो सकता है। यह परिवर्तन मौद्रिक नीति के रुख के अनुरूप हो सकता है। ऐसा होने से पूंजीगत प्रवाह अपेक्षाकृत अधिक होता है, और इस प्रकार से निष्फल किए जाने का लक्ष्य ही पीछे रह जाता है। उदाहरण के लिए, जब कोई केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा की खरीद-बिक्री करने के माध्यम से अपने हस्तक्षेप की कार्यनीति के तहत अधिशेष चलनिधि को अवशोषित करने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री खुले बाजार परिचालनों के माध्यम से करता है तो इसके कारण सरकारी प्रतिफलों में वृद्धि हो सकती है। यह वृद्धि, ब्याज दर में अपेक्षाकृत अधिक अंतर होने के कारण कर्ज के और अधिक अंतर्वाह को आकर्षित कर सकती है। इस प्रकार से विदेशी मुद्रा की खरीद-बिक्री के माध्यम से अपने हस्तक्षेप के कारण मूल समस्या और अधिक बढ़ सकती है। इसके कारण विदेशी मुद्रा की खरीद-बिक्री के माध्यम से किए जाने वाले

¹ खासतौर पर, हाजिर बाजार के परिचालन घरेलू चलनिधि परिस्थितियों को तत्काल प्रभावित करते हैं किंतु वायदा बाजार के हस्तक्षेपों का चलनिधि पर असर थोड़े अंतराल से, अर्थात् जब वायदा के अंतर्गत लेनदेन परिपक्व होते हैं, या निष्पादन होने के कारण उनमें गिरावट आती है और उनको आगे नहीं बढ़ाया जाने पर होता है।

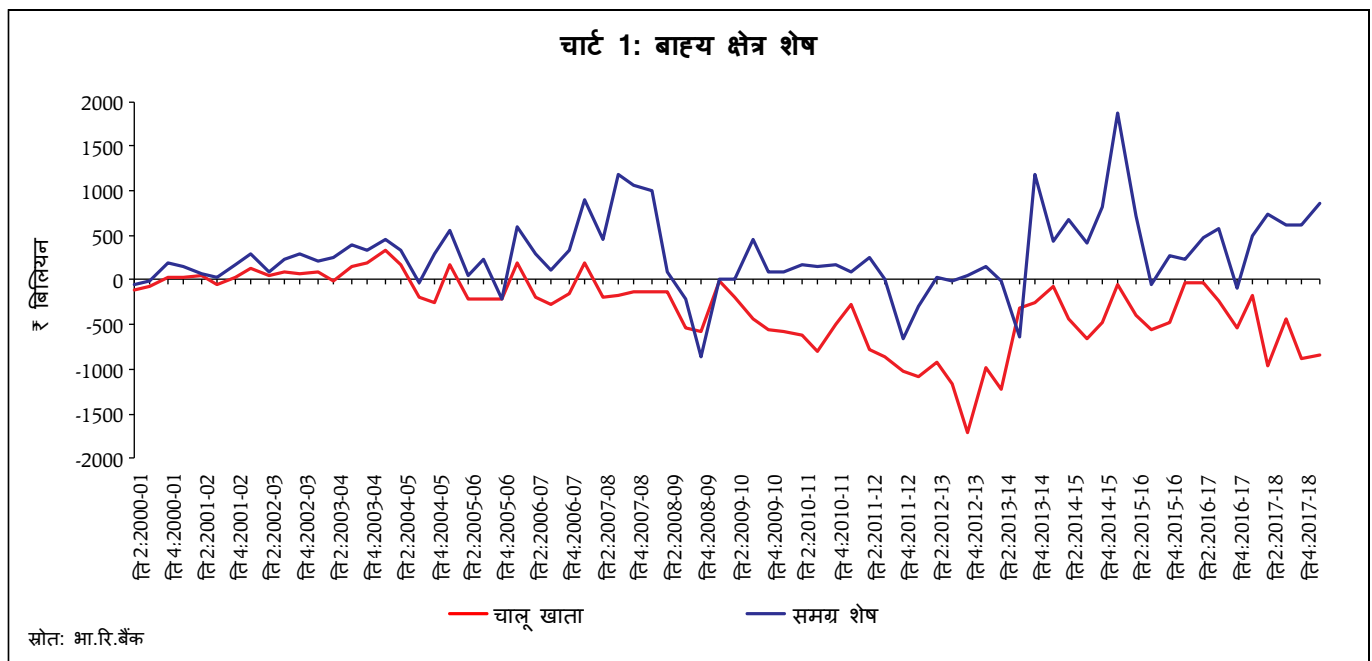
हस्तक्षेपों का प्रभाव ही समाप्त हो जाता है। इसके अलावा, विदेशी मुद्रा की खरीद-बिक्री के माध्यम से किए जाने वाले हस्तक्षेपों की मात्रा बढ़ने के साथ ही यह जोखिम भी बढ़ता है। इस संदर्भ में, पूंजीगत प्रवाह प्रबंध उपाय (सीएफएम) किए जाने से विदेशी मुद्रा की खरीद-बिक्री के माध्यम से किए जाने वाले हस्तक्षेपों की प्रभावोत्पादकता कुछ हद तक बढ़ सकती है। उदाहरण के तौर पर, सरकारी प्रतिभूतियों और कॉर्पोरेट बॉन्डों-दोनों में संविभाग निवेश की अधिकतम सीमा निर्धारित कर दी जाए (जैसे कि भारत में), तो विदेशी मुद्रा की खरीद-बिक्री के माध्यम से किए जाने वाले हस्तक्षेपों द्वारा प्रतिफलों का अंतराल बढ़ने के बाद भी अतिरिक्त संविभाग अंतर्वाह नहीं होगा।

इस लेख में विस्तार पूर्वक दर्शाया गया है कि किस प्रकार विदेशी मुद्रा बाजार में भारतीय रिज़र्व बैंक के हस्तक्षेपों ने घरेलू चलनिधि स्थितियों को प्रभावित किया और उससे उत्पन्न परिस्थितियों का प्रबंधन कैसे किया गया। यह अध्ययन पांच खंडों में व्यवस्थित किया गया है। खंड II में विदेशी मुद्रा बाजार में किए जाने वाले हस्तक्षेपों की कार्यपद्धति, इसके परिणामों तथा भिन्न-भिन्न देशों में वैकल्पिक उपायों (इंस्ट्रूमेंट्स) के माध्यम से किए जाने वाले इस तरह के हस्तक्षेपों के परिणामस्वरूप उत्पन्न चलनिधि की स्थितियों को नियंत्रित करने की दिशा में अपनायी जा रही प्रथाओं का उल्लेख किया गया है। पूंजी प्रवाह से जुड़ी हाल की घटनाओं और भारतीय परिस्थितियों में उनसे जुड़ी चुनौतियों पर विमर्श खंड III में प्रस्तुत किया गया है जबकि खंड IV में विदेशी मुद्रा की खरीद-बिक्री के माध्यम से किए जाने वाले हस्तक्षेपों की प्रभावोत्पादकता का अनुभवजन्य आकलन प्रस्तुत किया गया है। निष्कर्ष स्वरूप टिप्पणियां खंड V में की गयी हैं।

II. पूंजी प्रवाह और भारत में विदेशी मुद्रा बाजार में किए जाने वाले हस्तक्षेप

1990 के दशक में प्रारंभ में बाह्य क्षेत्र से संबंधित मुधारों की शुरुआत होने और पूंजी खाते को उत्तरोत्तर विनियमन-मुक्त किए जाने से भारत में पूंजी प्रवाह में तीव्र वृद्धि होने और अचानक इनके थम जाने / फिर से बढ़ जाने की छिट-पुट घटनाएं देखी गई हैं। सैद्धांतिक रूप से, जैसा कि प्रत्याशित होता है, लंबे समय तक बने रहने वाले चालू खाता घाटे का वित्तपोषण किए जाने के लिए पूंजी प्रवाहों की आवश्यकता होती है, किंतु पूंजी प्रवाह अक्सर वित्तपोषण की जरूरत से अधिक हो गया है। पूंजी प्रवाह में यह अधिकता ब्याज दर अंतराल के अनुकूल होने और/या उम्मीद से अधिक वृद्धि की संभावना होने के कारण हुई है, जो अधिकांश वर्षों के दौरान भुगतान संतुलन की समग्र रूप से अधिशेष वाली अवस्था के रूप में परिणत हुई (चार्ट 1)। रुपये की विनिमय दर में बहुत अधिक उतार-चढ़ाव, जो बाधाकारी होता है, को टालने के लक्ष्य के मद्देनजर भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा खरीद के माध्यम से किए जाने वाले हस्तक्षेपों के कारण विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि में अभिवृद्धि हुई।

किसी समन्वित वैश्विक वित्तीय प्रणाली में पूंजी के अंतर्वाह के कारण समग्र रूप से समष्टिगत आर्थिक प्रबंधन के लिए विविध प्रकार की चुनौतियां उत्पन्न होती हैं। अंतर्वाह को कम करने के लिए निम्नलिखित बहुत से उपाय हैं - (i) विदेशी मुद्रा बाजार के हस्तक्षेप; (ii) राजकोषीय/मौद्रिक नीतिगत उपाय; (iii) समष्टिगत-विवेकपूर्ण विनियम; और



(iv) पूंजीगत नियंत्रण लागू करना, किंतु इन उपायों का या तो एकल प्रयोग करने अथवा कुछ इष्टतम मिश्रण करते हुए इनका प्रयोग करने के लिए इनमें सामंजस्य स्थापित करना विमर्श का मुद्दा है। हालांकि, इस पेपर में सिर्फ विदेशी मुद्रा बाजार के हस्तक्षेपों और घरेलू चलनिधि परिस्थितियों में इसके असर पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

जब कोई केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा की खरीद करता है, तो इसकी निवल विदेशी आस्तियों (एनएफए) में बढ़ोतरी होती है जिसका परिणाम यह होता है कि प्राथमिक चलनिधि अथवा आरक्षित मुद्रा (आरएम) में विस्तार हो जाता है (सारणी 1)। इस संदर्भ में इस बात का आकलन करना महत्वपूर्ण हो जाता है कि एनएफए में हुई बढ़ोतरी के चलते आरएम में हुई वृद्धि (क) वर्ष के दौरान आरएम में अपेक्षित वृद्धि के समानुपात में ही हुई है, जिसमें कि किसी प्रकार के निष्प्रभावीकरण की आवश्यकता नहीं होगी; (ख) यह आरएम में अपेक्षित वृद्धि से अधिक रही है जिस स्थिति में निष्प्रभावीकरण आवश्यक हो जाता है; और (ग) आरएम में अपेक्षित वृद्धि से कम रही है जिसमें कि केंद्रीय बैंक द्वारा मध्यक्षेप के माध्यम से पहले से ही किए गए मुद्रा अंतर्वेशन के अलावा और अधिक चलनिधि अंतर्वेशित करनी पड़ सकती है।

निष्प्रभावीकरण किए बिना यदि लगातार अंतर्वेशन किया जाता रहा तो चलनिधि का आधिक्य हो जाएगा जिसके निहितार्थ महंगाई में वृद्धि के रूप में प्रकट हो सकते हैं और इसका प्रतिफल नीतिगत ब्याज दरों में वृद्धि के रूप में

सारणी 1: अर्थव्यवस्था में प्राथमिक मुद्रा निर्माण के वाहक

आस्तियां	देयताएं
निवल विदेशी आस्तियाँ (एनएफए)	मुद्रा (सी)
निवल घरेलू आस्तियाँ (एनडीए)	जमा के रूप में अपेक्षित और अतिरिक्त आरक्षित निधि
आरक्षित निधि=(सी+डी)=(एनएफए+एनडीए)	

नोट: विश्लेषण को आसान बनाने के उद्देश्य से गैर-मौद्रिक देयताओं को यहाँ शून्य माना गया है।

दिखाई पड़ सकता है। हालांकि, इस प्रकार होने वाली वृद्धि से ब्याज दरों में अंतर बढ़ जाता है जिससे और अधिक अंतर्वाह के लिए प्रेरक स्थितियाँ बनती हैं। इस प्रकार निष्प्रभावीकरण की प्रक्रिया से विहीन मध्यक्षेप से प्रायः मध्यक्षेप करने का मूल उद्देश्य ही पूरा नहीं हो पाता; इसीलिए केंद्रीय बैंक सामान्यतया निष्प्रभावीकरण की प्रक्रिया अपनाते हैं ताकि विदेशी मुद्रा बाजार में उनके परिचालनों के मौद्रिक प्रभाव को वे निष्प्रभावी कर सकें। हालांकि, जैसा कि पहले भी संकेत किया गया है, खुले बाजार से प्रतिभूतियों की खरीद के माध्यम से किए गए निष्प्रभावीकरण युक्त मध्यक्षेप से अर्थव्यवस्था में ब्याज दरें उच्च स्तर पर बनी रहती हैं। मध्यक्षेप परिचालनों की भी एक सीमा है क्योंकि केंद्रीय बैंकों के पास निष्प्रभावीकरण परिचालनों के लिए उपलब्ध सरकारी प्रतिभूतियाँ एक सीमित मात्रा में ही होती हैं। परिणामस्वरूप, अधिकांश केंद्रीय बैंकों द्वारा अनेक अन्य लिखतों का प्रयोग किया गया है जिनका प्रभाव भिन्न-भिन्न मात्रा में पड़ता है (सारणी 2)।

सारणी 2: निष्प्रभावीकरण के लिखत

(21 केंद्रीय बैंकों की प्रतिक्रिया, 1-उच्चतम स्कोर; 3-न्यूनतम स्कोर)

लिखत	लिखत का प्रयोग करने वाले केंद्रीय बैंकों की संख्या	मूल्यांकन								
		अत्यधिक प्रभावी			कम लागत वाले			बाजार के समय विकास के लिए लाभदायक		
		1	2	3	1	2	3	1	2	3
बाजार-आधारित										
केंद्रीय बैंक प्रतिभूतियाँ	15	14	1	0	4	7	3	11	4	0
एफ एक्स स्वाप्स	7	2	4	0	4	2	0	3	3	0
सरकारी बॉण्ड	6	1	3	1	2	1	2	5	0	0
(रिवर्स) रिपो/ संपार्श्विकविहीन उधारियाँ और अन्य	6	2	4	0	0	5	0	2	4	0
गैर बाजार-आधारित										
आरक्षित निधि अपेक्षा	8	3	1	3	4	2	1	0	1	6
सरकारी जमाराशियाँ	7	4	1	1	3	3	0	3	0	3
विशेष जमा सुविधाएं	2	0	0	1	1	0	0	0	0	1
अन्य (मुख्य रूप से बैंक जमा)	4	3	1	0	3	1	0	1	2	1
मौद्रिक लिखतों का प्रयोग करते हुए कोई निष्प्रभावीकरण नहीं	3									

स्रोत: बीआईएस (2013) से उद्धृत

III. भारत में विदेशी मुद्रा परिचालन और चलनिधि प्रबंधन - हाल की घटनाएं

जैसा कि मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क को संशोधित और मजबूत बनाने के लिए गठित विशेषज्ञ समिति (अध्यक्ष: डॉ. उर्जित आर. पटेल) की रिपोर्ट में जोर दिया गया था, बेस मनी पाथ का वांछित विकास (बेस मनी संबंधी किसी नियम का पालन किए बगैर) चलनिधि प्रबंधन कार्यनीति का एक महत्वपूर्ण घटक होता है [पिलर I से भिन्न पिलर II, जो कि चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत दैनिक चलनिधि प्रबंधन से संबंधित है]। उदाहरण के लिए वर्ष 2014-15 में एनएफए में हुई वृद्धि आरएम में हुई वास्तविक वृद्धि से अधिक थी (जो कि सांकेतिक जीडीपी में हुई वास्तविक वार्षिक वृद्धि के समनुरूप थी), जिससे खुला बाजार परिचालन (ओएमओ) (बिक्री) करने की आवश्यकता उत्पन्न हुई ताकि अतिरिक्त स्थायी अधिशेष चलनिधि को अवशोषित किया जा सके (सारणी 3)। इसके बिलकुल विपरीत, वर्ष 2013-14 और 2015-16 में आरएम में वास्तविक वृद्धि एनएफए में हुई वृद्धि से काफी अधिक थी जिसके फलस्वरूप रिज़र्व बैंक को ओएमओ (खरीद) की आवश्यकता पड़ी ताकि स्थायी चलनिधि को अंतर्वेशित किया जा सके। वर्ष 2016-17 एक अपवाद था जिसमें विमुद्रीकरण के पश्चात उत्पन्न बड़ी मात्रा में अधिशेष चलनिधि की समस्या एनएफए में वृद्धि के कारण और अधिक बढ़ गयी थी। वर्ष 2017-18 में जैसे-जैसे विमुद्रीकरण के कारण बढ़ी अधिशेष चलनिधि पुनर्मुद्रीकरण के साथ-साथ कम होती गयी, प्रणाली में चलनिधि की स्थिति सामान्य होती गयी, प्राथमिक स्थायी चलनिधि में विदेशी मुद्रा आवक के चलते वृद्धि हुई जिसे ऊपर उल्लिखित पिलर II दृष्टिकोण के अनुसार ओएमओ (बिक्री) के माध्यम से आंशिक रूप से संतुलित कर लिया गया।

यह देखना प्रसंगानुकूल है कि यदि आगामी कुछ महीनों में परिपक्व होने वाली विदेशी मुद्रा की वायदा खरीदों का विस्तारण न किया गया, तो वे स्थायी चलनिधि के अंतर्वेशन का कारण बन सकती हैं। इस प्रकार, वायदा विदेशी मुद्रा बाजार मध्यक्षेप / विस्तारण से चलनिधि प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियां तो थोड़ी कम हो सकती हैं, परंतु इस प्रकार के दृष्टिकोण से वायदा दरों पर बुरा असर पड़ सकता है (साथ-साथ वायदा दरों पर ब्याज-दरों में अंतर के अतिरिक्त मांग-आपूर्ति की स्थितियों का प्रभाव भी पड़ता है)।

विदेशी मुद्रा के मध्यक्षेप से आरबीआई के तुलन-पत्र के संघटन पर भी काफी असर पड़ता है (आरक्षित मुद्रा में होने वाले विस्तार के स्रोतों की दृष्टि से) जिससे चुनौतीपूर्ण स्थितियां बनती हैं। किसी भी समय एनएफए की हिस्सेदारी बढ़ती है और उसके परिणामस्वरूप निवल घरेलू आस्तियों (एनडीए) में गिरावट आती है तो इससे अधिशेष चलनिधि को अवशोषित करने के उद्देश्य से रिज़र्व बैंक द्वारा किए जाने वाले बाजार आधारित चलनिधि अवशोषण परिचालनों, विशेष रूप से खुला बाजार बिक्री और रिवर्स रिपो नीलामियों के मार्ग में अवरोध आ सकते हैं। लंबे समय तक बड़ी मात्रा में अधिशेष चलनिधि की बने रहने की स्थितियों में इस प्रकार के अवरोध अवश्यभावी हो जाते हैं। उदाहरण के लिए, 2001 और 2003 के बीच आरबीआई के तुलन-पत्रों में कुल आस्तियों में विदेशी आस्तियों की हिस्सेदारी में हुई तीव्र वृद्धि के कारण अप्रैल 2004² में बाजार स्थिरीकरण योजना (एमएसएस) लागू करना आवश्यक हो गया (चार्ट 2)। उसके उपरांत, विदेशी मुद्रा की हिस्सेदारी बढ़ती ही गयी, और 2006 और 2008 में यह लगभग 89 प्रतिशत

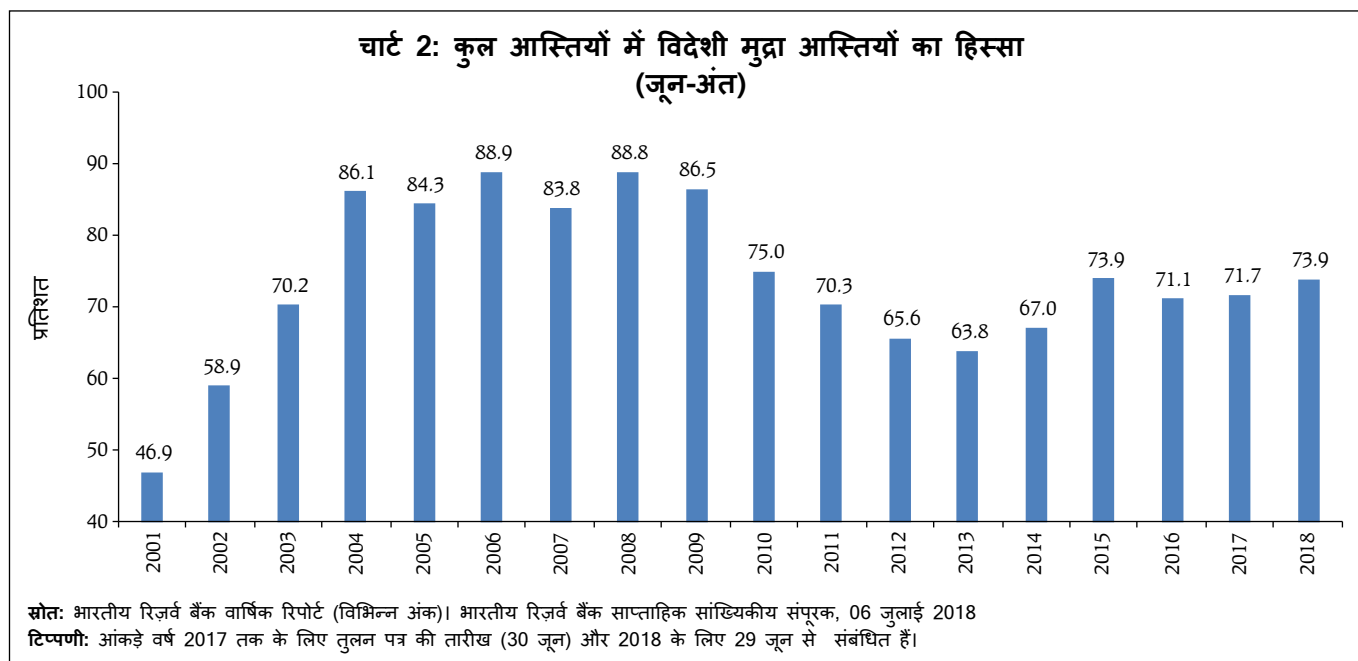
सारणी 3: आरक्षित निधि और प्रमुख स्थिर चलनिधि वाहकों में परिवर्तन

(राशि ₹ बिलियन में)

वर्ष	आंशिक आय (समायोजित आरएम की सांकेतिक जीडीपी प्रत्यास्थता)	आरक्षित निधि में परिवर्तन	भा.रि. बैंक द्वारा फॉरेक्स की निवल खरीद	निवल ओएमओ खरीद (+)/ बिक्री (-)
1	2	3	4	5
2013-14	1.0	2179	586	523
2014-15	1.0	1957	3431	-640
2015-16	1.2	2523	631	533
2016-17	-	-2803	785	1116
2017-18	2.2	5,182	2,228	-878

नोट: 1. कॉलम 4 एवं 5 में उल्लिखित (+) / (-) चलनिधि के अवशोषण और अंतर्वेशन को दर्शाते हैं, अर्थात् (-) सरकारी प्रतिभूतियों / विदेशी मुद्रा में बिक्री की ओर संकेत करता है और (+) सरकारी प्रतिभूतियों / विदेशी मुद्रा में खरीद की ओर संकेत करता है।
2. पिलर I के तहत एलएएफ के माध्यम से अवशोषण और अंतर्वेशन को इसमें शामिल नहीं किया गया है।

²एमएसएस से यह अपेक्षित था कि वह ट्रेजरी बिलों और दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों को जारी करते हुए लम्बे समय से बनी हुई अधिशेष चलनिधि को अवशोषित करे। इसकी प्राप्ति को रिज़र्व बैंक द्वारा परिचालित एक अलग पहचान वाले नकद खाते में पोर्क किया गया था जिसको रखरखाव भी रिज़र्व बैंक द्वारा किया जाता है जिसका विनिधान केवल एमएसएस के तहत जारी लिखतों के मोचन और / अथवा पुनः खरीद के उद्देश्य से ही किया जा सकता है।



पर पहुंच गयी; हालांकि रिज़र्व बैंक नकदी प्रारक्षित अनुपात (सीआरआर) और ओएमओ बिक्री के साथ-साथ एमएसएस के तहत सिक्यूरिटीज़ जारी करके अधिशेष चलनिधि को असरदार तरीके से निष्प्रभावी करने में सफल रहा। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि निष्प्रभावीकरण की जिम्मेदारी का निर्वहन सभी हितधारकों द्वारा किया गया, अर्थात् (1) सरकार (एमएसएस पर आने वाली ब्याज लागत); (2) रिज़र्व बैंक (रिवर्स रिपो पर ब्याज लागत); और (3) बैंकिंग क्षेत्र (पारिश्रमिकविहीन रिज़र्व आवश्यकताएं)। वैश्विक वित्तीय संकट के समय में पूंजी बहिर्वाह और बाद के वर्षों (वर्ष 2012-13 तक) में आरएम में हुए स्वाभाविक विस्तार से निपटने के लिए बड़ी मात्रा में की गयी ओएमओ खरीदों से भारतीय रिज़र्व बैंक की कुल आस्तियों में विदेशी आस्तियों की हिस्सेदारी में थोड़ी कमी आयी; हालांकि हाल के वर्षों में यह अनुपात पुनः बढ़ने लगा है। स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ), जो कि संघीय बजट 2018-19 में घोषित की गयी है, जब क्रियान्वित हो जाएगी, तो निष्प्रभावीकरण की क्षमता काफी बढ़ जाएगी क्योंकि इससे वह अनुषंगी अवरोध दूर हो जाएगा जो बीते वर्षों में रिज़र्व बैंक के सम्मुख हुआ करता था।

IV. निष्प्रभावीकरण मध्यक्षेपों की प्रभावकारिता का अनुमान

जैसा कि पूर्व में देखा गया है, जो केन्द्रीय बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में मध्यक्षेप करते हैं वे उल्लेखनीय रूप से निष्प्रभावीकरण के विस्तार का सीमांकन करते हैं ताकि वृद्धिशील अर्थव्यवस्था की सामान्य आवश्यकताओं और

उसकी मौद्रिक नीति संबंधी पक्षों के अनुसरण में आधार मुद्रा के विस्तार को नियमित किया जा सके। भारतीय परिप्रेक्ष्य में भी विदेशी मुद्रा बाजार में अपेक्षित सीमा तक हस्तक्षेप निवल घरेलू आस्तियों में परिवर्तनों के जरिए करना ही उद्देश्य है ताकि आधार मुद्रा का विस्तार सांकेतिक जीडीपी में वृद्धि के साथ कदम-ताल कर सके।

किसी केंद्रीय बैंक द्वारा किए गए निष्प्रभावीकरण परिचालनों की सीमा और प्रभावकारिता का अनुभवाश्रित मूल्यांकन निष्प्रभावीकरण और इसके ऑफसेट गुणांकों, जहां दोनों का विचलन 0 और -1 के बीच होता है, की गणना द्वारा किया जाता है। एनएफए में हुए परिवर्तन के फलस्वरूप किसी केंद्रीय बैंक द्वारा एनडीए में किए गए परिवर्तन की सीमा का मापन निष्प्रभावीकरण गुणांक करता है। सामान्यतया, -1 मान पूर्ण निष्प्रभावीकरण का प्रतिनिधित्व करता है अर्थात् अधिशेष पूंजी अंतर्वाह का मौद्रिक आधार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना, जबकि 0 मान का अर्थ यह है कि विदेशी हस्तक्षेप को केंद्रीय बैंक द्वारा किसी भी प्रकार निष्प्रभावी नहीं किया गया है।

जैसा कि पूर्व में विमर्श किया गया है, किसी केंद्रीय बैंक द्वारा किये गये निष्प्रभावीकरण परिचालन ब्याज दर अंतर को बढ़ा कर सकते हैं, यदि ये परिचालन प्रतिभूतियों की खुली बाजार बिक्री के जरिए किया जाता है, इसके परिणामस्वरूप उच्चतर पूंजी अंतर्वाह हो सकता है, और जिससे एक प्रतिकूल फीडबैक लूप का निर्माण हो जाएगा। यदि ब्याज संवेदी पूंजी का प्रवाह अधिक होगा (या बढ़ते

सारणी 4: अवरुद्धता गुणांक का अनुमान

क्रम सं.	लेखक	समयावधि	विधि	अनुमान
1	पट्टनाइक (2004)	मासिक डेटा (अप्रैल 1993-दिसंबर 2003)	वृष्टि संशोधन मॉडल और से	(-0.82)
2	भारतीय रिजर्व बैंक (2004)	मासिक डेटा (अप्रैल 1994-सितंबर 2003) और (अक्टूबर 1995 - सितंबर 2003)	वेक्टर ऑटो रीग्रेशन	(-0.92) and (-0.65)
3	ऑउयांग तथा राजन (2008)	तिमाही डेटा (1900:ति1 - 2004:ति4)	द्वि-स्तरीय न्यूनतम वर्ग	(-1.1)
4	सेन गुप्ता और सेनगुप्ता (2013)	मासिक डेटा (जनवरी 1990-अगस्त 2010)	व्यवस्थित न्यूनतम वर्ग	(-0.21) to (-0.61)

नोट: 1. केंद्रीय बैंकों द्वारा एनएफए में हुई वृद्धि को किस सीमा तक निष्प्रभावी किया जाता है, उसके अनुमान को ऑफसेट गुणांक (क्रम संख्या 1 के अध्ययन में) कहा जाता है।
2. दोनों अनुमानों में एनडीए और एनएफए चरों को अलग-अलग तरह से परिभाषित किया गया है (क्रम संख्या 2 के अध्ययन में)।
3. निष्प्रभावीकरण गुणांक का आकलन तीन उप-अवधियों के लिए किया जाता है (क्रम संख्या 4 के अध्ययन में)।

हुए ब्याज दर अंतर के प्रति पूंजी प्रवाहों की संवेदनशीलता अधिक होती है) और निष्प्रभावीकरण के एक प्रमुख उपकरण खुला बाजार बिक्री से यदि प्रतिफल कठोर हो जाते हैं, तो निष्प्रभावीकरण के प्रयास विफल हो सकते हैं। ऑफसेट गुणांक इस संयुक्त प्रभाव का आकलन करता है अर्थात् खुला बाजार बिक्री के कारण एनडीए में किस सीमा तक गिरावट हुई जो निष्प्रभावीकरण द्वारा प्रभावी उच्चतर प्रतिफलों द्वारा चालित निवल विदेशी आस्तियों में बढ़ोतरी से समायोजित (समायोजन) हो गया। यदि, निष्प्रभावीकरण परिचालनों की परिणति ब्याज दर अंतराल में बढ़ोतरी में होती है तो निवल विदेशी आस्तियों में परिवर्तन के जरिए निवल घरेलू आस्तियों के परिवर्तन पूर्णतया समायोजित हो सकता है। इस परिदृश्य में, ऑफसेट गुणांक का -1 मान पूंजी प्रवाह के निष्प्रभावीकरण में केंद्रीय बैंक की पूर्ण असफलता निरूपित करता है अर्थात् मौद्रिक नीति की पूर्ण क्षीणता होना। इस प्रकार, ऑफसेट गुणांक का -1 मान सटीक पूंजी गतिशीलता के तुल्य होता है जबकि इसका 0 मान पूंजी गतिशीलता का अभाव दर्शाता है, जो कि असाध्य त्रयी के अनुरूप भी है, जिसके अनुसार निर्दिष्ट विनिमय दर, सटीक पूंजी गतिशीलता और स्वतंत्र मौद्रिक नीति परस्पर-विरोधी हैं।

भारतीय परिप्रेक्ष्य में, कई अध्ययनों ने “निष्प्रभावीकरण गुणांक” का अनुमान लगाया है परंतु बहुत ही कम अध्ययन ऐसे हैं जिन्होंने “ऑफसेट गुणांक” का अनुमान लगाया है, जिसमें उल्लेखनीय रूप से पट्टनाइक (1997) और ऑउयांग तथा राजन (2008) शामिल नहीं हैं। जहां पट्टनाइक ने समायोजन गुणांक को -0.31 और -0.33 के दायरे में और बाद वाले लेखक ने इसे -0.79 और -0.84 के दायरे के बीच पाया। ये निष्कर्ष यह दर्शाते हैं कि समय के साथ भारत में ऑफसेट गुणांक में बढ़ोतरी, अल्पावधि कर्ज प्रवाह पोर्टफोलियो में क्रमिक रूप से वृद्धि होने के साथ ही अर्थव्यवस्था के इसके प्रति एकसपोजर बढ़ने से इसमें वृद्धि हुई है। कर्ज प्रवाहों में यह वृद्धि सरकारी प्रतिभूतियों में

एफपीआई सीमाओं, राज्य विकास ऋणों (एसडीएल) और कार्पोरेट बांडों में एक के बाद एक हुई बढ़ोतरी के कारण हुई है जो पूंजी खाते का बढ़ता हुआ खुलापन दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में लगातार नीची बनी हुई ब्याज दरों के कारण प्रतिफल अंतराल भारत के लिए उल्लेखनीय रूप से अनुकूल बना हुआ है।

जुलाई 1997 से अक्टूबर 2017 तक की 20 वर्षों की अवधि के लिए मासिक डेटा का उपयोग करते हुए एक संशोधित मुद्रा मांग कार्यविधि और पूंजी प्रवाहों से संबंधित एक संशोधित समीकरण के माध्यम से निष्प्रभावीकरण और ऑफसेट गुणांकों का अनुमान लगाया गया है जिसमें द्वि-स्तरीय न्यूनतम वर्ग (2एसएलएस) विधि का उपयोग किया गया है (अनुबंध)। इसके अनुसार अनुमानित निष्प्रभावीकरण गुणांक -1.03 है जबकि ऑफसेट गुणांक -0.83 है जो पूर्वोल्लिखित ऑउयांग तथा राजन के निष्कर्षों के साथ भी साम्य रखती है (सारणी 4)।

निष्कर्ष

भारत में निष्प्रभावीकरण हस्तक्षेपों ने न केवल यह सुनिश्चित किया कि बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था की आरक्षित मुद्रा संवृद्धि में निरंतरता बनी रहे वरना मुद्रा बाजार दरें भी मौद्रिक नीति के परिचालन लक्ष्यों के साथ संगत बनी रहें, भले ही विदेशी मुद्रा हस्तक्षेपों का चलनिधि पर पड़ने वाला प्रभाव कितना ही उल्लेखनीय और निरंतर क्यों न हो। तथापि, अनुमानित बड़ा ऑफसेट गुणांक यह बताता है कि मौद्रिक नीति के प्रभावी परिचालन के लिए असाध्य त्रयी एक चुनौती पेश करती है। विदेशी मुद्रा बाजार हस्तक्षेपों के लिए यह अपेक्षित है कि विदेशी मुद्रा बाजार स्थितियों (उतार-चढ़ाव की रोकथाम के लिए हस्तक्षेप करने के संदर्भ में), चलनिधि की प्रणाली-वार मांग के परिप्रेक्ष्य में चलनिधि स्थितियों (विदेशी मुद्रा परिचालनों के कारण उत्पन्न), सरकारी-प्रतिभूति बाजार स्थितियों (ओएमओ की तुलना में

प्रतिफलों की संवेदनशीलता के संदर्भ में) और वायदा बाजार स्थितियों का लगातार आकलन किया जाए।

बहुत सी उभरती हुई बाजार अर्थव्यवस्थाओं ने देश-काल के अनुरूप निष्प्रभावीकरण, लचीली विनिमय-दरों तथा सीएफएम का मिला-जुला रूप अपनाते हुए उक्त असाध्य त्रयी को साधने में सफलता पायी है। निकट भविष्य में भारत को अपनी पूर्व की रणनीति, जो कि समय की कसौटी पर खरी उतरी है, उसे बनाए रखना होगा और साथ ही निष्प्रभावीकरण के अपने साधनों को और अधिक प्रभावी बनाना होगा।

References:

Sen Gupta, Abhijit and Rajeshwari Sengupta (2013): "Management of Capital Flows in India", ADB South Asia Working Paper Series, No. 17, March.

Ouyang, Alice Y. and Ramkishen S Rajan (2008): "Reserve Stockpiling and Managing its Monetary Consequences: the Indian Experience",

Macroeconomics and Finance in Emerging Market Economies, February.

Bank for International Settlements (2013): "Market volatility and foreign exchange intervention in EMEs: what has changed?", BIS Papers No. 73, October.

Ljubaj, Igor and Ana Martinis and Marko Mrkalj (2010), "Capital Inflows and Efficiency of Sterilisation – Estimation of Sterilisation and Offset Coefficients", Croatian National Bank Working Paper No. 24, April.

Patnaik, Ila (2004): "India's Experience with a Pegged Exchange Rate", India Policy Forum, 2004, Vol 1, Issue 1.

Pattanaik, Sitikantha (1997): "Targets and Instruments for the External Sector with an Open Capital Account", Economic and Political Weekly, October 4.

Reserve Bank of India (2004): Report on Currency and Finance, 2002-03.

अनुबंध

निष्प्रभावीकरण और ऑफसेट गुणांकों का अनुमान

पूंजीगत प्रवाह और चलनिधि की स्थिति के बीच प्रायोगिक रूप से देखी गई अंतर-निर्भरता, और केंद्रीय बैंक की चलनिधि प्रबंधन प्रतिक्रिया कार्य जो मौद्रिक नीति के रुख के अनुरूप इन गतिशीलताओं का सक्रिय रूप से प्रतिसाद करता है, एक साथ निष्प्रभावीकरण और ऑफसेट गुणांकों का अनुमान लगाने लिए अंतर्निहित ढांचा प्रदान करता है। जैसा कि लेख में बताया गया है, जहां एनडीए में परिवर्तन एनएफए में परिवर्तन पर प्रतिक्रिया दिखाता है (यानी, खुला बाजार बिक्री के माध्यम से एनएफए में वृद्धि के चलनिधि प्रभाव का निष्प्रभावीकरण जो एनडीए को कम कर देता है), वहीं एनएफए में कोई परिवर्तन एनडीए में भी परिवर्तन पर प्रतिक्रिया दिखाता है (यानी, जब खुले बाजार बिक्री से प्रतिफल में तेजी आती है, जो उच्च पूंजी अंतर्वाह को आकर्षित कर सकती है, तो एनएफए में वृद्धि होगी)। जहां पहले संबंध को केंद्रीय बैंक के चलनिधि प्रबंधन प्रतिक्रिया कार्य (एक दूसरे के रूप में, जिसे मौद्रिक नीति प्रतिक्रिया कार्य या संवर्धित मुद्रा मांग कार्य के रूप में भी जाना जाता है) के माध्यम से समझाया जा सकता है, वहीं दूसरे संबंध को निवल पूंजी प्रवाह (इस मामले में चालू खाता घाटे का निवल) समीकरण के रूप में व्याख्या की जा सकती है जिसमें एनडीए समेत देश-विशिष्ट निर्धारक होते हैं। इस अन्योन्याश्रित संरचना को इस प्रकार बनाया जा सकता है:

$$\text{चलनिधि प्रबंधन प्रतिक्रिया कार्य:} \quad \Delta \text{NDA} = \alpha + \beta \text{NFA} + \mu_1 X_1 \quad \dots (1)$$

$$\text{निवल पूंजी प्रवाह समीकरण:} \quad \Delta \text{NFA} = a + b \text{NDA} + c_1 Y_1 \quad \dots (2)$$

जब प्रायोगिक अनुमान लगाया गया तो β और b क्रमशः निष्प्रभावीकरण गुणांक और ऑफसेट गुणांक को दर्शाते हैं (ल्यूबाय एवं अन्य, 2010)। जब $\beta = -1$ है तो यह पूर्ण निष्प्रभावीकरण होता है और जब $\beta = 0$ है तो कोई निष्प्रभावीकरण नहीं होता है। इसी प्रकार, जब $b = -1$ है तो निष्प्रभावीकरण पूरी तरह से अप्रभावी है (क्योंकि, एनडीए में निष्प्रभावीकरण प्रेरित गिरावट उच्च प्रतिफल के माध्यम से एनएफए में पूरी तरह से ऑफसेट वृद्धि को आकृष्ट करता है)। इसके विपरीत, जब $b = 0$ है तो निष्प्रभावीकरण पूरी तरह से प्रभावी है। उपर्युक्त दोनों समीकरणों में, X_1 और Y_1 अन्य देश विशिष्ट चर को दर्शाते हैं जो क्रमशः एनडीए और एनएफए को प्रभावित कर सकते हैं। इस आलेख में प्रायोगिक अनुमान के लिए, X_1 में (i) सांकेतिक सकल घरेलू उत्पाद (मासिक में अंतर्वेशित तिमाही डेटा) शामिल है, क्योंकि मानक मुद्रा मांग विशिष्टता के अनुसार, उच्च सांकेतिक सकल घरेलू उत्पाद के साथ एनडीए बढ़ सकता है, (ii) पॉलिसी दर और भारित औसत मांग मुद्रा दर (डीएस) के बीच विस्तार होता है, क्योंकि चलनिधि प्रबंधन का लक्ष्य नीतिगत दर को बाद वाले के करीब रखना है, और (iii) मुद्रा गुणक (आधार मुद्रा की तुलना में व्यापक मुद्रा का अनुपात) (मूल), क्योंकि सीआरआर या मुद्रा/जमा अनुपात में परिवर्तन के कारण गुणक परिवर्तित हो सकता है, जिनमें से दोनों देयता (या घटकों) पक्ष से आरक्षित मुद्रा को बदल सकते हैं, जिससे आस्तियों (स्रोत पक्ष) पर परिवर्तनों को समंजन करने की आवश्यकता है। दूसरे समीकरण में, Y_1 में (i) सांकेतिक सकल घरेलू उत्पाद (त्रैमासिक डेटा मासिक रूप से इंटरपोल किया गया है), क्योंकि उच्च वास्तविक वृद्धि पूंजीगत प्रवाह को आकर्षित कर सकती है, (ii) प्रभावी संघीय कोष दर (आईएफ) पर मांग दर के प्रसार के रूप में ब्याज अंतर मापा जाता है, क्योंकि उच्च प्रतिफल की तलाश में विदेशी पूंजी आम तौर पर ब्याज दर अंतर के प्रति संवेदनशील होती है, (iii) वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर), क्योंकि यह विदेशी निवेशकों को सांकेतिक विनिमय दर में अपेक्षित परिवर्तन से संबंधित असंगति, यदि कोई हो, को ठीक करने के लिए सही जानकारी प्रदान करती है, और (iv) मुद्रा गुणक (आधार मुद्रा की तुलना में व्यापक मुद्रा का अनुपात) (मूल), पहले समीकरण में समान तर्क के कारण। जुलाई 1997 से अक्टूबर 2017 की अवधि के लिए मासिक डेटा का उपयोग किया गया है। दो समीकरणों के बीच अंतर-जुड़ाव को देखते हुए अनुमान की टू स्ट्रेज लिस्ट स्क्वायर (2 एसएलएस) विधि लागू होती है। दोनों समीकरणों में एनडीए और एनएफए के बीच अंतर्जातीय समस्या को पहचानते हुए, अनुमान में प्रासंगिक लिखत चर का उपयोग किया जाता है यानी, एनएफए के लिए पहले समीकरण में रीर और आईएफ (उनके बीच दिए गए उच्च सह संबंध) और एनडीए के लिए दूसरे समीकरण में (उनके बीच दिए गए उच्च सहसंबंध) डीएस और जीएस (यानी, सरकारी प्रतिभूतियों में द्वितीयक बाजार संचालन की मात्रा)।

(जारी...)

सभी चरों को उनके प्रथम अंतर प्ररूप (12 माह की विभिन्नता के साथ) में लिया गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो जाता है कि चयनित चर ऑगमेंटेड डिकी फुलर (एडीएफ) और फिलिप्स-पेरॉन परीक्षण सांख्यिकी के अनुसार स्थिर (स्टेशनरी) हैं (सारणी 1)।

सारणी 1: चरों की स्थिरता (स्टेशनैरिटी) का परीक्षण

चर	मॉडल	ऑगमेंटेड डिकी फुलर (एडीएफ) परीक्षण स्टैटिस्टिक	फिलिप्स-पेरॉन परीक्षण स्टैटिस्टिक
एनडीए	कोई इंटरसेप्ट नहीं, कोई रुझान नहीं	-1.77 (.073)	-3.90 (.000)
एनएफए	कोई इंटरसेप्ट नहीं, कोई रुझान नहीं	-1.85 (.061)	-2.49 (.012)
जीडीपी	इंटरसेप्ट	-3.49 (.009)	-2.89 (.048)
डीएस	इंटरसेप्ट	-6.14 (.000)	-9.69 (.000)
एमयूएल	इंटरसेप्ट	-3.85 (.003)	-3.85 (.003)
आईएफ	इंटरसेप्ट	-5.18 (.000)	-9.59 (.000)
आरईईआर	इंटरसेप्ट	-3.76 (.004)	-3.83 (.003)
जीएस	इंटरसेप्ट	-5.29 (.000)	-8.14 (.000)

नोट: कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पी-मूल्य हैं।

जीडीपी, आरईईआर और जीएस को लॉग के रूप में दर्शाया जाता है। शुद्ध घरेलू आस्तियों और शुद्ध विदेशी आस्तियों को मूल्यन में हुए परिवर्तनों के अनुसार समायोजित किया जाता है और इन्हें पिछले वर्ष की बेस मनी के लॉग द्वारा मापा जाता है। एआर टर्मों का उपयोग दोनों समीकरणों में किया गया है (सारणी 2)। पूंजी प्रवाह समीकरण में त्रुटियों के शृंखलाबद्ध सहसंबंध को देखते हुए निवी-वेस्ट संशोधन प्रणाली का उपयोग किया गया है।

सारणी 2: निष्प्रभावीकरण का अनुमान और ऑफसेट गुणांक

निर्भर चर: एनडीए			निर्भर चर: एनएफए		
	गुणांक	पी-मूल्य		गुणांक	पी-मूल्य
संशोधित मुद्रा मांग समीकरण			संशोधित पूंजी प्रवाह समीकरण		
अचर	86.02	0.00	अचर	67.45	0.00
एनएफए	-1.03	0.00	एनडीए	-0.83	0.00
जीडीपी	58.25	0.73	जीडीपी	133.59	0.41
एमयूएल	-239.52	0.00	एमयूएल	-200.41	0.00
डीएस	0.31	0.59	आरईईआर	294.33	0.00
एआर (1)	0.66	0.00	आईएफ	-0.10	0.88
एआर (3)	0.14	0.03	एआर (1)	0.68	0.00
			एआर (2)	0.15	0.03
इंस्ट्रूमेंट चर	आईएफ	आरईईआर	इंस्ट्रूमेंट चर	डीएस	जीएस
समायोजित आर ²		0.94	समायोजित आर ²		0.95
डीडब्लू स्टैटिस्टिक		2.00	डीडब्लू स्टैटिस्टिक		2.00

(जारी...)

अनुमान के बाद यह पाया गया कि दोनों - निष्प्रभावीकरण गुणांक और ऑफसेट गुणांक- अत्यधिक महत्व के हैं, समदिश हैं और उनके परिमाण भारत के संदर्भ में हाल में किए गए अन्य उपलब्ध अध्ययनों में प्रस्तुत अनुमानों के अनुरूप ही हैं। जहाँ -1.03 का निष्प्रभावीकरण गुणांक पूर्ण निष्प्रभावीकरण का संकेत देता है, वहीं जब इसे -0.83 के ऑफसेट गुणांक के साथ मिलाकर देखा जाता है तो एक दूसरे को प्रभावित करने वाली उस गतिशील प्रक्रिया का पता चलता है जिसके माध्यम से आरक्षित मुद्रा का प्रसार अर्थव्यवस्था में होता है। यहां तक कि पूर्ण निष्प्रभावीकरण सुनिश्चित कर लिए जाने की स्थिति में भी और अधिक एनएफए आती हैं जिनसे आरक्षित मुद्रा में वृद्धि हो जाती है। यह देखते हुए कि मुद्रा-आपूर्ति प्रक्रिया अंतर्जात होती है, अर्थात् मुद्रा की मांग को पूरी तरह पूरा करते हुए यह सुनिश्चित किया जाता है कि भारित औसत काल दर नीतिगत रिपो दर के करीब रहे, मौद्रिक नीति-निर्माण के नजरिए से ऑफसेट गुणांक के उच्च मान पर ध्यान देना और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है (निष्प्रभावीकरण गुणांक की तुलना में) क्योंकि इससे इस बात के संकेत मिलते हैं कि कैसे पूंजी खाता लेनदेन के प्रतिबंध कम होने के साथ-साथ निष्प्रभावीकरण के प्रभाव में क्रमशः अधिकाधिक कमी आती जा रही है।

अनुभव के आधार पर निष्प्रभावीकरण गुणांकों तथा ऑफसेट गुणांकों के मान मॉडलों के प्रकार और प्रतिदर्श अवधि के प्रति अति संवेदनशील होते हैं। उदाहरण के लिए, सारणी 2 में उल्लिखित दोनों अनुमानित समीकरणों में कुछ चर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं हैं, हालांकि यह अपेक्षा की जाती है कि उनका नाम एनडीए और एनएफए में परिवर्तनकारक तत्वों की सूची में शामिल हो। अतः यहाँ प्रस्तुत अनुभवाश्रित निष्कर्षों में अनुमानित निष्प्रभावीकरण गुणांकों तथा ऑफसेट गुणांकों पर विशेष रूप से विचार करने की तुलना में यह अनुमान करना अधिक महत्वपूर्ण है कि पूंजी खाता लेनदेन पर प्रतिबंध कम होने अथवा बड़ी मात्रा में लंबे समय तक निष्प्रभावीकरण प्रक्रिया जारी रखने से निष्प्रभावीकरण के प्रभाव में कमी आती है जिससे मौद्रिक नीति का स्वतंत्र-संचालन चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक
भारतीय रिज़र्व बैंक
मुद्रा और बैंकिंग
मूल्य और उत्पादन
सरकारी खाते और खज़ाना बिल
वित्तीय बाजार
बाह्य क्षेत्र
भुगतान और निपटान प्रणालियाँ
अवसरिक श्रृंखलाएं

विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिंदा आर्थिक संकेतक	25
	भारतीय रिज़र्व बैंक	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	26
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	27
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डालर का क्रय/विक्रय	28
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	29
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	29
	मुद्रा और बैंकिंग	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	30
7	मुद्रा स्टॉक (एम ₃) के स्रोत	31
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	32
9	कुल चलनिधि राशियां	32
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	33
11	आरक्षित मुद्रा- घटक और स्रोत	33
12	वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण	34
13	अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश	34
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	35
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन	36
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन	37
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में खाते रखने वाले राज्य सहकारी बैंक	38
	मूल्य और उत्पादन	
18	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)	39
19	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	39
20	मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य	39
21	थोक मूल्य सूचकांक	40
22	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार: 2011-12=100)	43
	सरकारी खाते और खज़ाना बिल	
23	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	43
24	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	44
25	खज़ाना बिलों की नीलामी	44
	वित्तीय बाजार	
26	दैनिक मांग मुद्रा दरें	45
27	जमाराशि प्रमाण-पत्र	46
28	वाणिज्यिक पत्र	46
29	चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	46
30	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	47

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	बाह्य क्षेत्र	
31	विदेशी व्यापार	48
32	विदेशी मुद्रा भंडार	48
33	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां	48
34	विदेशी निवेश अंतर्वाह	49
35	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना के अंतर्गत जावक विप्रेषण	49
36	भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) सूचकांक	50
37	बाह्य वाणिज्यिक उधार	50
38	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	51
39	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (बिलियन ₹)	52
40	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमेरिकी डॉलर में)	53
41	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (बिलियन ₹ में)	54
42	अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	55
	भुगतान और निपटान प्रणालियाँ	
43	भुगतान प्रणाली संकेतक	56
	अवसरिक श्रृंखलाएं	
44	लघु बचत	57
45	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	58
46	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	59
47	विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता	60
48	राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश	61
49	राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां	62

टिप्पणियां: .. = उपलब्ध नहीं।

- = शून्य/नगण्य

प्रा/अ = प्रारंभिक/अनंतिम

आंसं = आंशिक रूप से संशोधित

सं. 1: चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2017-18	2016-17		2017-18	
		ति3	ति4	ति3	ति4
		1	2	3	4
1 वस्तु क्षेत्र (% परिवर्तन)					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	6.5	6.9	6.0	6.6	7.6
1.1.1 कृषि	3.4	7.5	7.1	3.1	4.5
1.1.2 उद्योग	5.5	8.8	8.1	7.3	8.0
1.1.3 सेवाएं	7.6	6.0	4.9	7.5	8.2
1.1क अंतिम खपत व्यय	7.2	9.7	6.4	6.0	8.1
1.1ख सकल नियत पूंजी निर्माण	7.6	8.7	6.0	9.1	14.4
	2017-18	2017		2018	
		मई	जून	मई	जून
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	4.3	2.9	-0.3	3.2	-
2 मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)					
2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक					
2.1.1 जमा राशियां	6.2	10.4	12.8	8.1	6.8
2.1.2 ऋण	10.0	4.7	8.2	12.8	10.9
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	10.2	5.5	9.0	13.0	10.9
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	9.5	17.6	18.2	5.1	6.0
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	27.4	-8.7	-5.1	24.9	21.1
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	9.6	6.6	7.0	10.4	9.8
3 अनुपात (%)					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	19.50	20.50	20.00	19.50	19.50
3.3 नकदी-जमा अनुपात	5.1	4.7	5.1	4.7	4.9
3.4 ऋण-जमा अनुपात	75.5	72.1	72.6	75.2	75.4
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात	117.3	**	**	**	64.6
3.6 निवेश-जमा अनुपात	29.0	30.6	30.1	29.7	29.9
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	43.0	*	*	*	168.4
4 ब्याज दरें (%)					
4.1 नीति रिपो दर	6.00	6.25	6.25	6.00	6.25
4.2 रिवर्स रिपो दर	5.75	6.00	6.00	5.75	6.00
4.3 सीमांत स्थायी सुविधा दर	6.25	6.50	6.50	6.25	6.50
4.4 बैंक दर	6.25	6.50	6.50	6.25	6.50
4.5 आधार दर	8.65/9.45	9.10/9.60	9.10/9.60	8.70/9.45	8.70/9.45
4.6 एमसीएलआर (एक दिन के लिए)	7.80/7.95	7.75/8.10	7.75/8.10	7.80/7.95	7.80/8.05
4.7 एक वर्ष से अधिक की मीयादी जमा दर	6.25/6.75	6.25/6.90	6.25/6.90	6.25/6.75	6.25/7.00
4.8 बचत जमा दर	3.50/4.00	4.00	4.00	3.50/4.00	3.50/4.00
4.9 मांग मुद्रा दर (भारत औसत)	5.94	6.04	6.07	5.94	6.17
4.10 91-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	6.11	6.31	6.27	6.40	6.52
4.11 182-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	6.33	6.39	6.33	6.80	6.89
4.12 364-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	6.49	6.47	6.38	6.93	7.13
4.13 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों पर आय (एफबीआईएल)	7.42	6.69	6.57	7.92	7.98
5 आरबीआई संदर्भ दर और फारवर्ड प्रीमिया					
5.1 भा.रु.-अमेरिकी डालर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	65.04	64.59	64.74	68.26	68.58
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	80.62	72.33	74.00	79.88	79.85
5.3 फारवर्ड प्रीमिया अमेरिकी डालर 1-माह (%)	4.61	4.92	5.19	4.13	4.46
3-माह (%)	4.37	4.83	4.76	4.01	4.37
6-माह (%)	4.21	4.71	4.70	4.04	4.39
6 मुद्रास्फीति (%)					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	3.6	2.2	1.5	4.9	5.0
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	3.1	1.1	1.1	4.0	3.9
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	2.8	2.3	0.9	4.4	5.8
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	1.4	-1.7	-4.2	3.2	5.3
6.3.2 ईंधन और पावर	7.9	11.8	5.2	11.2	16.2
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	2.6	2.6	2.4	3.7	4.2
7 विदेशी व्यापार (% परिवर्तन)					
7.1 आयात	20.2	35.3	19.9	13.5	19.5
7.2 निर्यात	9.4	6.9	1.6	21.0	18.0

** हर और अंश नकारात्मक हैं।

* हर नकारात्मक / नगण्य हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 2: भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां*

(बिलियन ₹)

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति						
	2017-18	2017	2018				
			जुला	जून 29	जुला 6	जुला 13	जुला 20
	1	2	3	4	5	6	7
1 निर्गम विभाग							
1.1 देयताएं							
1.1.1 संचलन में नोट	18,044.21	15,157.80	19,174.27	19,241.08	19,312.05	19,109.33	18,968.03
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	0.15	0.13	0.09	0.13	0.12	0.12	0.11
1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां	18,044.35	15,157.93	19,174.36	19,241.21	19,312.17	19,109.45	18,968.14
1.2 आस्तियां							
1.2.1 सोने के सिक्के और बुलियन	733.81	690.36	743.56	743.49	743.49	743.49	743.49
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	17,303.70	14,461.99	18,421.54	18,488.46	18,559.41	18,356.69	18,215.32
1.2.3 रुपया सिक्का	6.83	5.58	9.26	9.26	9.27	9.27	9.33
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	-	-	-	-	-	-	-
2 बैंकिंग विभाग							
2.1 देयताएं							
2.1.1 जमाराशियां	9,854.75	8,739.65	6,177.25	6,392.15	5,738.30	5,938.14	5,835.36
2.1.1.1 केंद्र सरकार	68.08	1.00	1.01	1.01	1.01	1.01	1.00
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना	-	946.73	-	-	-	-	-
2.1.1.3 राज्य सरकारें	6.51	0.42	0.42	0.42	0.42	0.42	0.42
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	5,256.86	4,432.64	4,922.13	4,802.22	4,731.65	4,832.31	4,738.57
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	48.28	35.74	36.86	35.70	35.30	47.69	35.17
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	25.49	18.40	18.82	20.08	19.80	19.71	20.12
2.1.1.7 अन्य बैंक	305.66	251.98	274.21	272.08	268.82	269.60	271.68
2.1.1.8 अन्य	4,143.89	3,046.29	923.80	1,260.64	681.30	767.40	768.39
2.1.1.9 भारत के बाहर के वित्तीय संस्थान	-	6.44	-	-	-	-	-
2.1.2 अन्य देयताएं	9,141.27	8,785.87	10,307.00	10,349.08	10,147.55	10,432.89	10,363.28
2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां	18,996.03	17,519.08	16,484.25	16,741.23	15,885.85	16,371.03	16,198.64
2.2 आस्तियां							
2.2.1 नोट और सिक्के	0.15	0.13	0.09	0.13	0.12	0.12	0.11
2.2.2 विदेश में रखे शेष	8,887.95	9,420.03	7,925.82	7,978.99	7,675.29	8,047.57	8,065.31
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	-	-	253.22	931.40	481.12	217.69	-
2.2.3.2 राज्य सरकारें	7.39	17.61	6.43	31.22	46.99	-	1.71
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	2,739.78	17.35	918.26	553.50	425.17	746.30	762.95
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	0.35	-	-	-	-	-	-
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.6 नाबार्ड	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.7 एक्विजम बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.8 अन्य	106.75	36.62	62.37	60.34	63.32	62.06	62.82
2.2.3.9 भारत के बाहर की वित्तीय संस्थाएं	-	6.45	-	-	-	-	-
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.4.2 सरकारी खज़ाना बिल	-	-	-	-	-	-	-
2.2.5 निवेश	6,369.76	7,383.65	6,361.53	6,331.59	6,332.09	6,433.01	6,433.51
2.2.6 अन्य आस्तियां	883.90	643.68	956.53	854.06	861.75	864.28	872.23
2.2.6.1 सोना	673.37	627.02	697.93	699.31	704.51	706.21	710.41

* डाटा अनतिम है।

सं. 3: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(बिलियन ₹)

दिनांक	चलनिधि समायोजन सुविधा				एमएसएफ	स्थायी चलनिधि सुविधाएं	बाज़ार स्थिरीकरण योजना	ओएमओ (एकमुश्त)		निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+6+9-2-4-7-8)
	रिपो	रिवर्स रिपो	परिवर्तन-शील रिपो दर	परिवर्तन-शील रिवर्स रिपो दर				विक्रय	क्रय	
	1	2	3	4				5	6	
जून 1, 2018	56.69	301.39	142.67	48.08	0.60	-1.49	-	-	-	-151.00
जून 2, 2018	-	224.45	-	-	-	-	-	-	-	-224.45
जून 4, 2018	37.53	771.25	-	104.40	-	1.48	-	-	-	-836.64
जून 5, 2018	36.61	801.77	220.05	87.10	-	-	-	-	-	-632.21
जून 6, 2018	38.81	1,070.05	-	21.00	1.50	-1.93	-	-	-	-1,052.67
जून 7, 2018	32.43	387.12	-	612.29	2.50	1.91	-	-	-	-962.57
जून 8, 2018	36.30	341.38	77.00	102.70	11.50	-2.68	-	-	-	-321.96
जून 11, 2018	37.28	153.86	-	44.16	0.15	-0.69	-	-	-	-161.28
जून 12, 2018	37.28	100.94	74.50	-	-	-	-	-	3.00	13.84
जून 13, 2018	38.41	87.79	-	-	0.01	-	-	-	-	-49.37
जून 14, 2018	41.76	192.74	-	342.57	-	0.69	-	-	-	-492.86
जून 15, 2018	38.41	81.02	109.77	114.56	0.60	-	-	-	-	-46.80
जून 18, 2018	61.96	65.53	-	76.17	0.75	-	-	-	-	-78.99
जून 19, 2018	122.01	78.90	220.06	-	3.00	2.64	-	-	-	268.81
जून 20, 2018	197.96	46.92	-	-	2.50	-	-	-	-	153.54
जून 21, 2018	241.36	86.78	200.09	-	10.09	-	-	-	-	364.76
जून 22, 2018	186.98	276.92	425.08	-	20.42	-	-	-	100.00	455.56
जून 25, 2018	91.36	121.33	-	-	0.10	-	-	-	-	-29.87
जून 26, 2018	48.41	332.26	225.02	146.50	-	-	-	-	-	-205.33
जून 27, 2018	38.41	304.55	-	153.30	-	-	-	-	-	-419.44
जून 28, 2018	37.23	409.79	-	34.11	-	-	-	-	-	-406.67
जून 29, 2018	97.18	169.21	158.10	137.69	31.25	-	-	-	-	-20.37
जून 30, 2018	41.34	511.29	-	-	47.30	-	-	-	-	-422.65

सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डालर का क्रय/विक्रय

i) ओटीसी सेगमेंट में परिचालन

मद	2017-18	2017	2018	
		जून	मई	जून
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डालर) (1.1-1.2)	33,689.00	3,291.00	-5,767.00	-6,184.00
1.1 क्रय (+)	52,068.00	4,971.00	4,101.00	4,020.00
1.2 विक्रय (-)	18,379.00	1,680.00	9,868.00	10,204.00
2 संविदा दर पर ₹ के बराबर (बिलियन ₹)	2,228.28	218.32	-392.20	-424.00
3 संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमेरिकी डालर)	33,689.00	8,863.00	-8,250.00	-14,434.00
(बिलियन ₹)	2,228.27	585.26	-552.20	-976.19
4 माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डालर)	20,853.00	17,081.00	11,252.00	10,689.00

ii) मुद्रा फ्यूचर्स सेगमेंट में परिचालन

मद	2017-18	2017	2018	
		जून	मई	जून
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डालर) (1.1-1.2)	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1 क्रय (+)	3,935.00	0.00	2,705.00	1,714.00
1.2 विक्रय (-)	3,935.00	0.00	2,705.00	1,714.00
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डालर)	0.00	0.00	-735.00	-692.00

सं. 4ए: भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	30 जून 2018 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	4,129	1,666	2,463
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	3,542	1,031	2,511
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	8,367	2,652	5,717
4. 1 वर्ष से अधिक	0	0	0
कुल (1+2+3+4)	16,038	5,349	10,689

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक़वार की स्थिति							
	2017-18	2017	2018					जुला 20
			जुला 21	फर 16	मार्च 30	अप्रैल 27	मई 25	
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 सीमांत स्थायी सुविधा	—	6.8	4.5	—	31.2	—	20.4	29.8
2 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुर्नवित								
2.1 सीमा	—	—	—	—	—	—	—	—
2.2 बकाया	—	—	—	—	—	—	—	—
3 प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा								
3.1 सीमा	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0
3.2 बकाया	25.4	15.4	12.0	25.4	23.5	23.3	23.9	24.3
4 अन्य								
4.1 सीमा	—	—	—	—	—	—	—	—
4.2 बकाया	—	—	—	—	—	—	—	—
5 कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	25.4	22.1	16.6	25.4	54.7	23.3	44.4	54.2

मुद्रा और बैंकिंग

सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2017-18	2017	2018		
		जून 23	मई 25	जून 8	जून 22
	1	2	3	4	5
1 जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	17,597.1	14,526.5	18,538.7	18,731.8	18,767.6
1.1 संचलन में नोट	18,037.0	15,074.4	19,050.6	19,224.9	19,316.8
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	249.1	245.7	249.6	249.6	249.7
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	7.4	7.4	7.4	7.4	7.4
1.4 बैंकों के पास नकदी	696.4	801.0	768.8	750.1	806.3
2 जनता की जमाराशियां	15,076.2	12,483.5	13,100.3	12,990.7	13,123.7
2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियां	14,837.1	12,281.8	12,831.6	12,758.2	12,898.5
2.2 रिजर्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	201.8	268.6	232.5	225.2
3 एम₁ (1+2)	32,673.3	27,010.0	31,639.0	31,722.5	31,891.3
4 डाकघर बचत बैंक जमाराशियां	1,028.0	946.7	1,028.0	1,028.0	1,028.0
5 एम₂ (3+4)	33,701.3	27,956.7	32,666.9	32,750.5	32,919.3
6 बैंकों के पास मीयादी जमाराशियां	106,952.6	100,574.5	108,206.5	108,839.4	108,141.0
7 एम₃ (3+6)	139,625.9	127,584.6	139,845.5	140,562.0	140,032.3
8 कुल डाकघर जमाराशियां	2,881.4	2,647.1	2,881.4	2,881.4	2,881.4
9 एम₄ (7+8)	142,507.3	130,231.7	142,726.9	143,443.4	142,913.7

सं. 7: मुद्रा स्टॉक (एम₃) का स्रोत

(बिलियन ₹)

स्रोत	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
		जून 23	मई 25	जून 8	जून 22
	1	2	3	4	5
1 सरकार को निवल बैंक ऋण	40,014.0	40,936.3	42,037.7	43,382.9	42,210.0
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	4,759.6	6,672.7	6,234.0	6,899.6	6,188.4
1.1.1 सरकार पर दावे	6,435.6	7,628.0	6,275.9	6,901.0	6,336.9
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	6,418.4	7,608.7	6,262.8	6,863.1	6,336.5
1.1.1.2 राज्य सरकारें	17.2	19.3	13.1	37.8	0.4
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमाराशियां	1,676.0	955.3	41.9	1.4	148.5
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	1,675.6	947.7	41.5	1.0	148.1
1.1.2.2 राज्य सरकारें	0.4	7.6	0.4	0.4	0.4
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	35,254.4	34,263.6	35,803.7	36,483.4	36,021.6
2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	92,137.2	82,049.5	91,428.8	91,851.6	92,026.8
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	140.3	69.3	94.5	89.4	95.4
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	91,996.9	81,980.2	91,334.3	91,762.2	91,931.4
2.2.1 वाणिज्यिक बैंकों द्वारा बैंक ऋण	86,254.2	76,356.9	85,558.0	85,938.4	86,144.2
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	5,666.0	5,538.7	5,693.4	5,701.5	5,704.3
2.2.3 वाणिज्यिक और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	76.7	84.6	82.9	122.3	82.9
3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)	29,223.0	25,808.6	29,759.5	29,506.5	29,212.4
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	27,607.8	24,674.1	28,144.4	27,891.4	27,597.3
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	27,609.9	24,676.0	28,146.4	27,893.4	27,599.4
3.1.2 विदेशी देयताएं	2.1	1.9	2.1	2.1	2.1
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	1,615.1	1,134.5	1,615.1	1,615.1	1,615.1
4 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	256.5	253.1	257.0	257.1	257.1
5 बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	22,004.8	21,462.9	23,637.4	24,436.1	23,674.2
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	9,069.9	8,529.4	9,987.7	9,789.6	9,785.8
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	12,934.9	12,933.4	13,649.7	14,646.4	13,888.4
एम₃ (1+2+3+4-5)	139,625.9	127,584.6	139,845.5	140,562.0	140,032.3

सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
		जून 23	मई 25	जून 8	जून 22
	1	2	3	4	5
मौद्रिक समुच्चय					
एन एम ₁ (1.1 + 1.2.1+1.3)	32,673.3	27,010.0	31,639.0	31,722.5	31,891.3
एन एम ₂ (एन एम ₁ + 1.2.2.1)	80,142.1	71,644.4	79,636.5	80,002.0	79,849.7
एन एम ₃ (एन एम ₂ + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4 - 2.5)	141,816.7	129,107.2	141,970.9	142,793.2	142,310.9
1 घटक					
1.1 जनता के पास मुद्रा	17,597.1	14,526.5	18,538.7	18,731.8	18,767.6
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियां	120,323.4	111,469.1	119,492.8	120,046.0	119,472.8
1.2.1 मांग जमाराशियां	14,837.1	12,281.8	12,831.6	12,758.2	12,898.5
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	105,486.3	99,187.4	106,661.2	107,287.8	106,574.3
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	47,468.8	44,634.3	47,997.6	48,279.5	47,958.4
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,931.1	1,267.7	2,123.9	1,921.9	1,797.8
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	58,017.4	54,553.1	58,663.7	59,008.3	58,615.9
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	201.8	268.6	232.5	225.2
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	3,657.1	2,909.8	3,670.7	3,782.8	3,845.3
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	139,941.3	130,048.2	142,059.5	143,825.7	142,746.1
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	40,014.0	40,936.3	42,037.7	43,382.9	42,210.0
2.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	4,759.6	6,672.7	6,234.0	6,899.6	6,188.4
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	35,254.4	34,263.6	35,803.7	36,483.4	36,021.6
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	99,927.3	89,111.9	100,021.8	100,442.8	100,536.0
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैंक ऋण	140.3	69.3	94.5	89.4	95.4
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	99,787.1	89,042.6	99,927.3	100,353.4	100,440.6
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	7,728.5	6,970.6	8,512.3	8,503.4	8,429.7
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	256.5	253.1	257.0	257.1	257.1
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	26,931.6	24,194.1	26,829.0	26,510.4	26,373.0
2.3.1 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,607.8	24,674.1	28,144.4	27,891.4	27,597.3
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	-676.2	-480.0	-1,315.4	-1,381.0	-1,224.2
2.4 पूंजी खाता	20,705.2	18,936.6	22,011.8	21,866.1	21,805.2
2.5 अन्य मदें (निवल)	4,607.6	6,451.5	5,162.8	5,933.9	5,260.2

सं. 9: कुल चलनिधि राशियां

(बिलियन ₹)

समुच्चय	2017-18	2017	2018		
	1	जून	अप्रैल	मई	जून
		2	3	4	5
1 एन एम₃	141,850.9	129,107.2	141,862.3	141,970.9	142,310.9
2 डाकघर जमाराशियां	2,881.4	2,647.1	2,881.4	2,881.4	2,881.4
3 एल₁ (1 + 2)	144,732.3	131,754.4	144,743.7	144,852.3	145,192.3
4 वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	29.3	29.3	29.3	29.3	29.3
4.1 सावधि मुद्रा उधार	26.6	26.6	26.6	26.6	26.6
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3
4.3 सावधि जमाराशियां	2.5	2.5	2.5	2.5	2.5
5 एल₂ (3 + 4)	144,761.6	131,783.7	144,773.0	144,881.6	145,221.6
6 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियां	313.6	311.0	313.6
7 एल₃ (5 + 6)	145,075.2	132,094.7	145,535.3

सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017		2018	
		जून 23	मई 25	जून 8	जून 22
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	18,293.5	15,327.6	19,307.6	19,481.9	19,573.9
1.2 भार.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,655.3	4,599.3	5,033.5	4,862.4	5,177.0
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	5,269.1	4,295.1	4,708.5	4,535.4	4,851.3
1.3 भार.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	201.8	268.6	232.5	225.2
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	24,187.8	20,128.6	24,609.7	24,576.8	24,976.1
2 स्रोत					
2.1 भार.रि.बैं.के देशी ऋण	5,393.4	3,730.8	6,196.0	6,218.1	6,907.4
2.1.1 सरकार को निवल भार.रि.बैं. ऋण	4,759.6	6,672.7	6,234.0	6,899.6	6,188.4
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल भार.रि.बैं. ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	4,742.9	6,661.0	6,221.3	6,862.1	6,188.4
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	-	105.4	-	630.9	-
2.1.1.1.2 खज़ाना बिलों में निवेश	-	-	-	-	-
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	6,411.5	7,497.1	6,253.5	6,223.0	6,327.3
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	6,411.5	7,497.1	6,253.5	6,223.0	6,327.3
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	6.9	6.2	9.3	9.2	9.2
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियां	1,675.6	947.7	41.5	1.0	148.1
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल भार.रि.बैं. ऋण	16.8	11.7	12.7	37.4	-
2.1.2 बैंकों पर भार.रि.बैं. के दावे	493.5	-3,011.1	-132.4	-770.9	623.6
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को ऋण और अग्रिम	493.5	-3,011.1	-132.4	-770.9	623.6
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को भार.रि.बैं. के ऋण	140.3	69.3	94.5	89.4	95.4
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	25.4	16.7	23.2	21.3	23.9
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	-	-	-	-	-
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	256.5	253.1	257.0	257.1	257.1
2.3 भार.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,607.8	24,674.1	28,144.4	27,891.4	27,597.3
2.3.1 सोना	1,397.4	1,297.1	1,449.2	1,429.3	1,438.9
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	26,210.6	23,377.2	26,695.4	26,462.3	26,158.5
2.4 पूंजी खाता	8,584.3	7,568.5	9,526.7	9,291.3	9,261.0
2.5 अन्य मदें (निवल)	485.6	960.9	461.1	498.3	524.8

सं. 11: आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत

(बिलियन ₹)

मद	2017-18	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया						
		2017		2018				
		जून 30	मई 25	जून 1	जून 8	जून 15	जून 22	जून 29
		1	2	3	4	5	6	7
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	24,187.8	20,568.4	24,609.7	24,707.5	24,576.8	24,924.8	24,976.1	24,916.4
1 घटक								
1.1 संचलन में मुद्रा	18,293.5	15,316.3	19,307.6	19,319.1	19,481.9	19,611.2	19,573.9	19,431.3
1.2 भार.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,655.3	5,041.5	5,033.5	5,129.8	4,862.4	5,089.5	5,177.0	5,252.0
1.3 भार.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	210.6	268.6	258.6	232.5	224.2	225.2	233.0
2 स्रोत								
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	4,759.6	6,665.1	6,234.0	6,751.3	6,899.6	6,684.4	6,188.4	6,595.3
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	493.5	-2,629.9	-132.4	-504.8	-770.9	-120.6	623.6	277.5
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	140.3	76.1	94.5	94.2	89.4	93.3	95.4	95.9
2.4 भार.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,607.8	25,002.3	28,144.4	27,700.3	27,891.4	27,861.4	27,597.3	27,786.7
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	256.5	253.1	257.0	257.0	257.1	257.1	257.1	257.0
2.6 भार.रि.बैं. की निवल गैर मौद्रिक देयताएं	9,069.9	8,798.4	9,987.7	9,590.7	9,789.6	9,850.7	9,785.8	10,096.0

सं. 12: वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	माह के नियत अंतिम शुक्रवार / माह के नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
			जून 23	मई 25	जून 8
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियां	112,794.2	104,131.9	111,982.9	112,531.9	111,963.2
1.1.1 मांग जमाराशियां	13,702.8	11,150.9	11,698.8	11,621.9	11,763.3
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	99,091.4	92,981.0	100,284.0	100,910.0	100,199.8
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	44,591.1	41,841.5	45,127.8	45,409.5	45,089.9
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,931.1	1,267.7	2,123.9	1,921.9	1,797.8
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	54,500.3	51,139.6	55,156.2	55,500.5	55,109.9
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	3,657.1	2,909.8	3,670.7	3,782.8	3,845.3
स्रोत					
2.1 देशी ऋण	127,142.0	115,528.9	127,801.4	128,900.0	128,532.0
2.1.1 सरकार को ऋण	33,174.1	32,178.4	33,726.8	34,407.6	33,955.1
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	93,967.9	83,350.5	94,074.6	94,492.4	94,576.9
2.1.2.1 बैंक ऋण	86,254.2	76,356.9	85,558.0	85,938.4	86,144.2
2.1.2.1.1 गैर-खादयान्न ऋण	86,086.9	75,773.5	85,028.9	85,281.7	85,518.8
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	64.3	94.4	83.4	90.4	82.1
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	10.5	18.2	10.6	49.8	10.6
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	7,638.9	6,881.0	8,422.7	8,413.8	8,340.0
2.2 वाणिज्यिक बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	-676.2	-480.0	-1,315.4	-1,381.0	-1,224.2
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	2,018.0	1,561.2	1,590.8	1,543.9	1,532.3
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियां	1,466.3	1,387.2	1,545.3	1,551.7	1,566.7
2.2.3 समुद्रपार विदेशी मुद्रा उधार	1,227.9	654.1	1,360.9	1,373.2	1,189.9
2.3 निवल बैंक रिज़र्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	5,321.8	8,008.6	5,512.5	5,960.3	4,935.4
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	5,256.9	4,295.1	4,708.5	4,535.4	4,851.3
2.3.2 उपलब्ध नकदी	600.6	702.4	671.5	654.0	707.7
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	535.7	-3,011.1	-132.4	-770.9	623.6
2.4 पूंजी खाता	11,879.3	11,126.4	12,243.4	12,333.1	12,302.5
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	3,457.1	4,889.4	4,101.5	4,831.5	4,132.2
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	4,360.8	4,176.3	3,537.3	3,557.7	3,586.4
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	-268.2	-269.7	-344.0	-287.8	-357.7

सं. 13: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश

(बिलियन ₹)

मद	30 मार्च, 2018 की स्थिति	2017	2018		
		जून 23	मई 25	जून 8	जून 22
	1	2	3	4	5
1 एसएलआर प्रतिभूतियां	33,184.5	32,196.6	33,738.8	34,457.4	33,965.6
2 वाणिज्यिक पत्र	1,159.4	1,291.9	1,458.5	1,379.7	1,274.2
3 निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
3.1 सरकारी उद्यम	118.7	97.0	118.4	118.4	118.4
3.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	745.3	616.2	747.5	743.8	743.0
3.3 अन्य	42.1	46.9	42.6	42.4	42.8
4 निम्नलिखित द्वारा जारी बांड / डिबेंचर					
4.1 सरकारी उद्यम	1,399.7	1,106.6	1,254.1	1,263.4	1,291.6
4.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	2,222.3	1,614.0	2,168.5	2,178.6	2,216.4
4.3 अन्य	994.6	731.3	1,193.6	1,128.8	1,130.4
5 निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
5.1 म्यूचुअल फंड	177.3	672.0	678.4	724.7	714.9
5.2 वित्तीय संस्थाएं	895.8	814.1	878.9	833.9	808.3

सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में) /नियत शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक			
	2017-18	2017	2018		2017-18	2017	2018	
		जून	मई	जून		जून	मई	जून
1	2	3	4	5	6	7	8	
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	223	215	223	223	149	144	149	149
1 बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं	2,344.9	2,171.4	2,495.0	2,256.2	2,282.0	2,108.6	2,443.3	2,206.6
1.1 बैंकों से मांग और मीयादी जमाराशियां	1,667.5	1,671.2	1,567.2	1,572.7	1,615.6	1,614.7	1,521.7	1,525.8
1.2 बैंकों से उधार राशि	611.7	452.6	769.1	587.8	601.2	448.4	764.3	586.9
1.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	65.7	47.6	158.8	95.7	65.2	45.6	157.2	94.0
2 अन्य के प्रति देयताएं	126,658.9	118,571.1	125,238.6	127,295.1	123,506.3	115,617.1	122,097.1	124,139.3
2.1 कुल जमाराशियां	117,285.4	110,466.9	116,531.0	117,988.9	114,260.5	107,651.1	113,528.2	114,985.7
2.1.1 मांग	13,994.8	12,746.6	11,983.4	12,920.3	13,702.8	12,478.2	11,698.9	12,632.4
2.1.2 मीयादी	103,290.6	97,720.3	104,547.7	105,068.7	100,557.7	95,172.9	101,829.4	102,353.4
2.2 उधार	3,693.9	3,276.6	3,718.5	3,958.3	3,657.1	3,239.1	3,670.7	3,898.0
2.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	5,679.7	4,827.5	4,989.1	5,347.9	5,588.7	4,726.8	4,898.1	5,255.6
3 रिज़र्व बैंक से उधार	2,740.1	80.3	581.8	918.3	2,739.8	80.3	581.8	918.3
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	-	-	-	-	-	-	-	-
3.2 अन्य	2,740.1	80.3	581.8	918.3	2,739.8	80.3	581.8	918.3
4 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	6,029.2	5,636.9	5,519.1	5,775.1	5,857.5	5,497.6	5,380.8	5,632.6
4.1 उपलब्ध नकदी	616.3	786.5	689.5	729.0	600.65	767.7	672.3	710.4
4.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	5,412.9	4,850.3	4,829.6	5,046.1	5,256.9	4,729.9	4,708.5	4,922.1
5 बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां	3,011.8	2,922.4	3,258.1	3,068.9	2,614.6	2,482.1	2,870.6	2,678.2
5.1 अन्य बैंकों के पास शेष	2,041.9	1,952.2	2,154.2	2,060.2	1,860.5	1,767.9	1,987.9	1,893.6
5.1.1 चालू खाते में	156.0	172.6	99.3	118.7	123.1	145.0	79.6	95.1
5.1.2 अन्य खातों में	1,885.9	1,779.6	2,054.9	1,941.6	1,737.4	1,622.9	1,908.3	1,798.5
5.2 मांग और अल्पसूचना पर मुद्रा	360.5	285.6	477.2	341.2	182.4	121.3	299.7	175.1
5.3 बैंकों को अग्रिम	284.1	365.3	304.3	377.2	282.0	364.5	299.7	361.6
5.4 अन्य आस्तियां	325.3	319.3	322.5	290.2	289.6	228.3	283.3	247.9
6 निवेश	34,124.7	33,348.0	34,681.7	35,351.5	33,184.5	32,464.5	33,738.8	34,403.4
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	34,067.4	33,330.1	34,616.7	35,291.4	33,174.1	32,452.4	33,726.8	34,395.3
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	57.3	17.9	64.9	60.1	10.5	12.1	12.0	8.1
7 बैंक ऋण	88,785.3	80,541.1	87,943.6	89,295.7	86,254.2	78,198.1	85,376.6	86,722.7
7क खाद्यान्न ऋण	611.4	701.2	759.4	823.3	419.9	508.9	529.1	593.0
7.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	86,451.5	78,354.0	85,736.2	87,044.5	83,984.8	76,069.6	83,226.6	84,525.5
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	230.3	224.6	214.9	224.1	203.9	209.3	190.8	203.6
7.3 देशी बिल- भुनाए गए	1,417.3	1,345.8	1,378.5	1,381.8	1,387.5	1,308.3	1,352.2	1,355.7
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	266.0	216.6	237.1	250.6	263.0	214.8	234.9	248.4
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	420.3	400.2	376.9	394.7	415.0	396.0	372.0	389.5

सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन

(बिलियन ₹)

मद	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 30, 2018	2017	2018		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
			जून 23	मई 25		
	1	2	3	4	5	6
1 सकल बैंक ऋण	77,303	69,279	76,365	76,949	-0.5	11.1
1.1 खाद्यान्न ऋण	419	582	527	624	48.9	7.2
1.2 गैर-खाद्यान्न ऋण	76,884	68,698	75,838	76,325	-0.7	11.1
1.2.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	10,302	9,719	10,279	10,355	0.5	6.5
1.2.2 उद्योग	26,993	26,185	26,446	26,417	-2.1	0.9
1.2.2.1 सूक्ष्म और लघु	3,730	3,616	3,613	3,641	-2.4	0.7
1.2.2.2 मझौले	1,037	1,002	1,023	1,029	-0.7	2.7
1.2.2.3 बड़े	22,226	21,567	21,809	21,747	-2.2	0.8
1.2.3 सेवाएं	20,505	16,393	19,932	20,218	-1.4	23.3
1.2.3.1 परिवहन परिचालक	1,213	1,102	1,218	1,223	0.9	11.0
1.2.3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	186	169	182	183	-1.6	8.5
1.2.3.3 पर्यटन, होटल और रेस्तरां	365	361	372	366	0.3	1.4
1.2.3.4 नौवहन	63	76	66	67	6.1	-11.5
1.2.3.5 पेशेवर सेवाएं	1,554	1,278	1,546	1,536	-1.2	20.2
1.2.3.6 व्यापार	4,669	4,078	4,729	4,700	0.6	15.2
1.2.3.6.1 थोक व्यापार	2,052	1,787	2,100	2,049	-0.1	14.6
1.2.3.6.2 खुदरा व्यापार	2,618	2,291	2,629	2,651	1.3	15.7
1.2.3.7 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	1,858	1,771	1,840	1,863	0.3	5.2
1.2.3.8 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (एनबीएफसी)	4,964	3,410	4,439	4,616	-7.0	35.4
1.2.3.9 अन्य सेवाएं	5,633	4,149	5,540	5,663	0.5	36.5
1.2.4 व्यक्तिगत ऋण	19,085	16,401	19,181	19,336	1.3	17.9
1.2.4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	197	173	201	203	2.8	17.3
1.2.4.2 आवास	9,746	8,619	9,919	9,983	2.4	15.8
1.2.4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	725	597	632	679	-6.3	13.7
1.2.4.4 शेयरों और बाडों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	56	52	55	57	2.1	8.3
1.2.4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	686	567	743	744	8.4	31.3
1.2.4.6 शिक्षा	697	695	692	686	-1.5	-1.3
1.2.4.7 वाहन ऋण	1,898	1,716	1,911	1,906	0.5	11.1
1.2.4.8 अन्य व्यक्तिगत ऋण	5,080	3,982	5,029	5,078	-0.1	27.5
1.2अ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	25,532	23,492	24,828	24,975	-2.2	6.3
1.2अ.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	10,216	9,698	10,228	10,292	0.7	6.1
1.2अ.2 सूक्ष्म और लघु उद्यम	9,964	8,733	9,503	9,572	-3.9	9.6
1.2अ.2.1 विनिर्माण	3,730	3,616	3,613	3,641	-2.4	0.7
1.2अ.2.2 सेवाएं	6,234	5,117	5,890	5,930	-4.9	15.9
1.2अ.3 आवास	3,756	3,571	3,699	3,739	-0.4	4.7
1.2अ.4 माइक्रो क्रेडिट	264	142	197	211	-20.1	48.3
1.2अ.5 शिक्षा ऋण	607	582	572	563	-7.2	-3.2
1.2अ.6 अजा/अजजा के लिए राज्य प्रायोजित संस्थाएं	3	3	3	3	13.2	34.0
1.2अ.7 कमजोर वर्ग	5,690	5,258	5,718	5,765	1.3	9.7
1.2अ.8 निर्यात ऋण	283	390	208	223	-21.1	-42.7

सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन

(बिलियन ₹)

उद्योग	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 30, 2018	2017	2018		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
			जून 23	मई 25		
	1	2	3	4	2018-19	2018
1 उद्योग	26,993	26,185	26,446	26,417	-2.1	0.9
1.1 खनन और उत्खनन (कोयला सहित)	413	327	394	399	-3.4	22.2
1.2 खाद्य प्रसंस्करण	1,554	1,450	1,499	1,498	-3.6	3.3
1.2.1 चीनी	290	297	268	276	-4.7	-7.0
1.2.2 खाद्य तेल और वनस्पति	211	183	208	212	0.3	15.5
1.2.3 चाय	45	39	50	49	9.7	23.6
1.2.4 अन्य	1,008	930	973	961	-4.7	3.3
1.3 पेय पदार्थ और तंबाकू	156	166	146	140	-10.1	-15.7
1.4 वस्त्र	2,099	1,927	2,038	2,033	-3.1	5.5
1.4.1 सूती वस्त्र	1,057	971	1,018	1,008	-4.7	3.8
1.4.2 जूट से बने वस्त्र	22	22	23	22	-1.9	-3.2
1.4.3 मानव - निर्मित वस्त्र	243	216	235	239	-1.8	10.7
1.4.4 अन्य वस्त्र	776	718	762	764	-1.5	6.5
1.5 चमड़ा और चमड़े से बने उत्पाद	113	106	112	111	-1.9	4.8
1.6 लकड़ी और लकड़ी से बने उत्पाद	109	101	110	111	2.0	9.6
1.7 कागज़ और कागज़ से बने उत्पाद	306	319	299	304	-0.6	-4.5
1.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और आग्विक इंधन	651	525	639	640	-1.8	21.8
1.9 रसायन और रासायनिक उत्पाद	1,630	1,536	1,612	1,571	-3.6	2.3
1.9.1 उर्वरक	306	272	296	272	-11.2	-0.3
1.9.2 औषधि और दवाइयां	484	427	491	495	2.4	16.0
1.9.3 पेट्रो केमिकल्स	387	436	371	349	-9.9	-20.0
1.9.4 अन्य	453	401	455	456	0.5	13.5
1.10 रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	424	389	419	415	-2.0	6.9
1.11 कांच और कांच के सामान	85	76	89	90	6.3	18.0
1.12 सीमेन्ट और सीमेन्ट से बने उत्पाद	526	506	530	520	-1.2	2.7
1.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	4,160	4,154	3,980	3,925	-5.6	-5.5
1.13.1 लोहा और स्टील	3,262	3,213	3,093	3,005	-7.9	-6.5
1.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	898	941	887	920	2.5	-2.2
1.14 सभी अभियांत्रिकी	1,553	1,463	1,514	1,526	-1.8	4.3
1.14.1 इलेक्ट्रॉनिक्स	344	318	338	337	-2.0	5.9
1.14.2 अन्य	1,210	1,146	1,176	1,189	-1.7	3.8
1.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपस्कर	787	706	720	748	-5.0	6.0
1.16 रत्न और आभूषण	727	689	701	681	-6.3	-1.3
1.17 निर्माण	901	849	902	911	1.1	7.3
1.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	8,909	8,915	8,839	8,912	0.0	-0.0
1.18.1 पावर	5,196	5,203	5,142	5,140	-1.1	-1.2
1.18.2 दूरसंचार	846	827	864	883	4.5	6.8
1.18.3 सड़क	1,665	1,721	1,638	1,624	-2.5	-5.7
1.18.4 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	1,202	1,164	1,194	1,265	5.2	8.7
1.19 अन्य उद्योग	1,890	1,981	1,904	1,882	-0.4	-5.0

सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में)/अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति								
	2017-18	2017		2018					
		मई, 26	मार्च, 02	मार्च, 16	मार्च, 30	अप्रैल, 13	अप्रैल, 27	मई, 11	मई, 25
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	32	32	32	32	32	30	30	30	30
1 कुल जमाराशियां (2.1.1.2+2.2.1.2)	573.9	519.4	562.7	563.0	573.9	571.6	579.8	553.8	557.6
2 मांग और मीयादी देयताएं									
2.1 मांग देयताएं	170.6	168.4	151.8	152.9	170.6	154.6	162.9	167.8	167.9
2.1.1 जमाराशियां									
2.1.1.1 अंतर-बैंक	50.7	37.1	43.5	42.4	50.7	42.4	44.3	43.7	48.8
2.1.1.2 अन्य	92.2	96.3	85.4	85.1	92.2	84.9	90.2	82.3	87.5
2.1.2 बैंकों से उधार	1.2	0.5	0.0	0.0	1.2	3.3	2.6	3.5	6.1
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	26.5	34.5	22.9	25.3	26.5	24.1	25.8	38.2	25.5
2.2 मीयादी देयताएं	918.1	915.8	904.7	898.9	918.1	933.7	934.2	913.9	903.8
2.2.1 जमाराशियां									
2.2.1.1 अंतर-बैंक	418.2	485.2	413.2	407.7	418.2	434.6	429.8	430.4	424.7
2.2.1.2 अन्य	481.7	423.2	477.3	477.8	481.7	486.7	489.5	471.4	470.2
2.2.2 बैंकों से उधार	10.9	0.0	7.0	6.3	10.9	4.0	6.6	5.8	2.4
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	7.3	7.5	7.2	7.1	7.3	8.3	8.2	6.4	6.5
3 रिज़र्व बैंक से उधार	0.0	0.4	0.0	0.0	0.4	0.0	0.0	0.0	0.0
4 अधिसूचित बैंक/राज्य सरकार से उधार	458.6	477.2	454.0	443.6	458.6	435.3	435.6	438.2	434.6
4.1 मांग	146.7	172.0	139.8	142.2	146.7	150.4	144.2	146.2	146.4
4.2 मीयादी	311.9	305.2	314.3	301.3	311.9	284.9	291.4	292.0	288.1
5 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	61.6	48.0	49.7	47.0	61.6	45.4	52.9	47.6	47.5
5.1 उपलब्ध नकदी	2.9	3.1	2.9	2.9	2.9	2.4	2.9	2.8	3.0
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	58.7	44.9	46.8	44.1	58.7	43.0	50.0	44.8	44.5
6 चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेष	15.1	7.5	8.7	10.4	15.1	12.2	8.3	7.9	7.4
7 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	325.4	323.7	317.7	319.8	325.4	322.7	320.3	321.5	322.8
8 मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	210.8	236.3	193.7	187.8	210.8	189.2	199.5	197.5	200.0
9 बैंक ऋण (10.1+11)	519.2	485.7	505.9	516.4	519.2	553.8	550.6	556.9	551.5
10 अग्रिम									
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	519.2	485.6	505.9	516.3	519.2	553.7	550.6	556.9	551.5
10.2 बैंकों से प्राप्त राशि	743.0	734.9	736.1	729.1	743.0	716.3	712.2	705.3	701.8
11 खरीदे और भुनाए गए बिल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.1	0.0	0.0	0.0

मूल्य और उत्पादन

सं. 18: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)

समूह/उप समूह	2017-18			ग्रामीण			शहरी			मिश्रित		
	ग्रामीण	शहरी	मिश्रित	जून 17	मई 18	जून 18	जून 17	मई 18	जून 18	जून 17	मई 18	जून 18
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1 खाद्य और पेय पदार्थ	138.6	137.4	138.1	134.9	139.1	140.1	135.7	136.4	138.4	135.2	138.1	139.5
1.1 अनाज और उत्पाद	135.2	133.7	134.7	133.5	137.4	137.6	132.9	135.0	135.3	133.3	136.6	136.9
1.2 मांस और मछली	142.7	143.8	143.1	143.7	145.7	148.6	148.7	148.2	149.7	145.5	146.6	149.0
1.3 अंडा	134.4	134.1	134.3	128.0	135.5	136.6	128.3	130.5	133.9	128.1	133.6	135.6
1.4 दूध और उत्पाद	140.3	138.6	139.6	138.6	142.9	143.2	137.3	140.7	140.8	138.1	142.1	142.3
1.5 तेल और चर्बी	121.7	114.8	119.2	120.9	123.6	124.0	113.5	116.4	116.6	118.2	121.0	121.3
1.6 फल	146.2	137.0	141.9	140.9	157.5	154.3	137.2	151.3	152.2	139.2	154.6	153.3
1.7 सब्जी	146.8	154.3	149.3	128.8	137.8	143.6	142.2	131.4	144.0	133.3	135.6	143.7
1.8 दाल और उत्पाद	136.4	123.6	132.1	140.2	127.2	126.0	128.2	112.8	112.3	136.2	122.3	121.4
1.9 चीनी और उत्पाद	119.8	120.2	119.9	118.9	111.8	112.4	120.9	105.3	108.4	119.6	109.6	111.1
1.10 मसाले	135.0	139.2	136.4	133.5	137.4	137.8	138.8	139.6	140.0	135.3	138.1	138.5
1.11 गैर नशीले पेय पदार्थ	131.1	125.0	128.5	130.4	132.2	132.9	124.2	126.6	126.7	127.8	129.9	130.3
1.12 तैयार भोजन, नाश्ता, मिठाई	149.4	145.1	147.4	146.5	154.3	154.4	143.1	148.7	149.0	144.9	151.7	151.9
2 पान, तंबाकू और मादक पदार्थ	150.0	153.8	151.0	145.8	157.0	157.3	148.6	160.3	161.0	146.5	157.9	158.3
3 कपड़ा और जूते	145.3	132.4	140.2	142.3	149.8	150.5	130.2	137.0	137.3	137.5	144.7	145.3
3.1 कपड़ा	146.1	133.8	141.3	143.1	150.8	151.4	131.5	138.6	138.9	138.5	146.0	146.5
3.2 जूते	140.0	124.7	133.7	137.7	144.1	144.7	123.2	127.9	128.7	131.7	137.4	138.1
4 आवास	—	136.4	136.4	—	—	—	131.4	143.2	142.5	131.4	143.2	142.5
5 ईंधन और लाइट	138.6	123.0	132.7	134.8	144.3	145.0	119.0	124.7	126.5	128.8	136.9	138.0
6 विविध	130.4	124.4	127.5	128.1	135.1	135.7	122.7	128.9	129.5	125.5	132.1	132.7
6.1 घरेलू सामान और सेवा	137.7	128.2	133.2	135.2	141.8	142.3	126.8	132.5	133.1	131.2	137.4	138.0
6.2 स्वास्थ्य	133.9	126.6	131.1	131.3	138.4	138.5	123.8	132.0	132.6	128.5	136.0	136.3
6.3 परिवहन और संचार	121.2	115.3	118.0	119.4	126.4	127.3	113.9	119.8	120.4	116.5	122.9	123.7
6.4 मनोरंजन	132.1	124.6	127.9	129.8	136.8	137.6	122.9	128.0	128.5	125.9	131.8	132.5
6.5 शिक्षा	139.7	135.9	137.4	136.9	144.4	146.2	134.3	140.4	141.2	135.4	142.1	143.3
6.6 व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव	126.5	124.1	125.5	124.1	131.2	131.4	122.5	128.1	128.2	123.4	129.9	130.1
सामान्य सूचकांक (सभी समूह)	137.2	132.5	135.0	133.9	139.8	140.6	129.9	135.4	136.2	132.0	137.8	138.6

स्रोत: केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 19: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2017-18	2017		2018	
				जून	मई	जून	
	1	2	3	4	5	6	
1 औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2001	4.63	284	280	289	291	
2 कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	5.89	889	877	891	894	
3 ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	—	895	884	899	902	

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 20: मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2017-18	2017		2018	
		जून	मई	जून	
	1	2	3	4	
1 मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	29,300	28,823	31,116	30,707	
2 चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	39,072	39,492	39,716	39,907	

स्रोत: मुंबई में सोने और चांदी के मूल्य के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लि. मुंबई।

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक

(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2017-18	2018			
			जून	अप्रैल	मई (अ)	जून (अ)
	1	2	3	4	5	6
1 सभी पण्य	100.000	114.9	112.7	117.3	117.9	119.2
1.1 प्राथमिक वस्तुएं	22.618	130.6	126.5	130.7	130.6	133.2
1.1.1 खाद्य वस्तुएं	15.256	143.2	139.2	139.8	140.1	141.7
1.1.1.1 खाद्यान्न (अनाज+दाल)	3.462	142.6	143.5	140.4	140.8	141.0
1.1.1.2 फल और सब्जियाँ	3.475	155.9	137.3	142.9	140.4	145.8
1.1.1.3 दूध	4.440	139.7	139.2	141.2	141.7	142.5
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.402	135.7	138.3	132.5	136.6	138.2
1.1.1.5 मसाले	0.529	125.2	118.3	127.2	127.1	128.2
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएं	0.948	144.0	143.7	145.7	144.2	142.4
1.1.2 खाद्येतर वस्तुएं	4.119	119.6	118.0	120.4	119.1	122.5
1.1.2.1 फाइबर	0.839	119.0	120.3	117.8	118.5	127.3
1.1.2.2 तिलहन	1.115	129.9	126.2	138.4	137.7	137.3
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएं	1.960	110.9	112.0	109.8	106.9	110.6
1.1.2.4 फूल	0.204	148.7	120.3	134.0	137.6	136.1
1.1.3 खनिज	0.833	122.5	118.2	140.2	138.3	140.2
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.648	109.1	103.3	128.0	126.1	128.0
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.185	169.3	170.2	182.8	180.8	182.8
1.1.3.4 कच्चा तेल और नैसर्गिक गैस	2.410	73.0	64.0	87.5	88.1	95.2
1.2 ईंधन और बिजली	13.152	93.3	89.6	99.0	101.1	104.1
1.2.1 कोल	2.138	118.7	117.5	123.1	122.9	123.0
1.2.1.1 कुकिंग कोल	0.647	134.1	135.5	132.0	131.7	132.0
1.2.1.2 नॉन-कुकिंग कोल	1.401	112.5	110.7	119.0	119.0	119.0
1.2.1.3 लिग्नाइट	0.090	104.2	95.0	122.4	120.0	120.0
1.2.2 खनिज तेल	7.950	82.5	77.3	90.2	93.6	96.9
1.2.3 बिजली	3.064	103.7	102.0	104.9	105.4	109.6
1.3 विनिर्मित उत्पाद	64.231	113.8	112.6	116.3	116.8	117.3
1.3.1 खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	9.122	127.4	127.1	127.9	127.2	128.5
1.3.1.1 मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.134	134.4	135.0	137.4	136.7	137.6
1.3.1.2 मछली, क्रस्टेशियस, मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.204	128.1	124.9	126.1	127.0	124.4
1.3.1.3 फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.138	119.1	120.0	118.7	119.6	118.2
1.3.1.4 सब्जियाँ और पशु तेल एवं चर्बी	2.643	109.4	105.9	119.2	120.0	120.4
1.3.1.5 डेयरी उत्पाद	1.165	142.1	143.3	139.0	138.6	138.9
1.3.1.6 अनाज मिल के उत्पाद	2.010	137.4	136.0	138.0	137.7	137.7
1.3.1.7 स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.110	112.6	113.5	111.7	110.6	110.1
1.3.1.8 बेकरी उत्पाद	0.215	128.8	130.6	127.3	127.5	127.9
1.3.1.9 चीनी, गुड़ और शहद	1.163	128.0	132.2	108.5	104.0	110.5
1.3.1.10 कोक, चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी	0.175	126.1	126.7	126.9	124.9	124.0
1.3.1.11 मैक्रोनी, नूडल्स, और कसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.026	131.4	134.4	128.8	128.1	132.3
1.3.1.12 चाय और कॉफी उत्पाद	0.371	129.1	133.1	141.3	138.2	142.3
1.3.1.13 प्रसंस्कृत मसाले और नमक	0.163	118.2	116.3	118.9	119.4	121.3
1.3.1.14 प्रसंस्कृत तैयार खाद्य पदार्थ	0.024	127.2	127.3	125.8	125.6	126.6
1.3.1.15 स्वास्थ्य पूरक	0.225	141.1	144.2	138.1	137.6	138.9
1.3.1.16 पशु के लिए तैयार खाद्य	0.356	153.0	155.6	152.2	152.2	153.5
1.3.2 पेय पदार्थों का विनिर्माण	0.909	118.9	117.5	119.2	119.5	119.9
1.3.2.1 शराब और स्पिरीट	0.408	113.8	114.4	112.1	111.8	112.1
1.3.2.2 माल्ट लिकर और माल्ट	0.225	117.9	116.6	116.8	117.7	119.4
1.3.2.3 शीतल पेय, मिनरल वॉटर और बोतलबन्द पानी के अन्य उत्पाद	0.275	127.4	123.0	131.7	132.4	131.8
1.3.3 विनिर्मित तंबाकू उत्पाद	0.514	148.4	144.3	148.4	149.7	150.3
1.3.3.1 तंबाकू के उत्पाद	0.514	148.4	144.3	148.4	149.7	150.3
1.3.4 वस्त्र विनिर्माण	4.881	113.4	113.6	114.9	115.5	115.9
1.3.4.1 धागों की कताई और वस्त्र तैयार करना	2.582	106.2	106.6	107.3	108.1	108.7
1.3.4.2 बुनाई और तैयार वस्त्र	1.509	122.0	121.3	124.7	125.3	124.9
1.3.4.3 बुने हुए और क्रांचिडेट फेब्रिक्स	0.193	108.6	109.2	110.8	111.5	112.2
1.3.4.4 कपड़ों को छोड़कर निर्मित वस्त्र सामग्री	0.299	124.6	124.6	124.6	125.6	126.5
1.3.4.5 डोरियाँ, रस्सी, सुतली और नेटिंग	0.098	141.7	145.7	136.6	137.1	137.6
1.3.4.6 अन्य वस्त्र	0.201	117.5	117.5	118.5	115.2	117.0
1.3.5 विनिर्मित तैयार वस्त्र	0.814	136.9	134.7	140.5	141.0	139.2
1.3.5.1 फर से बने वस्त्रों को छोड़कर वुलन के तैयार वस्त्र	0.593	137.8	137.1	140.8	141.6	139.2
1.3.5.2 बुने हुए क्रांचिडेट वस्त्र	0.221	134.5	128.4	139.5	139.4	138.9

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)

(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारत	2017-18		2018		
		2017-18	2017	2018		
				जून	अप्रैल	मई (अ)
	1	2	3	4	5	6
1.3.6 चमड़ा और उससे बने हुए उत्पाद का विनिर्माण	0.535	120.1	119.7	122.6	121.7	121.9
1.3.6.1 चमड़े की टैनिंग और ड्रेसिंग; ड्रेसिंग और फर की रंगायी	0.142	110.9	113.5	114.6	114.2	114.8
1.3.6.2 सामान, हैंडबैग, काठी और दोहन	0.075	131.2	130.4	133.9	133.6	133.3
1.3.6.3 जूते चप्पल	0.318	121.6	120.0	123.6	122.2	122.3
1.3.7 लकड़ी के विनिर्माण और लकड़ी और कॉर्क के उत्पाद	0.772	131.5	131.8	132.0	133.3	133.1
1.3.7.1 आरा मिलिंग और लकड़ी के उत्पाद	0.124	120.5	119.6	121.3	123.4	122.9
1.3.7.2 विनियर शीट, प्लायवुड का विनिर्माण, लॅमिन बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड और अन्य पॅनल और बोर्ड	0.493	131.5	131.1	133.7	135.3	135.1
1.3.7.3 बिल्डिंगों की बढ़ईगीरी	0.036	159.8	164.5	158.3	157.4	158.3
1.3.7.4 लकड़ी के डिब्बे	0.119	134.5	137.9	128.5	128.0	127.8
1.3.8 कागज़ और कागज़ के उत्पाद का विनिर्माण	1.113	118.9	118.5	120.8	121.0	120.7
1.3.8.1 लुगदी, कागज़ और कागज़ बोर्ड	0.493	122.3	122.2	125.4	126.1	126.3
1.3.8.2 लहरदार कागज़ और पेपर बोर्ड और कागज़ के पात्र और पेपर बोर्ड	0.314	116.1	116.0	115.4	115.4	114.1
1.3.8.3 कागज़ की अन्य सामग्री और पेपर बोर्ड	0.306	116.2	115.0	119.0	118.7	118.3
1.3.9 मुद्रण और रिकार्ड मीडिया का पुनरुत्पादन	0.676	143.7	144.4	143.8	146.6	146.4
1.3.9.1 मुद्रण	0.676	143.7	144.4	143.8	146.6	146.4
1.3.10 रसायन और रासायनिक उत्पाद का विनिर्माण	6.465	112.5	111.5	116.3	117.3	118.0
1.3.10.1 मूल रसायन	1.433	111.2	107.4	119.8	121.9	123.7
1.3.10.2 उर्वरक और नाइट्रोजन यौगिक	1.485	117.1	116.4	118.3	119.0	118.6
1.3.10.3 प्लास्टिक और सिंथेटिक रबड़ प्राथमिक रूप में	1.001	113.0	111.0	115.8	118.1	118.9
1.3.10.4 कीटनाशक और अन्य एगोकेमिकल उत्पाद	0.454	115.3	116.9	118.2	117.9	119.9
1.3.10.5 पेन्ट, वानिश और समान कोटिंग, मुद्रण स्याही और मैस्टिक्स	0.491	108.6	111.3	113.8	112.1	111.6
1.3.10.6 साबुन और डिटरजेंट, सफाई और चमकाने की सामग्री, इत्र और शौचालय सफाई की सामग्री	0.612	115.2	116.2	114.5	114.2	115.2
1.3.10.7 अन्य रासायनिक उत्पाद	0.692	110.1	109.5	113.7	115.3	115.9
1.3.10.8 मानव निर्मित फाइबर	0.296	97.5	94.8	101.6	102.8	103.6
1.3.11 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण	1.993	121.2	119.9	120.2	121.6	121.9
1.3.11.1 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद	1.993	121.2	119.9	120.2	121.6	121.9
1.3.12 रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद का विनिर्माण	2.299	107.6	108.0	108.5	108.5	109.0
1.3.12.1 रबड़ टायर और ट्यूब, रबड़ टायर की रीट्रीडिंग और पुनर्निर्माण	0.609	100.3	103.4	97.7	97.5	97.7
1.3.12.2 रबड़ के अन्य उत्पाद	0.272	91.0	91.6	91.4	90.5	90.7
1.3.12.3 प्लास्टिक उत्पाद	1.418	113.9	113.0	116.4	116.6	117.4
1.3.13 अन्य अधात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण	3.202	112.7	112.7	115.4	115.7	115.2
1.3.13.1 कांच और कांच उत्पाद	0.295	117.2	116.3	118.9	119.0	118.2
1.3.13.2 आग रोधक उत्पाद	0.223	113.2	117.6	110.9	110.4	112.0
1.3.13.3 मिट्टी से बनी भवन निर्माण सामग्री	0.121	94.0	98.6	102.3	101.4	98.1
1.3.13.4 चीनी मिट्टी के बर्तन और चीनी मिट्टी	0.222	112.5	112.0	112.4	112.5	112.5
1.3.13.5 सीमेन्ट, चूना और प्लास्टर	1.645	113.8	114.9	114.6	114.6	113.6
1.3.13.6 कंक्रीट, सीमेन्ट और प्लास्टर से बनी वस्तुएं	0.292	118.9	118.7	118.4	120.5	121.3
1.3.13.7 पत्थरों को काटना, आकार देना और संवारना	0.234	117.2	117.4	117.3	118.5	119.2
1.3.13.8 अन्य अधात्विक खनिज उत्पाद	0.169	89.9	73.0	127.9	129.0	129.3
1.3.14 मूल धातुओं का विनिर्माण	9.646	101.4	96.3	110.4	112.2	113.0
1.3.14.1 स्टील तैयार करने में प्रयुक्त सामग्री	1.411	98.2	92.6	109.8	111.7	113.1
1.3.14.2 मेटलिक आयरन	0.653	99.4	88.3	117.4	119.9	119.2
1.3.14.3 नरम इस्पात - अर्ध निर्मित इस्पात	1.274	93.2	89.5	98.8	100.1	100.6
1.3.14.4 नरम इस्पात - लंबे उत्पाद	1.081	95.6	89.8	108.0	109.0	110.7
1.3.14.5 नरम इस्पात - चपटे उत्पाद	1.144	104.9	97.4	119.2	120.4	120.5
1.3.14.6 स्टेनलेस स्टील के अतिरिक्त एलॉय स्टील-आकार	0.067	97.3	92.0	110.5	111.7	111.3
1.3.14.7 स्टेनलेस स्टील अर्ध निर्मित	0.924	98.2	94.0	110.1	116.2	116.6
1.3.14.8 पाइप और ट्यूब	0.205	116.1	110.3	124.5	123.6	126.4
1.3.14.9 कीमती धातु सहित अलौह धातु	1.693	107.9	103.7	111.4	113.8	114.7
1.3.14.10 कास्टिंग	0.925	104.8	103.1	107.2	106.8	107.7
1.3.14.11 स्टील से गढ़ी वस्तुएं	0.271	118.4	117.5	117.2	118.5	120.3
1.3.15 मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण	3.155	109.5	107.2	111.5	112.7	114.0
1.3.15.1 इमारती धातु उत्पाद	1.031	105.9	103.9	108.5	110.7	110.5
1.3.15.2 धातु से बने टैंक, जलाशय और डिब्बे	0.660	122.6	117.3	124.6	125.3	128.3
1.3.15.3 बाष्प चालित जनरेटर, सेंट्रल हीटिंग हॉट वाटर बॉयलरस को छोड़कर	0.145	109.0	107.8	108.5	108.5	108.5
1.3.15.4 धातु की फॉर्जिंग, दबाना, स्टैपिंग और रोल फॉर्मिंग, पाउडर धातुकर्म	0.383	90.7	89.8	88.2	90.8	93.3
1.3.15.5 कटलरी, हस्त चालित उपकरण और सामान्य हार्डवेयर	0.208	102.3	112.9	99.3	99.4	99.9
1.3.15.6 अन्य गढ़े हुए धातु उत्पाद	0.728	114.8	110.0	120.1	120.3	121.7
1.3.16 कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का विनिर्माण	2.009	110.1	109.1	111.4	111.6	111.3
1.3.16.1 इलेक्ट्रॉनिक पुरजे	0.402	103.7	105.9	101.8	102.8	101.5
1.3.16.2 कंप्यूटर और संबंधित उपकरण	0.336	127.4	127.5	127.3	127.3	127.3

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (समाप्त)

(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारत	2017-18	2017	2018		
			जून	अप्रैल	मई (अ)	जून (अ)
			1	2	3	4
1.3.16.3 संचार उपकरण	0.310	110.6	104.1	117.1	117.0	116.3
1.3.16.4 उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स	0.641	103.1	101.6	103.9	104.0	104.9
1.3.16.5 मापने, जांचने, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरण	0.181	106.9	106.6	111.4	111.4	109.2
1.3.16.6 हाथ घड़ी और दीवार घड़ी	0.076	137.8	139.4	137.4	137.4	137.4
1.3.16.7 विभासन, विद्युत चिकित्सकीय एवं विद्युत उपचारात्मक उपकरण	0.055	102.9	103.5	104.3	104.3	102.0
1.3.16.8 ऑप्टिकल उपकरण और फोटोग्राफिक उपकरण	0.008	108.0	98.2	109.6	111.8	111.8
1.3.17 इलेक्ट्रिकल उपकरण का विनिर्माण	2.930	109.6	109.0	110.9	111.3	111.6
1.3.17.1 विद्युत मोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण संबंधी उपकरण	1.298	105.8	106.4	107.3	106.7	107.3
1.3.17.2 बैटरी और एक्ज्युटिव	0.236	117.4	119.2	117.3	117.5	117.4
1.3.17.3 डेटा संचरण या छवियों के सजीव प्रसारण के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल	0.133	116.5	114.3	116.6	123.6	126.0
1.3.17.4 अन्य इलेक्ट्रॉनिक और बिजली के वायर और केबल	0.428	105.7	102.5	110.0	110.9	111.2
1.3.17.5 वायरिंग संबंधी चीजें और बिजली के प्रकाश और सजावट के उपकरण	0.263	109.9	105.7	109.4	109.1	108.1
1.3.17.6 घरेलू उपकरण	0.366	121.3	120.7	121.8	122.8	122.4
1.3.17.7 अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	0.206	107.2	106.4	107.3	107.8	108.0
1.3.18 मशीनरी और उपकरणों का विनिर्माण	4.789	108.9	108.5	110.1	109.9	110.3
1.3.18.1 इंजन और टर्बाइन, एयरक्राफ्ट, वाहन और दुपहिया वाहनों के इंजन को छोड़कर	0.638	102.3	102.7	101.9	101.0	102.2
1.3.18.2 तरल बिजली उपकरण	0.162	115.3	115.5	116.0	117.8	117.8
1.3.18.3 अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व	0.552	108.6	108.2	108.8	109.4	108.7
1.3.18.4 बेयरिंग, गियर्स, गेयरिंग और ड्राइविंग उपकरण	0.340	109.0	105.0	112.0	112.2	111.6
1.3.18.5 ओवन, फर्नेस और फर्नेस बर्नर भट्टियां	0.008	78.5	79.2	79.3	79.6	79.3
1.3.18.6 माल उठाने एवं चढ़ाने - उतारने वाले उपकरण	0.285	105.8	104.1	107.9	108.6	111.6
1.3.18.7 कार्यालय मशीनरी और उपकरण	0.006	130.2	130.2	130.2	130.2	130.2
1.3.18.8 सामान्य प्रयोजन के अन्य उपकरण	0.437	127.3	126.8	129.2	128.6	129.8
1.3.18.9 कृषि और वानिकी मशीनरी	0.833	112.8	112.3	114.5	114.1	114.0
1.3.18.10 धातु निर्माण करनेवाली मशीनरी और मशीन टूल्स	0.224	99.6	102.4	99.5	97.4	97.4
1.3.18.11 खनन, उत्खनन और निर्माण के लिए मशीनरी	0.371	75.0	76.1	74.4	73.8	74.1
1.3.18.12 खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी	0.228	121.1	120.4	122.8	121.5	123.5
1.3.18.13 कपड़ा, परिधान और चमड़े के उत्पादन से जुड़ी मशीनरी	0.192	117.4	117.7	121.3	120.2	120.1
1.3.18.14 अन्य विशेष प्रयोजनों के लिए मशीनरी	0.468	119.5	118.4	121.4	123.2	123.2
1.3.18.15 अक्षय ऊर्जा उत्पादन मशीनरी	0.046	70.4	71.1	68.8	68.8	68.6
1.3.19 मोटर वाहन, ट्रैक्टर और अर्ध-ट्रैक्टर का विनिर्माण	4.969	110.7	111.6	111.6	111.7	111.9
1.3.19.1 मोटर वाहन	2.600	112.6	114.3	112.1	111.9	112.3
1.3.19.2 मोटर वाहन पुरजे और सहायक उपकरण	2.368	108.6	108.7	111.2	111.4	111.4
1.3.20 अन्य परिवहन उपकरणों का विनिर्माण	1.648	110.2	109.3	110.4	110.5	110.5
1.3.20.1 जहाजों और तैरने वाली - वस्तुओं का निर्माण	0.117	158.8	158.8	158.8	158.8	158.8
1.3.20.2 रेलवे इंजन और रोलिंग स्टॉक	0.110	104.0	101.3	105.2	105.2	105.2
1.3.20.3 मोटर साइकल	1.302	105.3	104.3	105.1	105.2	105.3
1.3.20.4 साइकल और अवैध गाड़ी	0.117	121.3	122.5	125.4	125.7	125.2
1.3.20.5 अन्य परिवहन उपकरण	0.002	119.9	118.8	121.3	121.6	121.3
1.3.21 फर्नीचर का विनिर्माण	0.727	120.3	117.7	125.3	125.1	127.5
1.3.21.1 फर्नीचर	0.727	120.3	117.7	125.3	125.1	127.5
1.3.22 अन्य विनिर्माण	1.064	109.2	113.9	105.4	106.9	106.9
1.3.22.1 आभूषण और संबंधित सामग्री	0.996	106.7	111.9	102.4	103.8	103.8
1.3.22.2 संगीत उपकरण	0.001	171.0	147.2	182.7	178.7	173.7
1.3.22.3 खेल के सामान	0.012	126.0	127.1	126.5	126.4	126.4
1.3.22.4 खेल और खिलौने	0.005	128.2	126.8	130.0	131.7	132.0
1.3.22.5 चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरण और सामग्री	0.049	151.9	148.0	155.6	160.0	160.0
2 खाद्य सूचकांक	24.378	137.3	134.7	135.4	135.3	136.8

स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्यिक और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 22: औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक (आधार: 2011-12=100)

उद्योग	भारांक	2016-17	2017-18	अप्रैल-मई		मई	
				2017-18	2018-19	2017	2018
	1	2	3	4	5	6	7
सामान्य सूचकांक	100.00	120.0	125.2	121.1	125.9	124.8	128.8
1 क्षेत्रवार वर्गीकरण							
1.1 खनन	14.37	102.5	104.9	100.3	105.2	101.7	107.5
1.2 विनिर्माण	77.63	121.0	126.5	121.5	126.3	125.6	129.1
1.3 बिजली	7.99	141.6	149.2	154.4	159.2	158.1	164.7
2 उपयोग आधारित वर्गीकरण							
2.1 मूल वस्तुएं	34.05	117.5	121.8	119.3	124.4	122.0	128.9
2.2 पूंजीगत माल	8.22	101.5	105.3	94.3	103.4	99.7	107.3
2.3 मध्यवर्ती माल	17.22	122.3	125.1	121.5	123.0	123.3	124.4
2.4 बुनियादी/निर्माण वस्तुएं	12.34	125.0	132.0	128.0	135.6	130.8	137.2
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	12.84	122.6	123.4	122.4	127.8	125.1	130.5
2.6 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	15.33	126.5	139.7	132.2	135.3	140.9	137.3

स्रोत : केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

सं. 23: केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	वित्तीय वर्ष	अप्रैल - मई			
	2018-19 (बजट अनुमान)	2018-19 (वर्तमान)	2017-18 (वर्तमान)	बजट अनुमान का प्रतिशत	
				2018-19	2017-18
	1	2	3	4	5
1 राजस्व प्राप्तियां	17,257.4	2,677.7	1,993.0	15.5	13.1
1.1 कर राजस्व (निवल)	14,806.5	2,371.7	1,773.4	16.0	14.5
1.2 करेतर राजस्व	2,450.9	306.0	219.7	12.5	7.6
2 पूंजीगत प्राप्तियां	7,164.8	4,398.8	4,514.3	61.4	71.5
2.1 ऋण की वसूली	122.0	20.8	20.5	17.1	17.2
2.2 अन्य प्राप्तियां	800.0	87.6	76.9	11.0	10.6
2.3 उधारियां और अन्य देयताएं	6,242.8	4,290.3	4,416.9	68.7	80.8
3 कुल प्राप्तियां (1+2)	24,422.1	7,076.5	6,507.3	29.0	30.3
4 राजस्व व्यय	21,417.7	6,206.6	5,824.0	29.0	31.7
4.1 ब्याज भुगतान	5,758.0	1,449.2	1,334.1	25.2	25.5
5 पूंजी व्यय	3,004.4	869.9	683.3	29.0	22.1
6 कुल व्यय (4+5)	24,422.1	7,076.5	6,507.3	29.0	30.3
7 राजस्व घाटा (4-1)	4,160.3	3,528.9	3,831.0	84.8	119.3
8 राजकोषीय घाटा {6-(1+2)}	6,242.8	4,290.3	4,416.9	68.7	80.8
9 सकल प्राथमिक घाटा [8-4.1]	484.8	2,841.2	3,082.8	586.0	1314.4

स्रोत: महालेखानियंत्रक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 24: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप

(बिलियन ₹)

मद	2016-17	2017	2018					
		जून 30	मई 25	जून 1	जून 8	जून 15	जून 22	जून 29
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 91-दिवसीय								
1.1 बैंक	323.7	280.9	534.9	560.4	513.1	556.5	503.3	514.9
1.2 प्राथमिक व्यापारी	243.5	247.5	177.1	184.7	171.9	173.8	164.7	156.5
1.3 राज्य सरकारें	146.2	776.7	634.7	694.8	785.6	771.6	718.1	718.1
1.4 अन्य	343.4	641.3	332.9	299.7	359.5	314.1	376.4	370.4
2 182-दिवसीय								
2.1 बैंक	216.2	378.1	293.8	348.9	305.7	320.6	290.2	321.1
2.2 प्राथमिक व्यापारी	316.5	218.3	343.1	337.4	345.9	380.3	401.0	439.5
2.3 राज्य सरकारें	193.6	218.7	240.3	240.3	240.3	274.4	327.9	352.9
2.4 अन्य	120.9	56.9	216.5	186.7	241.2	212.0	244.8	195.2
3 364-दिवसीय								
3.1 बैंक	512.3	643.8	323.9	373.4	370.2	377.3	381.4	407.6
3.2 प्राथमिक व्यापारी	551.8	465.1	708.1	712.8	617.2	728.0	683.2	757.8
3.3 राज्य सरकारें	26.3	29.7	142.1	142.1	141.3	141.3	149.5	149.5
3.4 अन्य	326.4	280.5	485.2	466.3	542.8	465.5	510.5	446.7
4 14-दिवसीय मध्यवर्ती								
4.1 बैंक	-	-	-	-	-	-	-	-
4.2 प्राथमिक व्यापारी	-	-	-	-	-	-	-	-
4.3 राज्य सरकारें	1,560.6	1,178.8	1,673.6	1,512.9	904.0	788.6	1,307.4	1,322.5
4.4 अन्य	5.1	5.8	7.1	5.0	1.4	3.9	12.3	3.0
कुल खज़ाना बिल (14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर)#	3,320.8	4,237.5	4,432.7	4,547.5	4,634.7	4,715.3	4,750.9	4,830.1

14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल बिक्री योग्य नहीं है, ये बिल 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे नहीं हैं। यह बिल स्वरूप के अनुसार मध्यवर्ती हैं क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए परिसमाप्त किए जाते हैं।

सं. 25: खज़ाना बिलों की नीलामी

(राशि बिलियन ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियाँ				स्वीकृत बोलियाँ				कुल निर्गम (6+7)	कट-ऑफ मूल्य	कट-ऑफ मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या	कुल अंकित मूल्य						
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी		प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10			
91-दिवसीय खज़ाना बिल												
2018-19												
मई 30	70	40	219.01	100.00	20	70.00	100.00	170.00	98.43	6.3977		
जून 6	70	55	287.09	102.00	25	70.00	102.00	172.00	98.40	6.5219		
जून 13	70	58	949.28	32.00	7	70.00	32.00	102.00	98.40	6.5219		
जून 20	70	65	877.38	3.40	24	70.00	3.40	73.40	98.41	6.4805		
जून 27	70	53	912.31	37.00	21	70.00	37.00	107.00	98.40	6.5219		
182-दिवसीय खज़ाना बिल												
2018-19												
मई 30	40	48	139.30	0.00	17	40.00	0.00	40.00	96.72	6.8011		
जून 6	40	46	180.85	0.00	10	40.00	0.00	40.00	96.71	6.8225		
जून 13	40	51	164.93	69.13	26	40.00	69.13	109.13	96.68	6.8869		
जून 20	40	42	173.85	53.51	19	40.00	53.51	93.51	96.68	6.8869		
जून 27	40	44	187.09	25.00	19	40.00	25.00	65.00	96.68	6.8869		
364-दिवसीय खज़ाना बिल												
2018-19												
मई 30	40	68	146.80	0.00	11	40.00	0.00	40.00	93.54	6.9251		
जून 6	40	49	110.77	0.00	22	40.00	0.00	40.00	93.48	6.9939		
जून 13	40	45	84.95	0.00	29	40.00	0.00	40.00	93.40	7.0858		
जून 20	40	51	123.80	37.92	22	40.00	37.92	77.92	93.39	7.0973		
जून 27	40	55	111.42	0.00	26	40.00	0.00	40.00	93.36	7.1318		

वित्तीय बाजार

सं. 26: दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

स्थिति के अनुसार	दरों का दायरा		भारित औसत दरें
	उधार लेना/उधार देना		उधार लेना/उधार देना
	1	2	2
जून	1, 2018	4.85-6.25	5.95
जून	2, 2018	4.50-6.00	5.33
जून	4, 2018	4.85-6.25	5.86
जून	5, 2018	4.85-6.20	5.89
जून	6, 2018	4.80-6.15	5.88
जून	7, 2018	5.00-6.50	6.04
जून	8, 2018	4.80-6.15	6.02
जून	11, 2018	4.80-6.25	6.04
जून	12, 2018	4.90-6.50	6.11
जून	13, 2018	4.90-6.40	6.08
जून	14, 2018	4.90-6.40	6.09
जून	15, 2018	4.90-6.40	6.10
जून	18, 2018	4.90-6.40	6.17
जून	19, 2018	4.90-6.50	6.17
जून	20, 2018	5.00-6.55	6.24
जून	21, 2018	5.00-6.90	6.25
जून	22, 2018	5.00-6.50	6.25
जून	25, 2018	5.00-6.50	6.24
जून	26, 2018	4.90-6.50	6.16
जून	27, 2018	4.90-6.50	6.13
जून	28, 2018	4.85-6.50	6.13
जून	29, 2018	4.85-6.50	6.17
जून	30, 2018	4.65-6.40	6.25
जुलाई	2, 2018	4.90-6.75	6.13
जुलाई	3, 2018	4.90-6.60	6.11
जुलाई	4, 2018	4.90-6.50	6.09
जुलाई	5, 2018	4.80-6.55	6.07
जुलाई	6, 2018	4.80-6.35	6.14
जुलाई	7, 2018	4.70-6.40	6.23
जुलाई	9, 2018	4.90-6.35	6.18
जुलाई	10, 2018	4.90-6.35	6.15
जुलाई	11, 2018	4.90-6.35	6.17
जुलाई	12, 2018	4.90-6.35	6.14
जुलाई	13, 2018	4.90-6.45	6.16

टिप्पणी: नोटिस मुद्रा सहित

सं. 27: जमा प्रमाणपत्र

मद	2017	2018			
	जून 23	मई 11	मई 25	जून 8	जून 22
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	1,111.1	2,040.6	2,052.2	1,861.5	1,745.0
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (बिलियन ₹)	130.3	138.6	172.0	123.1	212.0
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.20-6.70	7.13-7.90	7.43-8.50	7.05-8.20	6.80-8.50

सं. 28: वाणिज्यिक पत्र

मद	2017	2018			
	जून 30	मई 15	मई 31	जून 15	जून 30
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	3,294.2	4,777.0	4,668.9	5,076.1	4,918.3
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (बिलियन ₹)	972.4	874.4	850.2	1,341.6	1,267.3
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.23-11.95	6.61-9.55	6.89-9.84	6.25-15.86	6.16-11.19

सं. 29: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर

(बिलियन ₹)

मद	2017-18	2017	2018					
		जून 30	मई 25	जून 1	जून 8	जून 15	जून 22	जून 29
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 मांग मुद्रा	245.5	168.5	315.6	260.8	328.5	292.5	428.6	263.0
2 नोटिस मुद्रा	36.6	56.8	4.5	79.3	4.4	6.6	3.3	47.5
3 मीयादी मुद्रा	9	11.6	5.1	7.9	6.7	10.9	7.0	7.1
4 सीबीएलओ	2,130.1	2,326.9	1,784.0	2,222.9	1,868.8	2,303.4	2,237.9	2,659.3
5 बाजार रिपो	1,921.8	2,022.1	1,812.5	1,935.9	2,031.6	2,167.1	2,491.1	2,146.3
6 कापरिट बांड में रिपो	3.8	1.1	8.2	0.5	4.7	7.0	7.6	3.6
7 फोरेक्स (यूएस मिलियन डॉलर)	55,345	72,009	64,600	69,148	60,304	54,623	62,202	74,203
8 भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	808.7	878.8	511.6	532.2	495.0	553.0	623.9	479.0
9 राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	45.3	103.1	27.0	31.4	33.5	27.7	29.5	29.9
10 खज़ाना बिल								
10.1 91-दिवसीय	35.5	93.6	25.7	36.1	49.7	2.0	44.9	34.3
10.2 182-दिवसीय	10.2	31.6	6.9	3.4	13.0	5.8	4.5	12.0
10.3 364-दिवसीय	10.3	8.0	12.1	3.1	11.8	6.0	9.0	2.7
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	13	90.4	—	—	25.4	70.4	13.2	23.5
11 कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	923.0	1,205.6	583.3	606.1	628.4	664.9	725.0	581.3
11.1 भारतीय रिज़र्व बैंक	—	1.6	3.8	0.0	0.0	1.4	20.1	1.3

सं. 30: गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि बिलियन ₹ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2017-18		2017-18 (अप्रैल-जून)		2018-19 (अप्रैल-जून)*		जून 2017		जून 2018 *	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 इक्विटी शेयर	214	679.9	32	71.2	44	52.6	15	56.3	10	26.9
1ए प्रीमियम	211	657.8	32	68.5	43	51.0	15	54.4	10	26.6
1.1 पब्लिक	193	466.0	29	66.3	42	51.1	14	55.1	10	26.9
1.1.1 प्रीमियम	190	448.7	29	64.1	41	49.5	14	53.5	10	26.6
1.2 राइट्स	21	213.9	3	4.9	2	1.5	1	1.2	-	-
1.2.1 प्रीमियम	21	209.1	3	4.4	2	1.5	1	0.9	-	-
2 अधिमान शेयर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2.1 पब्लिक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2.2 राइट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3 डिबेंचर	7	49.5	1	19.7	5	154.2	-	-	-	-
3.1 परिवर्तनीय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.1.1 पब्लिक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.1.2 राइट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.2 अपरिवर्तनीय	7	49.5	1	19.7	5	154.2	-	-	-	-
3.1.1 पब्लिक	7	49.5	1	19.7	5	154.2	-	-	-	-
3.1.2 राइट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4 बांड	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4.1 पब्लिक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4.2 राइट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5 कुल (1+2+3+4)	221	729.5	33	90.9	49	206.8	15	56.3	10	26.9
5.1 पब्लिक	200	515.6	30	86.0	47	205.3	14	55.1	10	26.9
5.2 राइट्स	21	213.9	3	4.9	2	1.5	1	1.2	-	-

*: आंकड़े अनंतिम हैं।

टिप्पणी: अप्रैल 2018 से मासिक डाटा का समेकन निर्गम की समाप्ति की तारीख के आधार पर की जाती है जबकि पूर्व में समेकन का कार्य निर्गम चालू होने की तारीख के आधार पर किया जाता था।

स्रोत: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)

बाह्य क्षेत्र

सं. 31: विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2017-18		2018				
		2017		फर	मार्च	अप्रैल	मई	जून
		1	2					
1 निर्यात	बिलियन ₹	19,555.4	1,483.0	1,675.7	1,896.5	1,683.1	1,956.3	1,840.3
	अमेरिकी मिलियन डालर	303,376.2	23,012.7	26,030.7	29,167.0	25,642.8	28,965.6	27,145.3
1.1 तेल	बिलियन ₹	2,413.8	140.4	213.5	214.0	177.4	354.0	268.2
	अमेरिकी मिलियन डालर	37,456.6	2,178.5	3,316.5	3,292.0	2,702.9	5,241.5	3,955.7
1.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	17,141.6	1,342.6	1,462.2	1,682.4	1,505.7	1,602.3	1,572.1
	अमेरिकी मिलियन डालर	265,919.6	20,834.1	22,714.2	25,875.1	22,940.0	23,724.1	23,189.7
2 आयात	बिलियन ₹	30,010.2	2,387.9	2,437.9	2,783.0	2,599.5	2,935.0	3,002.8
	अमेरिकी मिलियन डालर	465,578.3	37,055.2	37,871.3	42,801.2	39,604.4	43,456.1	44,294.1
2.1 तेल	बिलियन ₹	7,003.2	494.7	656.4	722.9	685.1	778.6	862.6
	अमेरिकी मिलियन डालर	108,658.6	7,677.2	10,196.0	11,117.7	10,438.6	11,528.8	12,724.6
2.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	23,007.0	1,893.2	1,781.6	2,060.1	1,914.3	2,156.4	2,140.2
	अमेरिकी मिलियन डालर	356,919.7	29,378.1	27,675.3	31,683.5	29,165.9	31,927.3	31,569.5
3 व्यापार शेष	बिलियन ₹	-10,454.7	-904.9	-762.2	-886.5	-916.4	-978.7	-1,162.6
	अमेरिकी मिलियन डालर	-162,202.1	-14,042.6	-11,840.6	-13,634.1	-13,961.6	-14,490.5	-17,148.7
3.1 तेल	बिलियन ₹	-4,589.4	-354.3	-442.9	-508.8	-507.7	-424.6	-594.5
	अमेरिकी मिलियन डालर	-71,202.0	-5,498.6	-6,879.4	-7,825.7	-7,735.7	-6,287.3	-8,768.9
3.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	-5,865.3	-550.6	-319.4	-377.7	-408.6	-554.0	-568.1
	अमेरिकी मिलियन डालर	-91,000.1	-8,544.0	-4,961.1	-5,808.5	-6,225.9	-8,203.2	-8,379.8

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय तथा वाणिज्यिक और उद्योग मंत्रालय।

सं. 32: विदेशी मुद्रा भंडार

मद	इकाई	2017		2018				
		जुलाई 21	जून 15	जून 22	जून 29	जुलाई 6	जुलाई 13	जुलाई 20
		1	2	3	4	5	6	7
1 कुल भंडार	बिलियन ₹	25,174	27,851	27,619	27,809	27,930	27,702	27,873
	अमेरिकी मिलियन डालर	391,331	410,070	407,816	406,058	405,810	405,076	405,143
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	बिलियन ₹	23,610	26,181	25,910	26,095	26,214	25,983	26,151
	अमेरिकी मिलियन डालर	367,149	385,333	382,500	380,718	380,792	380,003	380,050
1.2 स्वर्ण	बिलियन ₹	1,317	1,432	1,439	1,442	1,443	1,448	1,450
	अमेरिकी मिलियन डालर	20,349	21,229	21,332	21,370	21,040	21,115	21,140
1.3 एसडीआर	एसडीआरएस मिलियन	1,064	1,057	1,057	1,057	1,057	1,057	1,057
	बिलियन ₹	96	101	101	102	103	101	102
	अमेरिकी मिलियन डालर	1,492	1,491	1,492	1,486	1,489	1,481	1,480
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	बिलियन ₹	151	137	169	170	171	169	170
	अमेरिकी मिलियन डालर	2,341	2,017	2,493	2,484	2,489	2,476	2,474

सं. 33: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां

(अमेरिकी मिलियन डालर)

योजना	बकाया				प्रवाह		
	2017-18	2017		2018		2017-18 अप्रैल-जून	2018-19 अप्रैल-जून
		जून	मई	जून	जून		
	1	2	3	4	5	6	
1 एनआरआई जमाराशियां	126,182	118,247	123,484	123,385	1,237	2,632	
1.1 एफसीएनआर (बी)	22,026	20,898	22,246	22,381	-104	355	
1.2 एनआर (ई) आरए	90,035	84,611	87,482	87,226	1,275	1,884	
1.3 एनआरओ	14,121	12,737	13,756	13,778	66	393	

सं. 34: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(अमेरिकी मिलियन डालर)

मद	2017-18	2017-18	2018-19	2017	2018	
		अप्रैल-जून	अप्रैल-जून	जून	मई	जून
	1	2	3	4	5	6
1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)	30,286	7,144	9,840	2,098	3,863	1,168
1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1.1.2)	39,431	10,148	13,085	3,032	4,673	2,420
1.1.1.1 सकल अंतर्वाह/सकल निवेश	60,974	14,597	16,868	4,516	6,142	4,119
1.1.1.1.1 ईक्विटी	45,521	10,563	12,907	3,171	4,564	2,942
1.1.1.1.1.1 सरकारी (एसआईए/एफआईपीबी)	7,797	266	1,541	121	893	236
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिज़र्व बैंक	29,569	8,461	10,038	2,572	3,380	1,972
1.1.1.1.1.3 शेयरों की अधिप्राप्ति	7,491	1,681	1,173	426	239	683
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की ईक्विटी पूंजी	664	155	155	52	52	52
1.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	12,542	2,924	2,924	975	975	975
1.1.1.1.3 अन्य पूंजी	2,911	1,110	1,037	370	603	202
1.1.1.2 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	21,544	4,449	3,783	1,483	1,469	1,698
1.1.1.2.1 ईक्विटी	21,325	4,327	3,770	1,442	1,462	1,698
1.1.1.2.2 अन्य पूंजी	219	122	12	41	7	0
1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)	9,144	3,004	3,245	935	809	1,252
1.1.2.1 ईक्विटी पूंजी	5,254	1,760	2,186	552	511	852
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	2,853	713	713	238	238	238
1.1.2.3 अन्य पूंजी	4,525	1,239	621	381	170	259
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन/विनिवेश	3,487	708	275	236	110	97
1.2 निवल संविभागीय निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)	22,115	12,452	-9,322	4,428	-4,118	-2,071
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	-	-	-	-	-	-
1.2.2 एफआईआई	22,165	11,921	-9,107	4,251	-4,063	-1,997
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	-	-	-	-	-	-
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	50	-530	215	-177	54	74
1 विदेशी निवेश अंतर्वाह	52,401	19,595	518	6,526	-254	-903

सं. 35: वैयक्तिक निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	2017-18	2017	2018		
		जून	अप्रैल	मई	जून
	1	2	3	4	5
1 एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण	11,333.6	905.1	929.3	996.1	1,030.6
1.1 जमाराशियां	414.9	26.3	49.9	31.0	25.8
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	89.6	10.1	7.6	8.2	7.7
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	441.8	44.3	34.1	26.5	25.2
1.4 उपहार	1,169.7	83.5	142.8	118.6	107.8
1.5 दान	8.5	0.3	0.9	0.2	0.6
1.6 यात्रा	4,022.1	352.6	274.8	364.7	380.5
1.7 निकट संबंधियों का रखरखाव	2,937.4	229.5	281.5	248.8	208.5
1.8 चिकित्सा उपचार	27.5	2.4	3.2	2.1	2.1
1.9 विदेश में शिक्षा	2,021.4	144.8	115.7	178.0	257.2
1.10 अन्य	200.6	11.3	18.8	17.9	15.2

सं. 36: भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (रीर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (नीर)

मद	2016-17	2017-18	2017	2018	
			जुलाई	जून	जुलाई
	1	2	3	4	5
36-मुद्रा निर्यात और व्यापार आधारित भारांक (आधार: 2004-05=100)					
1 व्यापार आधारित भारांक					
1.1 नीर	74.65	76.94	77.35	74.13	73.87
1.2 रीर	114.51	119.71	120.02	115.55	115.15
2 निर्यात आधारित भारांक					
2.1 नीर	76.38	78.89	79.21	76.12	75.54
2.2 रीर	116.44	121.94	122.41	117.72	116.84
6-मुद्रा व्यापार आधारित भारांक					
1 आधार : 2004-05 (अप्रैल-मार्च) =100					
1.1 नीर	66.86	68.13	68.97	64.32	64.24
1.2 रीर	125.17	129.87	130.76	123.88	123.13
2 आधार : 2016-17 (अप्रैल-मार्च) =100					
2.1 नीर	100.00	101.90	103.15	96.21	96.08
2.2 रीर	100.00	103.75	104.47	98.97	98.37

सं. 37: बाह्य वाणिज्यिक उधार – पंजीकरण

(राशि अमेरिकी मिलियन डालर में)

मद	2017-18	2017	2018	
		जून	मई	जून
	1	2	3	4
1 स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	769	76	84	85
1.2 राशि	20,397	1,335	1,347	2,714
2 अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	38	2	-	-
2.2 राशि	8,471	299	-	-
3 कुल (1+2)				
3.1 संख्या	807	78	84	85
3.2 राशि	28,868	1,634	1,347	2,714
4 भारत औसत परिपक्वता (वर्षों में)	6.10	6.00	3.10	5.10
5 ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 6 महीने के लिबॉर पर भारत औसत मार्जिन या अस्थिर दर के ऋणों के लिए संदर्भ दर	1.34	2.50	1.11	1.35
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-12.25	0.00-12.00	0.00-13.88	0.30-11.00

सं. 38: भारत का समय भुगतान संतुलन

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	जन.-मार्च 2017 (आं.सं)			जन.-मार्च 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	284,017	276,705	7,312	329,455	316,218	13,237
1 चालू खाता (1.1+1.2)	139,362	141,935	-2,573	156,683	169,750	-13,066
1.1 पण्य	77,354	107,076	-29,722	82,218	123,841	-41,623
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	62,008	34,859	27,149	74,466	45,909	28,557
1.2.1 सेवाएं	41,791	23,265	18,525	51,585	31,421	20,164
1.2.1.1 यात्रा	6,720	3,655	3,065	7,710	4,728	2,983
1.2.1.2 परिवहन	4,226	3,694	533	4,688	4,941	-253
1.2.1.3 बीमा	591	439	153	638	370	268
1.2.1.4 जीएनआईई	136	146	-10	179	305	-126
1.2.1.5 विविध	30,117	15,332	14,785	38,370	21,076	17,293
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	18,514	974	17,540	19,906	1,345	18,561
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	8,320	8,239	81	9,936	9,433	503
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	1,007	1,431	-424	1,686	1,171	515
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	666	204	462	600	263	337
1.2.2 अंतरण	15,735	1,549	14,186	18,100	1,887	16,213
1.2.2.1 आधिकारिक	34	216	-183	30	219	-190
1.2.2.2 निजी	15,701	1,333	14,368	18,070	1,668	16,402
1.2.3 आय	4,482	10,045	-5,562	4,781	12,601	-7,820
1.2.3.1 निवेश आय	3,366	9,399	-6,033	3,651	11,984	-8,333
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षति पूर्ति	1,116	646	470	1,129	617	513
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	145,128	134,770	10,357	171,492	146,468	25,024
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	85,079	69,283	15,796	85,777	77,094	8,683
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	13,999	9,001	4,997	13,840	7,432	6,408
2.1.1.1 भारत में	12,342	3,201	9,141	13,097	4,492	8,605
2.1.1.1.1 इक्विटी	7,968	2,818	5,149	9,096	4,458	4,638
2.1.1.1.2 पुननिवेशित आय	3,241	-	3,241	3,393	-	3,393
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	1,133	383	750	608	34	574
2.1.1.2 विदेश में	1,657	5,800	-4,143	743	2,941	-2,198
2.1.1.2.1 इक्विटी	1,657	3,471	-1,814	743	1,263	-520
2.1.1.2.2 पुननिवेशित आय	0	731	-731	0	713	-713
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	1,598	-1,598	0	964	-964
2.1.2 संविभाग निवेश	71,080	60,282	10,799	71,937	69,661	2,276
2.1.2.1 भारत में	70,858	59,727	11,131	71,802	69,427	2,376
2.1.2.1.1 एफआईआई	70,858	59,727	11,131	71,802	69,427	2,376
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	57,118	50,678	6,440	58,274	56,148	2,126
2.1.2.1.1.2 ऋण	13,739	9,049	4,691	13,528	13,279	249
2.1.2.1.2 एडीआर /जोडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	223	554	-332	135	235	-100
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	34,267	30,279	3,987	40,835	33,870	6,965
2.2.1 बाह्य सहायता	2,020	1,154	866	2,686	1,257	1,430
2.2.1.1 भारत द्वारा	14	58	-43	14	31	-17
2.2.1.2 भारत को	2,005	1,096	909	2,673	1,225	1,447
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	6,976	7,851	-875	13,581	12,589	992
2.2.2.1 भारत द्वारा	1,736	1,675	61	6,134	6,098	36
2.2.2.2 भारत को	5,240	6,176	-936	7,447	6,491	956
2.2.3 भारत को अल्पावधि	25,270	21,274	3,996	24,568	20,025	4,543
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	24,645	21,274	3,371	22,951	20,025	2,926
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	625	0	625	1,617	0	1,617
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	16,039	29,081	-13,042	31,834	27,205	4,629
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	16,034	29,081	-13,047	31,751	27,205	4,547
2.3.1.1 आस्तियां	163	11,215	-11,053	7,132	10,960	-3,829
2.3.1.2 देयताएं	15,872	17,866	-1,994	24,620	16,244	8,375
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	15,006	12,308	2,698	20,068	15,432	4,636
2.3.2 अन्य	5	0	5	83	0	83
2.4 रुपया ऋण चुकौती	-	48	-48	-	50	-50
2.5 अन्य पूंजी	9,743	6,080	3,663	13,045	8,250	4,795
3 भूल-चूक	-472	-	-472	1,279	-	1,279
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	7,312	-7,312	0	13,237	-13,237
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	7,312	-7,312	0	13,237	-13,237

सं. 39: भारत का समय भुगतान संतुलन

(बिलियन ₹)

मद	जन.-मार्च 2017 (आं.सं)			जन.-मार्च 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समय भुगतान शेष (1+2+3)	19,032	18,542	490	21,198	20,347	852
1 चालू खाता (1.1+1.2)	9,339	9,511	-172	10,082	10,922	-841
1.1 पण्य	5,184	7,175	-1,992	5,290	7,968	-2,678
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	4,155	2,336	1,819	4,791	2,954	1,837
1.2.1 सेवाएं	2,800	1,559	1,241	3,319	2,022	1,297
1.2.1.1 यात्रा	450	245	205	496	304	192
1.2.1.2 परिवहन	283	248	36	302	318	-16
1.2.1.3 बीमा	40	29	10	41	24	17
1.2.1.4 जीएनआईई	9	10	-1	12	20	-8
1.2.1.5 विविध	2,018	1,027	991	2,469	1,356	1,113
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	1,241	65	1,175	1,281	87	1,194
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	558	552	5	639	607	32
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	67	96	-28	108	75	33
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	45	14	31	39	17	22
1.2.2 अंतरण	1,054	104	951	1,165	121	1,043
1.2.2.1 आधिकारिक	2	14	-12	2	14	-12
1.2.2.2 निजी	1,052	89	963	1,163	107	1,055
1.2.3 आय	300	673	-373	308	811	-503
1.2.3.1 निवेश आय	226	630	-404	235	771	-536
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	75	43	32	73	40	33
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	9,725	9,031	694	11,034	9,424	1,610
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	5,701	4,643	1,059	5,519	4,961	559
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	938	603	335	891	478	412
2.1.1.1 भारत में	827	214	613	843	289	554
2.1.1.1.1 इक्विटी	534	189	345	585	287	298
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	217	0	217	218	0	218
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	76	26	50	39	2	37
2.1.1.2 विदेश में	111	389	-278	48	189	-141
2.1.1.2.1 इक्विटी	111	233	-122	48	81	-33
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	49	-49	0	46	-46
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	107	-107	0	62	-62
2.1.2 संविभाग निवेश	4,763	4,040	724	4,629	4,482	146
2.1.2.1 भारत में	4,748	4,002	746	4,620	4,467	153
2.1.2.1.1 एफआईआई	4,748	4,002	746	4,620	4,467	153
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	3,828	3,396	432	3,750	3,613	137
2.1.2.1.1.2 ऋण	921	606	314	870	854	16
2.1.2.1.2 एडीआर /जोडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	15	37	-22	9	15	-6
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	2,296	2,029	267	2,628	2,179	448
2.2.1 बाह्य सहायता	135	77	58	173	81	92
2.2.1.1 भारत द्वारा	1	4	-3	1	2	-1
2.2.1.2 भारत को	134	73	61	172	79	93
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	467	526	-59	874	810	64
2.2.2.1 भारत द्वारा	116	112	4	395	392	2
2.2.2.2 भारत को	351	414	-63	479	418	62
2.2.3 भारत को अल्पावधि	1,693	1,426	268	1,581	1,288	292
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	1,652	1,426	226	1,477	1,288	188
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	42	0	42	104	0	104
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	1,075	1,949	-874	2,048	1,750	298
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	1,074	1,949	-874	2,043	1,750	293
2.3.1.1 आस्तियां	11	752	-741	459	705	-246
2.3.1.2 देयताएं	1,064	1,197	-134	1,584	1,045	539
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	1,006	825	181	1,291	993	298
2.3.2 अन्य	0	0	0	5	0	5
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	3	-3	0	3	-3
2.5 अन्य पूंजी	653	407	245	839	531	309
3 भूल-चूक	-32	0	-32	82	0	82
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	490	-490	0	852	-852
4.1 आईएमएफ	0	0	0	-	-	-
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	490	-490	0	852	-852

सं. 40: बीपीएम6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	जन.-मार्च 2017 (आं.सं)			जन.-मार्च 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	139,361	141,915	-2,554	156,683	169,730	-13,047
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	119,145	130,341	-11,196	133,803	155,262	-21,459
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	77,354	107,076	-29,722	82,218	123,841	-41,623
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	77,623	97,379	-19,756	82,872	116,776	-33,904
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	-268	0	-268	-655	0	-655
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	-	9,697	-9,697	-	7,065	-7,065
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	41,791	23,265	18,525	51,585	31,421	20,164
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्ववाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	23	11	12	55	13	43
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	68	116	-48	60	155	-95
1.अ.ख.3 परिवहन	4,226	3,694	533	4,688	4,941	-253
1.अ.ख.4 यात्रा	6,720	3,655	3,065	7,710	4,728	2,983
1.अ.ख.5 निर्माण	564	244	320	535	585	-50
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	591	439	153	638	370	268
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	1,007	1,431	-424	1,686	1,171	515
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	140	1,342	-1,203	212	1,704	-1,492
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	19,253	1,278	17,975	20,574	1,708	18,866
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	8,320	8,239	81	9,936	9,433	503
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	328	454	-126	480	616	-136
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	136	146	-10	179	305	-126
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	414	2,217	-1,803	4,830	5,691	-861
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	4,482	10,045	-5,562	4,781	12,601	-7,820
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	1,116	646	470	1,129	617	513
1.आ.2 निवेश आय	2,624	9,182	-6,558	2,844	11,841	-8,997
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	1,319	4,376	-3,057	1,337	5,968	-4,631
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	46	1,677	-1,630	56	2,347	-2,292
1.आ.2.3 अन्य निवेश	243	3,129	-2,886	268	3,515	-3,247
1.आ.2.4 रिजर्व आस्तियां	1,015	0	1,015	1,183	11	1,173
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	742	217	525	807	143	664
1.इ दिवतीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	15,734	1,529	14,205	18,099	1,868	16,231
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	15,701	1,333	14,368	18,070	1,668	16,402
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	15,155	1,075	14,080	17,484	1,260	16,224
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	546	259	288	586	408	178
1.इ.2 सामान्य सरकार	33	196	-163	29	200	-171
2 पूँजी खाता (2.1+2.2)	96	72	24	62	105	-43
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	49	13	36	6	5	1
2.2 पूँजी अंतरण	47	60	-13	56	100	-44
3 वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	145,033	142,030	3,003	171,430	159,620	11,811
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	13,999	9,001	4,997	13,840	7,432	6,408
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	12,342	3,201	9,141	13,097	4,492	8,605
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	11,209	2,818	8,390	12,489	4,458	8,031
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	7,968	2,818	5,149	9,096	4,458	4,638
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	3,241	-	3,241	3,393	-	3,393
3.1.अ.2 ऋण लिखत	1,133	383	750	608	34	574
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	1,133	383	750	608	34	574
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	1,657	5,800	-4,143	743	2,941	-2,198
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	1,657	4,202	-2,545	743	1,976	-1,234
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	1,657	3,471	-1,814	743	1,263	-520
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	-	731	-731	-	713	-713
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	1,598	-1,598	0	964	-964
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	-	1,598	-1,598	-	964	-964
3.2 संविभाग निवेश	71,080	60,282	10,799	71,937	69,661	2,276
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	70,858	59,727	11,131	71,802	69,427	2,376
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	57,118	50,678	6,440	58,274	56,148	2,126
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	13,739	9,049	4,691	13,528	13,279	249
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	223	554	-332	135	235	-100
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिजर्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	4,371	1,458	2,914	5,010	5,114	-104
3.4 अन्य निवेश	55,583	63,978	-8,395	80,643	64,175	16,468
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	15,011	12,308	2,702	20,151	15,432	4,719
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	5	0	5	83	0	83
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	15,006	12,308	2,698	20,068	15,432	4,636
3.4.2.3 सामान्य सरकार	-	-	-	-	-	-
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	10,224	25,777	-15,753	27,951	25,618	2,333
3.4.3अ भारत को ऋण	8,274	24,045	-15,771	21,803	19,489	2,313
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	1,750	1,733	18	6,148	6,129	19
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	30	171	-142	41	951	-910
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	25,270	21,274	3,996	24,568	20,025	4,543
3.4.6 अन्य खाते प्राच्य / देय-अन्य	5,247	4,446	801	7,933	2,149	5,784
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	-	-	0	-	-	-
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	7,312	-7,312	0	13,237	-13,237
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	-	-	-	-	-	-
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	-	-	-	-	-	-
3.5.3 आईएमएफ में रिजर्व निधियों की स्थिति एन.ए	-	-	-	-	-	-
3.5.4 अन्य रिजर्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	7,312	-7,312	0	13,237	-13,237
4. कुल आस्तियां / देयताएं	145,033	142,030	3,003	171,430	159,620	11,811
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	74,607	59,882	14,725	76,692	68,882	7,810
4.2 ऋण लिखत	65,178	70,390	-5,212	86,806	75,352	11,454
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	5,247	11,758	-6,510	7,933	15,386	-7,453
5. निवल भूल-चूक	-	472	-472	1,279	-	1,279

सं. 41: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(बिलियन ₹)

मद	जन.-मार्च 2017 (आं.सं)			जन.-मार्च 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1. चालू खाता (1.अ+1.आ+1.इ)	9,339	9,510	-171	10,082	10,921	-840
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1.अ.ख.)	7,984	8,734	-750	8,609	9,990	-1,381
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1.अ.क.3)	5,184	7,175	-1,992	5,290	7,968	-2,678
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	5,202	6,525	-1,324	5,332	7,514	-2,182
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	-18	0	-18	-42	0	-42
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	650	-650	0	455	-455
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	2,800	1,559	1,241	3,319	2,022	1,297
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्ववाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	5	1	1	4	1	3
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	2	8	-3	4	10	-6
1.अ.ख.3 परिवहन	283	248	36	302	318	-16
1.अ.ख.4 यात्रा	450	245	205	496	304	192
1.अ.ख.5 निमोण	38	16	21	34	38	-3
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	40	29	10	41	24	17
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	67	96	-28	108	75	33
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	9	90	-81	14	110	-96
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	1,290	86	1,205	1,324	110	1,214
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	558	552	5	639	607	32
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	22	30	-8	31	40	-9
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	9	10	-1	12	20	-8
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	28	149	-121	311	366	-55
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	300	673	-373	308	811	-503
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	75	43	32	73	40	33
1.आ.2 निवेश आय	176	615	-439	183	762	-579
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	88	293	-205	86	384	-298
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	3	112	-109	4	151	-147
1.आ.2.3 अन्य निवेश	16	210	-193	17	226	-209
1.आ.2.4 रिजर्व आस्तियां	68	0	68	76	1	75
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	50	15	35	52	9	43
1.इ दिवतीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	1,054	102	952	1,165	120	1,044
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	1,052	89	963	1,163	107	1,055
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	1,016	72	944	1,125	81	1,044
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	37	17	19	38	26	11
1.इ.2 सामान्य सरकार	2	13	-11	2	13	-11
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	6	5	2	4	7	-3
2.1 अनुत्पादित वित्तर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तरण (जमा)	3	1	2	0	0	0
2.2 पूँजी अंतरण	3	4	-1	4	6	-3
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	9,719	9,518	201	11,031	10,271	760
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1.अ+3.1.आ)	938	603	335	891	478	412
3.1.अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	827	214	613	843	289	554
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	751	189	562	804	287	517
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	534	189	345	585	287	298
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	217	0	217	218	0	218
3.1.अ.2 ऋण लिखत	76	26	50	39	2	37
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	76	26	50	39	2	37
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	111	389	-278	48	189	-141
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	111	282	-171	48	127	-79
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	111	233	-122	48	81	-33
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	49	-49	0	46	-46
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	107	-107	0	62	-62
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	107	-107	0	62	-62
3.2 संविभाग निवेश	4,763	4,040	724	4,629	4,482	146
3.2.अ भारत में संविभाग निवेश	4,748	4,002	746	4,620	4,467	153
3.2.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	3,828	3,396	432	3,750	3,613	137
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	921	606	314	870	854	16
3.2.आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	15	37	-22	9	15	-6
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिजर्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	293	98	195	322	329	-7
3.4 अन्य निवेश	3,725	4,287	-563	5,189	4,129	1,060
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	1,006	825	181	1,297	993	304
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	0	0	0	5	0	5
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	1,006	825	181	1,291	993	298
3.4.2.3 सामान्य सरकार	-	-	-	-	-	-
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	672	1,727	-1,056	1,798	1,648	150
3.4.3.अ भारत को ऋण	554	1,611	-1,057	1,403	1,254	149
3.4.3.आ भारत द्वारा ऋण	117	116	1	396	394	1
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	2	11	-10	3	61	-59
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	1,693	1,426	268	1,581	1,288	292
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	352	298	54	510	138	372
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	0	0	0	-	-	-
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	490	-490	0	852	-852
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	-	-	-	-	-	-
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	-	-	-	-	-	-
3.5.3 आईएमएफ में रिजर्व निधियों की स्थिति एन.ए	-	-	-	-	-	-
3.5.4 अन्य रिजर्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	490	-490	0	852	-852
4. कुल आस्तियां / देयताएं	9,719	9,518	201	11,031	10,271	760
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	5,000	4,013	987	4,935	4,432	503
4.2 ऋण लिखत	4,368	4,717	-349	5,585	4,848	737
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	352	788	-436	510	990	-480
5. निवल भूल-चूक		32	-32	82		82

सं. 42: अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	वित्तीय वर्ष / समाप्त तिमाही की स्थिति							
	2017-18		2017				2018	
	आस्तियां	देयताएं	मार्च		दिसं.		मार्च	
			आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
1	2	3	4	5	6	7	8	
1 विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	157,373	379,440	148,229	342,618	155,176	377,478	157,373	379,440
1.1 इक्विटी पूंजी और पुनर्निवेशित अर्जन	103,734	363,190	99,114	327,845	102,500	361,451	103,734	363,190
1.2 अन्य पूंजी	53,640	16,250	49,115	14,772	52,676	16,026	53,640	16,250
2 संविभाग निवेश	2,665	272,202	2,615	238,364	2,565	267,497	2,665	272,202
2.1 इक्विटी	1,246	155,106	1,593	153,978	2,281	155,675	1,246	155,106
2.2 ऋण	1,418	117,096	1,022	84,386	284	111,822	1,418	117,096
3 अन्य निवेश	48,235	401,516	49,072	377,356	46,281	390,267	48,235	401,516
3.1 व्यापार ऋण	1,696	103,154	1,794	88,897	1,572	98,442	1,696	103,154
3.2 ऋण	8,225	159,670	7,375	159,476	5,577	155,927	8,225	159,670
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	20,790	126,456	22,041	117,110	20,769	123,546	20,790	126,456
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	17,524	12,236	17,862	11,872	18,363	12,351	17,524	12,236
4 रिज़र्व्स	424,545	–	369,955	–	409,072	–	424,545	–
5 कुल आस्तियां/देयताएं	632,818	1,053,157	569,870	958,337	613,094	1,035,241	632,818	1,053,157
6 आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)		-420,339		-388,467		-422,147		-420,339

भुगतान और निपटान प्रणाली

सं. 43: भुगतान प्रणाली संकेतक

प्रणाली	मात्रा (मिलियन)				मूल्य (बिलियन ₹)			
	2017-18	2018			2017-18	2018		
		अप्रैल	मई	जून		अप्रैल	मई	जून
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 आरटीजीएस	124.46	10.66	11.49	11.43	1,467,431.99	120,758.20	132,353.84	142,541.58
1.1 ग्राहक लेनदेन	120.71	10.37	11.19	11.14	1,036,698.74	82,457.44	93,765.34	101,133.89
1.2 अंतरबैंक लेनदेन	3.72	0.29	0.30	0.29	130,426.03	11,588.31	11,955.59	13,065.14
1.3 अंतरबैंक समाशोधन	0.024	0.002	0.002	0.002	300,307.22	26,712.46	26,632.91	28,342.55
2 सीसीआईएल परिचालित प्रणाली	3.50	0.32	0.33	0.30	1,074,802.02	88,118.72	94,214.93	92,619.44
2.1 सीबीएलओ	0.20	0.01	0.02	0.02	283,307.58	20,391.16	23,278.32	24,828.84
2.2 सरकारी प्रतिभूतियों का समाशोधन	1.12	0.10	0.08	0.08	370,363.78	27,275.05	29,277.16	30,639.42
2.2.1 एकमुश्त	0.92	0.08	0.06	0.06	113,998.80	8,828.96	6,045.64	6,670.83
2.2.2 रिपो	0.199	0.015	0.020	0.020	256,364.98	18,446.09	23,231.52	23,968.60
2.3 विदेशी समाशोधन	2.17	0.20	0.23	0.21	421,130.66	40,452.51	41,659.44	37,151.17
3 पेपर समाशोधन	1,171.31	92.47	96.71	97.30	81,934.93	7,271.80	7,215.22	7,196.71
3.1 चेक ट्रंक्शन प्रणाली	1,138.05	90.93	95.25	96.39	79,451.24	7,155.21	7,102.42	7,092.78
3.2 एमआईसीआर समाशोधन	-	-	-	-	-	-	-	-
3.2.1 आरबीआई के केन्द्र	-	-	-	-	-	-	-	-
3.2.2 अन्य केन्द्र	-	-	-	-	-	-	-	-
3.3 गैर-एमआईसीआर समाशोधन	33.27	1.53	1.46	0.91	2,483.68	116.59	112.81	103.92
4 खुदरा इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन	5,467.29	541.12	527.20	533.60	192,017.98	18,588.66	19,214.69	21,262.17
4.1 ईसीएस नामे	1.54	0.05	0.08	0.13	9.72	0.24	0.27	0.77
4.2 ईसीएस जमा (एनईसीएस शामिल है)	6.14	0.65	0.50	0.42	118.64	12.34	10.29	12.56
4.3 ईएफटी/एनईएफटी	1,946.36	167.35	172.91	177.15	172,228.52	16,326.64	17,151.96	19,017.08
4.4 तुरंत भुगतान सेवाएं (आईएमपीएस)	1,009.80	109.55	116.62	120.49	8,924.98	1,022.40	1,085.75	1,130.12
4.5 राष्ट्रीय स्वचालित समाशोधन गृह (एनएसीएच)	2,503.46	263.52	237.09	235.41	10,736.12	1,227.04	966.41	1,101.64
5 कार्ड	13,358.62	1,225.75	1,238.58	1,172.75	38,214.64	3,554.28	3,589.60	3,622.56
5.1 क्रेडिट कार्ड	1,412.97	133.05	138.41	136.73	4,626.33	451.74	474.01	466.29
5.1.1 एटीएम का प्रयोग	7.81	0.73	0.74	0.75	36.68	3.40	3.49	3.53
5.1.2 पीओएस का प्रयोग	1,405.16	132.32	137.66	135.98	4,589.65	448.34	470.52	462.76
5.2 डेबिट कार्ड	11,945.65	1,092.70	1,100.17	1,036.02	33,588.31	3,102.54	3,115.59	3,156.27
5.2.1 एटीएम का प्रयोग	8,602.26	758.94	748.04	752.71	28,987.61	2,647.97	2,647.51	2,677.04
5.2.2 पीओएस का प्रयोग	3,343.39	333.77	352.12	283.31	4,600.70	454.57	468.08	479.23
6 प्रीपेड भुगतान लिखत (पीपीआई)	3,459.05	326.17	350.36	332.95	1,416.34	133.80	155.21	163.46
6.1 एम-वॉलेट	3,025.98	279.29	325.41	309.62	1,086.75	116.95	140.47	146.32
6.2 पीपीआई कार्ड	432.63	46.87	24.93	23.31	310.41	16.63	14.57	16.65
6.3 पेपर वाउचर	0.44	0.02	0.02	0.02	19.19	0.22	0.17	0.49
7 मोबाइल बैंकिंग	1,872.26	250.62	267.78	306.42	14,738.54	1,348.39	1,774.47	1,894.66
8 कार्ड बकाया	898.56	944.14	963.71	983.64	-	-	-	-
8.1 क्रेडिट कार्ड	37.48	37.78	38.60	39.37	-	-	-	-
8.2 डेबिट कार्ड	861.08	906.36	925.11	944.27	-	-	-	-
9 एटीएम की संख्या (वास्तव में)	222247	223177	226216	226452	-	-	-	-
10 पीओएस की संख्या (वास्तव में)	3083067	3193356	3247096	3311184	-	-	-	-
11 कुल जोड़ (1.1+1.2+2+3+4+5+6)	23,584.20	2,196.49	2,224.66	2,148.34	2,555,510.68	211,713.00	230,110.58	239,063.36

टिप्पणी: पिछले 12 माह अवधि का डाटा अनंतिम है।

मोबाइल बैंकिंग - जुलाई 2017 के आंकड़ों में मोबाइल उपकरण का प्रयोग करते हुए प्रारंभ, संसाधित और अधिकृत किए गए वैयक्तिक और कारपोरेट भुगतानों को ही शामिल किया गया है। अन्य कारपोरेट भुगतान जो मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए प्रारंभ, संसाधित और प्राधिकृत नहीं किए गए हैं उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया है।

अवसरिक श्रृंखलाएं

सं. 44: लघु बचत

(बिलियन ₹)

योजना		2016-17	2016	2017		
			नव.	सित.	अक्तू.	नव.
		1	2	3	4	5
1. लघु बचत	प्राप्तियां	4,341.75	498.25	57.85	48.27	51.20
	बकाया	7,312.73	7,191.30	7,616.73	7,664.67	7,715.69
1.1 कुल जमाराशियां	प्राप्तियां	3,879.55	471.74	45.81	43.37	46.06
	बकाया	4,689.77	4,640.64	4,938.29	4,981.66	5,027.72
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	2,474.46	368.23	12.27	14.34	10.59
	बकाया	920.64	925.56	981.11	995.45	1,006.04
1.1.2 एमजीएनआरईजी	प्राप्तियां	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	0.56	-0.03	-0.18	-0.15	-0.24
	बकाया	33.01	33.37	31.39	31.24	31.00
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	0.01	-0.01	-0.01	-0.02	-0.06
	बकाया	-0.48	-0.28	0.39	0.37	0.31
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	353.34	20.65	0.42	-1.59	-1.91
	बकाया	1,800.66	1,823.48	1,795.25	1,793.66	1,791.75
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना, 2004	प्राप्तियां	100.02	5.44	10.37	6.93	10.36
	बकाया	294.53	262.14	358.82	365.75	376.11
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	476.65	30.28	16.07	15.13	18.59
	बकाया	796.58	761.04	884.92	900.05	918.64
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	518.38	512.97	554.44	560.57	568.91
	बकाया	36.58	33.82	42.12	42.84	43.55
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	51.77	50.11	55.49	56.31	57.28
	बकाया	189.85	164.14	232.87	240.33	248.90
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	474.51	47.18	7.07	8.73	8.73
	बकाया	844.53	834.93	886.31	895.04	903.77
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	प्राप्तियां	0.00	0.00	-0.20	0.00	0.00
	बकाया	0.08	0.18	-0.12	-0.12	-0.12
1.1.9 डाक घर सावधि मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	0.22	0.22	0.22	0.22	0.22
1.2 बचत प्रमाणपत्र	प्राप्तियां	289.85	17.79	8.58	3.10	2.88
	बकाया	1,989.35	1,957.79	2,031.79	2,034.56	2,037.26
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	प्राप्तियां	120.63	6.76	-2.36	-0.10	0.01
	बकाया	872.39	870.23	846.35	846.25	846.26
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	प्राप्तियां	0.00	0.00	-0.01	-0.10	0.00
	बकाया	8.86	8.89	8.80	8.70	8.70
1.2.3 किसान विकास पत्र	प्राप्तियां	-0.01	0.01	-12.09	-13.20	-15.57
	बकाया	535.72	572.70	465.29	452.09	436.52
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	प्राप्तियां	169.23	11.02	23.08	16.54	18.48
	बकाया	460.23	393.31	600.25	616.79	635.27
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	प्राप्तियां	0.00	0.00	-0.04	-0.03	-0.04
	बकाया	-1.12	-1.02	-1.30	-1.33	-1.37
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	प्राप्तियां	0.00	0.00	0.00	-0.01	0.00
	बकाया	-0.62	-0.60	-0.62	-0.63	-0.63
1.2.7 अन्य प्रमाणपत्र	प्राप्तियां	113.89	114.28	113.02	112.69	112.51
	बकाया	113.89	114.28	113.02	112.69	112.51
1.3 लोक भविष्य निधि	प्राप्तियां	172.35	8.72	3.46	1.80	2.26
	बकाया	633.61	592.87	646.65	648.45	650.71

टिप्पणी: अप्रैल 2017 से प्राप्तियों पर प्राप्त डाटा निवल प्राप्तियां अर्थात् सकल भुगतानों और सकल प्राप्तियों का अंतर है।
स्रोत: महालेखाकार, डाक और तार।

सं. 45: केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2017				2018
	मार्च	जून	सितं.	दिसं.	मार्च
	1	2	3	4	5
(क) कुल (₹ बिलियन में)	49109.75	50430.94	51451.83	52813.50	53967.78
1. वाणिज्यिक बैंक	40.46	39.68	40.37	41.40	42.68
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.16	0.31	0.33	0.33	0.29
3. बीमाकृत कंपनियां	22.90	23.13	23.49	23.63	23.49
4. म्यूच्युअल फंड	1.49	1.44	1.86	1.33	1.00
5. सहकारी बैंक	2.70	2.65	2.62	2.69	2.57
6. वित्तीय संस्थाएं	0.81	0.73	0.78	0.82	0.90
7. कॉरपोरेट	1.05	1.29	1.04	1.09	0.91
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	3.53	4.29	4.58	4.53	4.35
9. भविष्य निधियां	6.27	6.13	5.99	5.32	5.88
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	14.65	14.29	12.84	11.94	11.62
11. अन्य	5.98	6.07	6.11	6.92	6.30
11.1 राज्य सरकार	1.92	1.91	1.92	1.91	1.91

राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2017				2018
	मार्च	जून	सितं.	दिसं.	मार्च
	1	2	3	4	5
(ख) कुल (₹ बिलियन में)	20893.41	21467.07	22488.35	23329.53	24288.29
1. वाणिज्यिक बैंक	39.01	37.94	37.64	38.13	35.79
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.45	0.45	0.38	0.51	0.51
3. बीमाकृत कंपनियां	32.50	33.53	34.00	33.35	34.13
4. म्यूच्युअल फंड	2.42	1.89	1.92	1.68	1.64
5. सहकारी बैंक	4.75	4.82	4.82	4.78	4.78
6. वित्तीय संस्थाएं	0.30	0.27	0.22	0.22	0.35
7. कॉरपोरेट	0.17	0.11	0.11	0.13	0.15
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.07	0.08	0.16	0.21	0.23
9. भविष्य निधियां	17.27	18.10	18.37	17.05	19.67
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	3.05	2.81	2.37	3.94	2.76
11.1 राज्य सरकार	-	-	-	-	-

खज़ाना बिल					
श्रेणी	2017				2018
	मार्च	जून	सितं.	दिसं.	मार्च
	1	2	3	4	5
(ग) कुल (₹ बिलियन में)	3320.80	6135.01	5704.50	5102.82	3798.76
1. वाणिज्यिक बैंक	57.85	53.96	52.15	48.40	60.74
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	1.27	1.14	1.38	1.67	2.17
3. बीमाकृत कंपनियां	4.58	3.20	4.32	5.22	4.17
4. म्यूच्युअल फंड	7.85	15.31	12.44	10.40	2.27
5. सहकारी बैंक	5.62	2.48	2.33	2.05	2.42
6. वित्तीय संस्थाएं	4.57	2.60	3.54	3.97	3.55
7. कॉरपोरेट	1.83	1.54	1.64	2.12	2.45
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9. भविष्य निधियां	0.35	0.06	0.20	0.02	0.11
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	16.09	19.72	22.01	26.17	22.12
11.1 राज्य सरकार	11.02	16.71	18.73	21.81	16.35

सं. 46: केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण

(बिलियन ₹)

मद	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (सं.अ.)	2017-18 (ब.अ.)
	1	2	3	4	5	6
1. कुल वितरण	26,949.34	30,002.99	32,852.10	37,606.11	45,262.22	48,790.15
1.1 गतिविधियां	15,741.62	17,142.21	18,720.62	22,012.87	27,428.88	29,232.49
1.1.1 राजस्व	12,807.14	13,944.26	14,830.18	16,682.50	20,355.66	22,094.05
1.1.2 पूंजी	2,446.11	2,785.08	3,322.62	4,120.69	5,225.50	6,113.50
1.1.3 ऋण	488.38	412.88	567.82	1,209.68	1,847.72	1,024.94
1.2 गैर गतिविधियां	10,850.47	12,427.83	13,667.69	15,108.10	17,238.78	18,894.52
1.2.1 राजस्व	9,991.40	11,413.65	12,695.20	13,797.27	16,327.22	18,012.07
1.2.1.1 ब्याज भुगतान	4,543.06	5,342.30	5,845.42	6,480.91	7,309.44	8,062.19
1.2.2 पूंजी	837.14	990.37	946.87	1,273.06	889.24	858.00
1.2.3 ऋण	21.93	23.81	25.63	37.77	22.31	24.45
1.3 अन्य	357.24	432.95	463.79	485.14	594.56	663.14
2. कुल प्राप्तियां	27,690.29	30,013.72	31,897.37	37,780.49	44,406.35	48,534.44
2.1 राजस्व प्राप्तियां	19,716.19	22,114.75	23,876.93	27,483.74	33,816.92	37,622.09
2.1.1 कर प्राप्तियां	16,879.59	18,465.45	20,207.28	22,971.01	26,417.46	30,106.46
2.1.1.1 पण्य और सेवाओं पर कर	10,385.91	11,257.81	12,123.48	14,409.52	16,828.49	18,964.48
2.1.1.2 आय और संपत्ति पर कर	6,462.73	7,176.34	8,051.76	8,522.71	9,546.20	11,095.19
2.1.1.3 संघशासित क्षेत्र (बिना विधान मंडल के) के कर	30.94	31.30	32.04	38.78	42.77	46.79
2.1.2 गैर-कर प्राप्तियां	2,836.60	3,649.30	3,669.65	4,512.72	7,399.47	7,515.62
2.1.2.1 ब्याज प्राप्तियां	355.43	401.62	396.22	357.79	344.14	297.17
2.2 गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां	389.20	391.13	609.55	598.27	607.58	1,249.63
2.2.1 ऋण और अग्रिम की वसूली	129.29	93.85	220.72	165.61	148.28	522.79
2.2.2 विनिवेश से प्राप्त राशि	259.91	297.28	388.83	432.66	459.30	726.84
3. सकल वित्तीय घाटा [1-(2.1+2.2)]	6,843.95	7,497.11	8,365.63	9,524.10	10,837.71	9,918.43
3 क वित्तपोषण के स्रोत : संस्था-वार						
3क.1 घरेलू वित्तपोषण	6,771.94	7,424.19	8,236.30	9,396.62	10,688.98	9,760.54
3क.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	3,352.80	3,358.58	-374.76	2,310.90	6,181.23	1,581.19
3क.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि. बैंक का ऋण	548.40	1,081.30	-3,341.85	604.72	1,958.16	-1,448.47
3क.1.2 सरकार को गैर-बैंक ऋण	3,419.14	4,065.61	8,611.06	7,085.72	4,507.75	8,179.35
3क.2 बाह्य वित्तपोषण	72.01	72.92	129.33	127.48	148.73	157.89
3ख. वित्तपोषण के स्रोत : लिखत-वार						
3ख.1 घरेलू वित्तपोषण	6,771.94	7,424.19	8,236.30	9,396.62	10,688.98	9,760.54
3ख.1.1 बाजार उधार (निवल)	6,536.94	6,391.99	6,640.58	6,732.98	7,004.11	7,535.86
3ख.1.2 लघु बचत (निवल)	-85.70	-142.81	-565.80	-785.15	-1,091.76	-941.16
3ख.1.3 राज्य भविष्य निधियां (निवल)	329.94	312.90	343.39	352.61	374.53	383.39
3ख.1.4 आरक्षित निधियां	-4.12	34.63	51.09	-33.22	-82.42	-10.45
3ख.1.5 जमाराशियां और अग्रिम	27.22	255.45	275.45	134.70	386.99	502.14
3ख.1.6 नकद शेष	-740.96	-10.72	954.74	-174.38	855.86	255.70
3ख.1.7 अन्य	708.62	582.75	536.84	3,169.08	3,241.68	2,035.04
3ख.2 बाह्य वित्तपोषण	72.01	72.92	129.33	127.48	148.73	157.89
4. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल वितरण	27.1	26.7	26.3	27.3	30.0	29.0
5. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल प्राप्तियां	27.8	26.7	25.6	27.4	29.5	28.8
6. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर राजस्व प्राप्तियां	19.8	19.7	19.2	20.0	22.4	22.3
7. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कर प्राप्तियां	17.0	16.4	16.2	16.7	17.5	17.9
8. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर सकल वित्तीय घाटा	6.9	6.7	6.7	6.9	7.2	5.9

स्रोत: केन्द्रीय और राज्य सरकारों का बजट दस्तावेज

...: उपलब्ध नहीं। आरई: संशोधित अनुमान;

बीई: बजट अनुमान

सं.47: विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	जून 2018 के दौरान					
		विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ)		अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए)		ओवरड्राफ्ट (ओडी)	
		प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	
1	आंध्र प्रदेश	6.38	16	8.33	11	5.63	2
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
3	असम	-	-	-	-	-	-
4	बिहार	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	1.04	15	0.06	2	-	-
7	गुजरात	-	-	-	-	-	-
8	हरियाणा	-	-	-	-	-	-
9	हिमाचल प्रदेश	-	-	2.06	3	-	-
10	जम्मू और कश्मीर	-	-	3.82	13	-	-
11	झारखंड	-	-	-	-	-	-
12	कर्नाटक	-	-	-	-	-	-
13	केरल	0.74	13	3.23	13	-	-
14	मध्य प्रदेश	-	-	2.62	2	-	-
15	महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-
16	मणिपुर	-	-	-	-	-	-
17	मेघालय	-	-	-	-	-	-
18	मिज़ोरम	-	-	-	-	-	-
19	नगालैंड	1.36	11	-	-	-	-
20	उड़ीसा	-	-	-	-	-	-
21	पुदुचेरी	-	-	-	-	-	-
22	पंजाब	0.07	27	6.38	26	1.52	7
23	राजस्थान	-	-	-	-	-	-
24	तमिलनाडु	-	-	-	-	-	-
25	तेलंगाना	1.01	7	-	-	-	-
26	त्रिपुरा	-	-	-	-	-	-
27	उत्तरप्रदेश	-	-	-	-	-	-
28	उत्तराखंड	1.02	18	1.09	11	-	-
29	पश्चिम बंगाल	16.68	8	-	-	-	-

स्रोत: भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 48: राज्य सरकारों द्वारा किए गये निवेश

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	मई 2018 के दौरान			
		समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ)	गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ)	सरकारी प्रतिभूतियाँ	निलामी खजाना बिल (एटीबी)
	1	2	3	4	5
1	आंध्र प्रदेश	70.06	6.90	0.10	0
2	अरुणाचल प्रदेश	7.95	0.00	--	0
3	असम	42.92	0.40	0	30.00
4	बिहार	52.44	--	0	100.00
5	छत्तीसगढ़	34.29	--	0.01	0
6	गोवा	4.82	2.39	--	0
7	गुजरात	115.99	4.07	0	0
8	हरियाणा	17.66	10.11	0	0
9	हिमाचल प्रदेश	--	--	--	0
10	जम्मू और कश्मीर	--	--	--	0
11	झारखंड	0	--	0	0
12	कर्नाटक	26.27	--	0	60.00
13	केरल	18.22	--	0	0
14	मध्य प्रदेश	--	7.82	0.00	0
15	महाराष्ट्र	277.13	--	--	430.00
16	मणिपुर	3.20	0.85	0	0
17	मेघालय	4.71	0.22	0.09	0
18	मिज़ोरम	4.40	0.21	--	0
19	नगालैंड	12.56	0.27	--	0
20	उड़ीसा	113.49	12.23	0.71	200.50
21	पुदुचेरी	2.69	--	--	8.12
22	पंजाब	0	0	0.08	0
23	राजस्थान	--	--	1.29	72.92
24	तमिलनाडु	56.12	--	0.46	288.85
25	तेलंगाना	40.73	5.94	0.07	0
26	त्रिपुरा	3.82	0.03	--	0
27	उत्तरप्रदेश	--	--	1.87	0
28	उत्तराखंड	25.41	0.67	0.01	0
29	पश्चिम बंगाल	89.87	3.56	2.14	30.00
	कुल	1024.75	55.67	6.83	1220.39

सं. 49: राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य	2018-19											
		2016-17		2017-18		अप्रैल		मई		जून		2018-19 में अब तक कुल राशि उठाई गई है	
		सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल	निवल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	
1	आंध्र प्रदेश	195.00	177.06	228.00	189.22	15.53	15.53	35.00	35.00	20.00	17.08	70.53	67.62
2	अरुणाचल प्रदेश	4.53	2.87	8.88	7.03	4.00	4.00	-	-	-	-	4.00	4.00
3	असम	30.90	19.94	77.60	67.97	15.00	15.00	-	-	-	-	15.00	15.00
4	बिहार	177.00	168.15	100.00	89.08	-	-	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	42.00	38.98	81.00	81.00	-	-	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	13.20	11.71	18.00	14.00	1.50	1.50	1.50	1.50	1.50	1.50	4.50	4.50
7	गुजरात	247.20	209.44	240.00	157.85	40.00	40.00	10.00	10.00	-	-	50.00	50.00
8	हरियाणा	158.00	153.59	166.40	158.40	5.25	5.25	-	-	-	-	5.25	5.25
9	हिमाचल प्रदेश	34.00	21.63	46.00	25.51	-	-	7.00	7.00	8.00	8.00	15.00	15.00
10	जम्मू और कश्मीर	27.90	18.99	62.00	39.74	6.00	6.00	6.00	0.36	5.00	5.00	17.00	11.36
11	झारखंड	51.54	47.25	60.00	48.07	-	-	-	-	-	-	-	-
12	कर्नाटक	280.07	240.26	220.98	173.48	-	-	-	-	-	-	-	-
13	केरल	173.00	146.86	205.00	162.03	45.00	41.15	10.00	5.00	10.00	10.00	65.00	56.15
14	मध्य प्रदेश	161.00	145.51	150.00	131.25	20.00	20.00	10.00	10.00	-	-	30.00	30.00
15	महाराष्ट्र	400.00	364.72	450.00	364.80	15.00	15.00	34.85	34.85	-	-	49.85	49.85
16	मणिपुर	6.30	4.78	5.25	2.78	3.50	3.50	-	-	-	-	3.50	3.50
17	मेघालय	10.01	7.18	11.16	9.20	-	-	-	-	-	-	-	-
18	मिज़ोरम	1.70	-0.35	4.24	2.77	-	-	-	-	-	-	-	-
19	नगालैंड	10.70	7.33	11.35	7.66	2.00	0.40	-	-	-	-	2.00	0.40
20	उड़ीसा	76.20	69.90	84.38	84.38	5.00	5.00	10.00	10.00	10.00	10.00	25.00	25.00
21	पुदुचेरी	5.25	5.25	8.25	4.88	-	-	-	-	-	-	-	-
22	पंजाब	136.00	121.44	174.70	133.49	24.50	24.50	11.75	11.75	5.00	5.00	41.25	41.25
23	राजस्थान	160.54	143.25	249.14	167.77	15.00	15.00	25.00	25.00	50.30	27.18	90.30	67.18
24	सिक्कीम	7.44	5.74	9.95	7.45	-	-	-	-	-	-	-	-
25	तमिलनाडु	372.50	349.94	409.65	360.23	25.00	25.00	31.70	31.70	25.00	25.00	81.70	81.70
26	तेलंगाना	218.61	205.79	246.00	218.28	40.00	40.00	25.00	25.00	10.00	7.92	75.00	72.92
27	त्रिपुरा	9.90	7.53	11.37	11.37	5.00	5.00	-	-	-	-	5.00	5.00
28	उत्तरप्रदेश	410.50	369.05	416.00	371.78	25.00	25.00	25.00	15.00	30.00	20.00	80.00	60.00
29	उत्तराखंड	54.50	50.81	66.60	58.30	5.00	2.50	6.00	4.00	5.00	5.00	16.00	11.50
30	पश्चिम बंगाल	344.31	312.30	369.11	253.04	-	-18.53	-	-10.00	20.00	12.00	20.00	-16.53
	कुल	3819.79	3426.92	4191.00	3402.81	317.28	290.80	248.80	216.16	199.80	153.68	765.88	660.64

-: शून्य

स्रोत: भारतीय रिज़र्व बैंक

वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

सारणी सं. 1

- 1.2 और 6: वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।
 3.5 और 3.7: वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।
 4.1 से 4.4, 4.8, 4.12 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।
 4.5, 4.6 और 4.7 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।
 4.9 से 4.11 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम निलामी दिन से संबंधित है।
 4.13 आरबीआई के 31 मार्च 2018 के परिपत्र एफएमआरडी.डीआईआरडी.7/14.03.025/2017-18 के अनुसार फाइनेंशियल बेंचमार्क इंडिया प्रा.लि. (एफबीआईएल) ने 31 मार्च 2018 से जी-सेक बेंचमार्क का प्रकाशन करना शुरू किया है।

सारणी सं. 2

- 2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल है।
 2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियों और अल्पावधि प्रतिभूतियों/बांडों सहित जैसे - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी।

सारणी सं. 4

<http://nsdp.rbi.org.in> के 'रिज़र्व टैम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वतावार बकाया फॉर्बर्ड संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

सारणी सं. 5

अन्य को विशेष पुर्नवित्त सुविधा, अर्थात् एक्जिम बैंक को 31 मार्च 2013 से बंद है।

सारणी सं. 6

- अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकड़े सूचना देने के लिए नियत अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।
 2.2 : आईएमएफ खाता सं.1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

सारणी सं. 7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4: आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांड शामिल हैं।

सारणी सं. 8

- एनएम2 और एनएम3 में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।
 2.4: चुकता पूंजी और आरक्षित राशि शामिल हैं।
 2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

सारणी सं. 9

वित्तीय संस्थाओं में एक्जिम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।
 एल1 और एल2 मासिक आधार पर और एल3 तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।
 जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनः दिए गए हैं।

सारणी सं. 13

कालम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम हैं।

सारणी सं. 14

कालम सं. (4) और (8) में दर्शाए गए आंकड़ें अनंतिम हैं।

सारणी सं. 15 और 16

डाटा अनंतिम है और चुनिंदा 41 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से संबंधित है जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (आईएनजी वैश्य को छोड़ कर जिसे अप्रैल 2015 को कोटक महिंद्रा के साथ विलय किया गया है) द्वारा कुल दिये गये कुल खाद्येतर ऋण के 90 प्रतिशत शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंक से संबंधित है।

मद 2.1 के अंतर्गत माइक्रो और लघु में विनिर्माण क्षेत्र में माइक्रो और लघु उद्योग को ऋण शामिल है।

मद 5.2 के अंतर्गत माइक्रो और लघु उद्यमों में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में माइक्रो तथा लघु उद्यमों को ऋण शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है और दि . 23 अप्रैल 2015 के एफआईडीडी परिपत्र एफआईडीडी. केका. प्लान .बीसी.54/ 04.09.01/2014-15 के अनुरूप नहीं है।

सारणी सं. 17

2.1.1: राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।

2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं है।

4. : आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

सारणी सं. 24

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

सारणी सं. 30

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।

1: बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।

2: संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वि - अधिमान शेयर शामिल हैं।

सारणी सं. 32

आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांडों में निवेश तथा सार्क स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा और भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक को अंतरित एसडीआर शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिज़र्व में रखी गैर यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यहास को शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रूपी-अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों में परिवर्तित किया गया है।

सारणी सं. 34

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.4 : अनुमान

1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान

‘अन्य पूंजी’ एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी संस्थाओं/शाखाओं के बीच के ऋण संबंधी लेनदेन से संबंधित है। हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय-अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान-संतुलन के आंकड़ों से मेल न खाएं।

सारणी सं. 35

1.10 : जर्नलों के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

सारणी सं. 36

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि या मूल्यहास का संकेतक । 6-मुद्राओं वाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2016-17 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। इससे संबंधित कार्यपद्धति का विवरण बुलेटिन के दिसंबर 2005 और अप्रैल 2014 अंक में दिया गया है।

सारणी सं. 37

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

सारणी सं. 38, 39, 40 और 41

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

सारणी सं. 43

1.3: बहुपक्षीय निवल निपटान समूहों से संबंधित है।

3.1: मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नै - तीन केन्द्रों से संबंधित है।

3.3: 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृहों से संबंधित है।

6: दिसंबर 2010 से उपलब्ध ।

7: आईएमपीएस लेनदेन शामिल हैं।

9: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा खोले गए एटीएम और व्हाइट लेबल एटीएम शामिल है। अप्रैल 2014 से व्हाइट लेबल एटीएम शामिल किए गए है।

मोबाइल बैंकिंग - जुलाई 2017 के आंकड़ों में मोबाइल उपकरण का प्रयोग करते हुए प्रारंभ, संसाधित और अधिकृत किए गए वैयक्तिक और कारपोरेट भुगतानों को ही शामिल किया गया है। अन्य कारपोरेट भुगतान जो मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए प्रारंभ, संसाधित और प्राधिकृत नहीं किए गए हैं उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया है।

सारणी सं. 45

(-): नगण्य को दर्शाता है।

जून 2016 से टेबल फार्मेट संशोधित किया है, जिसमें केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों सहित राज्य सरकारों की स्वामित्ववाली प्रतिभूतियाँ और खज़ाना बिलों सहित शामिल है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल हैं। वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इसका हिस्सा बहुत कम है।

"अन्य" श्रेणी में राज्य सरकारों, पेंशन निधियां न्यास, संस्थाएं, हिंदू अविभक्त परिवार / वैयक्तिक आदि. शामिल है।

सारणी सं. 46

2011-12 से जीडीपी डाटा 2011-12 के आधार पर हैं। वर्ष 2015-16 का डाटा 29 राज्यों से संबंधित हैं।

2015-16 से जीडीपी डाटा 28 फरवरी 2018 को केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी राष्ट्रीय आय के दूसरे अग्रिम से संबंधित है।

जीडीपी के लिए 2016-17 (आरई) और 2017-18 के लिए केंद्रीय बजट 2017-18 से लिए गए है।

राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि व्यय को छोड़कर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय।

1 और 2: आंकड़े केंद्र सरकार (एनएसएसएफ की पुनःचुकोती सहित) और राज्य सरकार के निवल चुकोती से संबंधित है।

1.3: राज्य द्वारा स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थानों को दिये गये मुआवजे और कार्य से संबंधित है।

2: यह डाटा केंद्र और राज्य सरकारों को दिये गये उधार प्राप्तियों सहित केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में हुए घटबढ़ से संबंधित निवल को दर्शाते है।

वर्तमान सांख्यिकी

3ए.1.1: आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक के अभिलेख के अनुसार हैं।

3बी.1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों और 364 दिन के खज़ाना बिलों के माध्यम से प्राप्त उधारियों सहित।

3बी.1.2: राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ) द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विशेष प्रतिभूतियों में किये गये निवल निवेश को दर्शाते हैं।

3बी.1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को दिये गये अर्थोपाय अग्रिमों सहित।

3बी.1.7: वित्तीय संस्थानों, बीमा और पेंशन निधि, प्रेषण, नकदी शेष निवेश लेखा से लिये गये ऋण, खज़ाना बिलों (364-दिन के खज़ाना बिलों को छोड़कर) सहित।

सारणी सं. 47

राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और निलामी खज़ाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपाशिक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्प कालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।

राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।

प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।

-: नगण्य

सारणी सं. 48

समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ) और गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) वे आरक्षित निधियाँ हैं जो कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी जाती हैं।

निलामी खज़ाना बिलों (एटीबी) में राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक बाज़ारों में निवेश किए गए 91 दिवसीय, 182 दिवसीय तथा 364 दिनों की खज़ाना बिल शामिल हैं।

--: लागू नहीं (इस योजना का सदस्य नहीं है)।

वर्तमान सांख्यिकी संबंधी अवधारणाएं एवं कार्यप्रणालियां भारतीय रिज़र्व बैंक मासिक बुलेटिन के वर्तमान सांख्यिकी संबंधी व्यापक मार्गदर्शिका (<https://rbi.org.in/scripts/publicationsview.aspx?id=17618>) में उपलब्ध हैं।

विस्तृत टिप्पणियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संबंधित प्रेस विज्ञप्तियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों (जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंडबुक**) में उपलब्ध हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2018	₹ 300 एक प्रति (काउंटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹4,200 (डाक प्रभार सहित एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) ₹3,150 (एक वर्ष का रियायती दर*) ₹3,360 (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क - डाक प्रभार सहित@) ₹2,520 (एक वर्ष का रियायती दर@)	15 अमरीकी डॉलर एक प्रति (डाक प्रभार सहित) 180 अमरीकी डॉलर (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय राज्यों से संबंधित सांख्यिकीय हैंड बुक 2017-18	₹550 (सामान्य) ₹600 (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंड बुक 2016-17	₹550 (सामान्य) ₹600 (डाक प्रभार सहित) ₹400 (रियायती) ₹450 (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्त: 2017-18 और 2018-19 के बजटों का अध्ययन	₹600 एक प्रति (काउंटर पर) ₹650 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 24 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. मिंट रोड माइलस्टोन्स: आरबीआई ऐट 75	₹1,650 एक प्रति (काउंटर पर)	अमरीकी डॉलर 50 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. रिपोर्ट ऑफ दि कमिटी ऑन फुलर कैपिटल अकाउंट कन्वर्टिबिलिटी (तारापोर समिति की रिपोर्ट II)	₹140 एक प्रति (काउंटर पर) ₹170 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 25 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
7. बैंकिंग शब्दावली (2012)	₹80 एक प्रति (काउंटर पर) ₹120 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
8. अनुवाद के विविध आयाम (हिंदी)	₹165 एक प्रति (काउंटर पर) ₹205 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
9. बैंक में राजभाषा नीति का कार्यान्वयन: दशा और दिशा (हिंदी)	₹150 एक प्रति (काउंटर पर) ₹200 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
10. प्रशासनिक शब्दावली (अंग्रेजी - हिंदी)	₹110 एक प्रति (काउंटर पर)	
11. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 18 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)

टिप्पणियाः

1. उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर उपलब्ध हैं।
 2. टाइम सीरीज़ डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (<http://dbie.rbi.org.in>)।
 3. भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-1997 (4 खंड), वित्तीय संकट के संदर्भ में केन्द्रीय बैंकिंग की चुनौतियां और भारत की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि और वित्त भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।
- * भारत में छात्रों, अध्यापकों / व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
- @ इलेक्ट्रॉनिक भुगतान को बढ़ावा देने हेतु, घरेलू ग्राहक जो एनईएफटी के माध्यम से भुगतान करना चाहते हैं, उन्हें 20 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

सामान्य अनुदेश:

1. बिक्री हुई प्रतियां वापस नहीं ली जाएंगी।
2. प्रकाशन कन्साइनमेंट वीपीपी आधार पर नहीं भेजा जाएगा।
3. जहां कहीं रियायती मूल्य का उल्लेख नहीं है, वहां भारत में छात्रों, अध्यापकों/व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी, बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। सामान्यतः प्रकाशन के पिछले अंक उपलब्ध नहीं हैं।
4. प्रकाशनों की (सोमवार से शुक्रवार) तक बिक्री तथा वितरण प्रभाग, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंजिल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई - 400 001 पर उपलब्ध हैं। बिक्री अनुभाग का संपर्क नं. 022-2260 3000, विस्तार 4002, ई-मेल: spsdcs@rbi.org.in है।
5. सदस्यता शुल्क मुख्यतः एनईएफटी द्वारा किया जाना चाहिए और अग्रोषणपत्र, जिसके साथ एनईएफटी विवरण संलग्न हो, मुख्य महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक, दूसरी मंजिल, मुख्य भवन, मुम्बई - 400 001 को संबोधित होना चाहिए। एनईएफटी फार्म में निम्नलिखित जानकारी भरना अपेक्षित है:

लाभार्थी का नाम	कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं
बैंक का नाम	भारतीय रिज़र्व बैंक
शाखा तथा पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBISOMBPA04
खाते का प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8691632-86
प्रेषक से प्राप्तकर्ता की जानकारी	अभिदाता का नाम..... अभिदाता सं.....

6. प्रकाशनों को शीघ्रताशीघ्र भेजने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। तथापि मांग अधिक होने पर 'पहले आओ, पहले पाओ' आधार पर प्रकाशनों की आपूर्ति की जाएगी। औपचारिकताएं पूरा करने और उसके बाद उपलब्ध प्रकाशनों को भेजने में न्यूनतम एक महीने का समय लगेगा। 'प्रकाशन प्राप्त न होने की शिकायत' 2 महीने के अंदर भेजी जाए।
7. कृपया अपनी अंशदान संख्या, नाम, पता तथा ई-मेल आईडी spsdcs@rbi.org.in पर मेल करें ताकि हम आपसे संपर्क कर सकें।